नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 23

सोमवार, 20 से 26 जुलाई 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से किया वर्चुअल संवाद, राष्ट्र निर्माण में निभाने... 03

संवेदनशील जानकारी लीक करने वालों के खिलाफ सख्ती का बचाव... 08

अय्यर की कप्तानी में भारत ने जीती पहली सीरीज 10

शराब पीने से ज्यादा खतरनाक है खानपान की खराब आदत 11

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन 12

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) के प्रोटेस्ट के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि सीजेपी, नीट पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर ही प्रदर्शन कर रही थी।

धर्मेंद्र प्रधान ने खुद अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके इस्तीफे की जानकारी दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।"

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "किंतु 3 मई 2026 को हुई NEET-UG की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी (कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट) मोड में करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

प्रह्लाद जोशी होंगे अगले शिक्षा मंत्री

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। अब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी देश के नए शिक्षा मंत्री होंगे। उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जोशी को उपभोक्ता मामलों के मंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी के अलावा शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति ने प्रधान का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री जोशी को उनकी अपनी जिम्मेदारियों के अलावा शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा जाए।

अस्पताल के बिस्तर से वांगचुक ने जेन-जी को दी बधाई

जंतर-मंतर पर जारी नीट विरोधी आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के घटनाक्रम पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देशवासियों और प्रदर्शनकारी युवाओं को बधाई दी है। श्री वांगचुक ने 'एक्स' पर पोस्ट के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की। तस्वीर में वह अस्पताल के बिस्तर पर हैं और मुस्कुराते चेहरे के साथ उंगलियों से 'वी' (जीत) का निशान बनाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट पर अपनी खुशी जताते हुए लिखा, "यह सीधे सड़कों से मिली प्रत्यक्ष लोकतंत्र की जीत है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी, देश की जेन-जी और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद, जिन्होंने डर और 'डर के डर' को छोड़कर देश के कोने-कोने से आवाज उठायी। अब जवाबदेही तय होने के बाद, हमारा अगला कदम शिक्षा प्रणाली में सुधारों की ओर होना चाहिए। अपनी पोस्ट के जरिए श्री वांगचुक ने साफ कर दिया है कि यह फैसला लोकतंत्र और युवा शक्ति के संयम की मिसाल है। उन्होंने कहा कि 26 दिनों के लंबे अनशन और देश भर के युवाओं की अटूट एकजुटता ने यह साबित कर दिया है कि जब जनता निडर होकर खड़ी होती है, तो सत्ता को जवाबदेह बनना ही पड़ता है। इसके बाद प्रमुखता से उन्होंने लिखा, "जवाबदेही से अब सुधारों की ओर।

जश्न में डूबे जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्र

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और जैसे ही यह सूचना जंतर-मंतर पर पहुंची तो वहां जश्न का माहौल बन गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी विद्यार्थी खुशी से झूमने लगे। पिछले 36 दिनों से राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने श्री प्रधान के इस्तीफे के फैसले का उत्साह के साथ स्वागत किया। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने मिठाइयां बांटीं और एक- दूसरे को बधाइयां दीं। प्रदर्शनकारी विद्यार्थी फिल्म चक दे इंडिया के गीत कुछ करिए, कुछ करिए नस-नस मेरी खौले, हाय कुछ करिए....चक दे इंडिया गाने की धुन पर थिरकने लगे। इसके बाद वंदे मातरम गीत बजाया गया। जश्न के दौरान मंच से बार-बार विद्यार्थियों से शांति बनाये रखने की अपील की गयी। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित सहित कई अन्य सांसद वहां पर नजर आए। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने श्री प्रधान के इस्तीफे को देशभर में आंदोलन कर रहे छात्रों की ऐतिहासिक जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि आखिरकार सरकार ने जिम्मेदारी ली और यह बहुत ही अच्छी बात है। छात्रों का कहना था, "श्री प्रधान का इस्तीफा होने बहुत खुशी की बात है, लेकिन यह जवाबदेही तय करने का पहला पड़ाव है। हमने सरकार को झुकाया है। अब सरकार को पता रहना चाहिए कि वह जब भी गलत करेगी, हम यहां जवाब मांगने के लिए खड़े रहेंगे।" जंतर मंतर पर मौजूद विद्यार्थियों ने कहा, "आज हम इतना खुश हैं कि बयान नहीं कर सकते। हमें अब अहसास हुआ है कि हमारी आवाज मजबूत है और सुनी जा सकती है।

'सरकार ने सभी मांगें मानी', सीजेपी ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन लिया वापस

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही केंद्र सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की सभी मांगे मान ली हैं, जिसके बाद सीजेपी ने अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। सीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। सीजेपी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी की सभी मांगे सरकार ने स्वीकार कर ली हैं, जिनमें नीट परीक्षा के पेपर लीक से संबंधित आत्महत्याओं के पीड़ितों के परिवारों को अधिकतम संभव मुआवजा दिया जाए। केंद्र सरकार और एनडीए शासित राज्यों द्वारा दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएंगी, और भविष्य में इन विरोध प्रदर्शनों में शामिल किसी के भी खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सीजेपी के 5 सूत्रीय परीक्षा सुधार चार्टर पर सरकार विचार करेगी, और सीजेपी इन सुधारों पर आगे चर्चा करने के लिए सरकार से मुलाकात करेगी। इससे पहले सरकार से बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि हमने सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन राउंड की बातचीत की। जंतर-मंतर पर हमारा प्रोटेस्ट, जो कई दिनों से चल रहा था, हमारी तीन मुख्य मांगें थीं: केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ फाइल किए गए सभी लीगल केस, एफआईआर वापस ली जाएं और प्रदर्शनकारियों या आयोजकों के खिलाफ भविष्य में कोई केस फाइल नहीं किया जाए।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

एक नजर

प्रधान का इस्तीफा लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर देश के लोगों को बधाई देते हुए कहा है कि यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत है। श्री केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि श्री प्रधान का इस्तीफा लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत है। देश के युवाओं का संघर्ष रंग लाया और अंततः श्री प्रधान को इस्तीफा देना ही पड़ा। उन्होंने कहा कि देश के लोगों का जनतंत्र से भरोसा उठा गया था। सरकारें लोगों की बात सुनती ही नहीं थीं लेकिन अब सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि यह लोकतंत्र है और लोकतंत्र में सरकार को जनता की बात सुननी ही पड़ेगी। देश के लोगों को उम्मीद है कि सरकार परीक्षा सिस्टम में सुधार कर फिर कभी पेपर लीक नहीं होने देगी और हमारे बच्चों को कभी आत्महत्या नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं और जेन-जी को बहुत-बहुत बधाई। यह बहुत खुशी की बात है कि आप लोगों का संघर्ष रंग लाया और आखिरकार शिक्षा मंत्री प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। यह पूरे लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। हमारे देश में लोगों का जनतंत्र से भरोसा ही उठ गया था और लोगों को लगने लगा था कि सरकारें सुनती ही नहीं हैं। जनता सरकारों के सामने चिल्लाती, गिड़गिड़ाती रहती थी। हर बात के लिए हम सरकार के आगे हाथ जोड़ते रहते थे, पैर पकड़ते थे लेकिन सरकारें कभी सुनती नहीं थीं। आप नेता ने कहा कि इतना बड़ा संघर्ष हुआ और अंततः सरकार के अहंकार को जनता के सामने झुकना ही पड़ा। यह बहुत बड़ी जीत है, यह पूरे जनतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। सरकार को भी अब समझ लेना चाहिए कि आपको जनता की बात सुननी ही पड़ेगी, क्योंकि यह लोकतंत्र है। लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए होता है।

सात दिन बाद वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू, कटरा में रुके हजारों श्रद्धालुओं ने जताई खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र तीर्थस्थल की सालाना यात्रा लगातार सात दिनों तक बंद रहने के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई। इससे कटरा में यात्रा के दोबारा शुरू होने का इंतजार कर रहे हजारों श्रद्धालुओं को राहत और खुशी मिली। तीर्थयात्रा फिर से शुरू होने पर बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचे। पवित्र मंदिर की यात्रा शुरू करने से पहले जरूरी आरएफआईडी कार्ड लेने के लिए 10,000 से ज्यादा श्रद्धालु काउंटर नंबर 2 पर जमा हुए। सुबह से ही लंबी लाइनें लगी थीं और श्रद्धालु सब्र के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। भारी भीड़ के बावजूद, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के जवानों ने भीड़ को संभाला और यह पक्का किया कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया और तीर्थयात्रियों की आवाजाही सुचारू और व्यवस्थित ढंग से होती रहे। कटरा में पूरे दिन हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। बारिश के बावजूद सुरक्षाकर्मी तैनात रहे और वे श्रद्धालुओं की मदद करते रहे और कानून-व्यवस्था बनाए रखी, जबकि पूरे शहर में जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। कई श्रद्धालुओं ने कई दिनों की अनिश्चितता के बाद आखिरकार पवित्र यात्रा करने का मौका मिलने पर खुशी जाहिर की। हरियाणा के एक श्रद्धालु ने कहा, हम हरियाणा के रोहतक से आए हैं। हमने यहां 15 दिनों तक इंतजार किया और आज आखिरकार हमें माता रानी के दर्शन का मौका मिला। हम बहुत खुश हैं। एक और श्रद्धालु ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए कहा, यह मेरी जिंदगी की सबसे यादगार यात्रा होगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र लंबित मुद्दा पीओजेके को वापस लेना है: डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान के केंद्रीय राज्य मंत्री मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को भारत के विभाजन को इतिहास की सबसे बड़ी भूलह करार दिया और कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) को वापस लेना ही भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र लंबित मुद्दा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का सुरक्षा परिदृश्य एक निर्णायक बदलाव से गुजरा है और बाहरी आक्रमण के खिलाफ केवल प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण से निर्णायक एवं सक्रिय जवाबी कार्रवाई वाले दृष्टिकोण में परिवर्तित हुआ है।

डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली के कश्मीरी सांस्कृतिक केंद्र में ह्यजम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरमह्व और ह्यपीओजेके यूथ फोरमह्व (जो मीरपुर बलिदान भवन समिति की एक इकाई है) के सहयोग से आयोजित 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं जबकि कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक कर्नल के.के. शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम के संयोजक महिंदर मेहता और पीओजेके यूथ फोरम की अगुवाई में किया गया ताकि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कारगिल विजय दिवस को याद करने और देश के लिए नए संकल्प का दिन बताते हुए कहा कि यह जीत भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और भारत की एकता, संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा के प्रति देश की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल से मिली सीख आज भी प्रासंगिक है क्योंकि देश के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए लगातार सतर्क रहने और राष्ट्रीय एकता कायम रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भ की बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 1999 की घटनाओं को अलग-थलग

सौ साल बाद भी प्रासंगिक है गांधी का सत्याग्रह : वांगचुक

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने सोमवार को कहा कि एक बार फिर यह साबित हो गया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अहिंसा और शांति का रास्ता 100 साल बाद भी प्रासंगिक है तथा आने वाले हजारों साल तक रहेगा। श्री वांगचुक ने सोमवार को यहां राजघाट पर गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं सबसे पहले बापू को याद करने राजघाट आना और देश को बताना चाहता था कि उनका बताया गया रास्ता आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 100 साल पहले था। लोग कहते हैं कि ऐसे शासन के साथ ये तरीके नहीं चलते हैं। मुझे लगता है कि यह तरीका शासक से ज्यादा जनता के दिल तक संदेश पहुंचाता है।

उल्लेखनीय है कि श्री वांगचुक ने नीट पेपर लीक तथा उसके बाद 22 अभ्यर्थियों की आत्महत्या पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए 28 जून से यहां जंतर मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की थी। कुछ दिनों के बाद पुलिस ने श्री वांगचुक को वहां से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया था। सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कुछ आश्वासन दिये जाने के बाद उन्होंने 26 दिन की भूख हड़ताल समाप्त की थी।

श्री वांगचुक ने कहा, कोई भी शासक हों, वे जनता की सुनते हैं, चाहे मेरी न सुनें। मैंने गांधी जी के प्रयोग को एक बार फिर सफल होते देखा। इससे पहले लद्दाख में हम गांधी जी के इस प्रयोग का उपयोग करते आए हैं और उसे बहुत प्रासंगिक देखा, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भी यह प्रासंगिक होगा। यह मुझे मालूम नहीं था। आज मुझे तसल्ली हुई कि 100 साल बाद भी यह प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, मैं भारत और विश्व की जनता से यही कहूंगा कि वे बापू के दिखाये शांति के रास्ते पर ही चलें।

शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक अधिकार, सिर्फ आंदोलन के आधार पर लाठीचार्ज सही नहीं: सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, आरएनएन। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण और न्यायसंगत प्रदर्शन संविधान के तहत सुरक्षित हैं और केवल विरोध-प्रदर्शन लाठीचार्ज का आधार नहीं हो सकता है। उन्होंने ये मौखिक टिप्पणियां तब कीं जब न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना वाली बेंच देश में नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल के अत्यधिक उपयोग का आरोप लगाने वाली याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी।

न्यायालय ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों के परिवारों को भी कार्यवाही में शामिल होने की इजाजत दी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि पुलिसकर्मियों और छात्रों, दोनों का घायल होना समान रूप से चिंताजनक है और उन्होंने सरकार से यह बताने को कहा कि पुलिस को हेलमेट जैसे जरूरी सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं दिए गए थे।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय : 12/276, संगम विहार नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल पेश

एनडीए ने विपक्ष पर लगाया गुमराह करने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल पेश किए जाने के दौरान एनडीए के सांसदों ने विपक्ष पर छात्रों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। एनडीए के सांसदों ने इस विधेयक को युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार सख्त कानून लेकर आई है। मोदी सरकार ने इस दिशा में बड़ा और सकारात्मक कदम उठाया है।

आठवले ने कहा कि पेपर लीक में शामिल कई लोगों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है और सरकार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हंगामा करना ही उसका काम बन गया है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने विपक्ष के रवैये को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि आज विपक्ष के पास छात्रों के हित में बनाए जा रहे सख्त कानून का समर्थन करने का अवसर था, लेकिन उसने इसका विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के इस रुख से यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर विपक्ष पेपर लीक में शामिल लोगों के प्रति उसकी सहानुभूति क्यों दिखाई दे रही है। तिवारी ने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं सुनिश्चित करने के लिए कठोर कानून समय की जरूरत है।

इसी मुद्दे पर भाजपा सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह छात्रों के हित में है और इसका उद्देश्य युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करना है। इसके बावजूद विपक्ष ने सदन में हंगामा कर चर्चा में बाधा डाली, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह दावा करके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किया कि पुलिस ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एके-47 का इस्तेमाल किया।

पात्रा ने इसे पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताते हुए कहा कि पुलिस ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। राहुल गांधी झूठी जानकारी फैलाकर लोगों में गुस्सा और अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। पात्रा ने कहा कि विपक्ष के नेता के पद पर बैठे व्यक्ति को तथ्यों के आधार पर बयान देना चाहिए और इस तरह के दावों के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

जनता दल यूनाइटेड के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने भी सदन में व्यवस्थित चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य देश के हित में कानून बनाना और सुचारू रूप से काम करना है। सभी दलों को सहयोग की भावना से सदन चलाने में योगदान देना चाहिए ताकि महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हो सके।

सिर्फ बिल लाने से नहीं खत्म होगी जिम्मेदारी : विपक्ष

संसद के मॉनसून सत्र के दौरान पेपर लीक, छात्र आंदोलन, बिहार में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से कई सवाल किए है। पेपर लीक और छात्र आंदोलन के मुद्दे पर सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को देश के लोगों विशेष रूप से छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। उनका आरोप था कि दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, जिसमें कई छात्र घायल हुए और महिला प्रदर्शनकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार केवल चर्चा कर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उनके अनुसार प्रस्तावित विधेयक में पेपर लीक रोकने के प्रभावी उपाय नहीं हैं, बल्कि केवल समय-सीमा बढ़ाने और फास्ट-ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था का उल्लेख किया गया है। चर्चा से पहले सरकार को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। इसी मुद्दे पर सपा सांसद राजीव राय ने सरकार से सवाल किया कि क्या उन लोगों पर भी कानून लागू होगा जो कथित तौर पर पेपर लीक गिरोह के मास्टरमाइंड हैं।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ह्न नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

गाजीपुर में अभियोजन कार्यों की समीक्षा: जून में 64 मामलों का निस्तारण, हत्या, दहेज हत्या और पॉक्सो मामलों में दोषियों को सजा

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में अभियोजन की समीक्षा बैठक कलेक्टेट्ट सभागार में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान आलोच्य माह जून, 2026 में भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत कुल 58 वादों का निस्तारण हुआ, जिसमें 11 बाद में सजा हुई, 01 बाद में अभियुक्त रिहा हुआ व 12 वाद सुलह तथा 34 वाद कमिट के आधार पर निस्तारित हुए तथा अन्य अधिनियम के अन्तर्गत 06 वाद निस्तारण हुई, जिसमें 02 वादों में सजा हुई तथा 04 वाद में अभियुक्त रिहा हुए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि माह जून, 2026 की समीक्षा में सजा हुए वादों का विवरण निम्नवत हैं - थाना मुहम्मदाबाद मु०अ०सं० 215/2020 वाद सं0 98/2021 धारा 498ए. 304वीं भा०द०वि० व 3/4 डी.पी.एक्ट स्टेट बनाम पवन कुमार में मा० सत्र न्यायालय, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 12.06.2026 को अभियुक्त को 10 वर्ष का कारावास व रू० 10000/- अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री कृपाशंकर राय, डी.जी.सी. द्वारा किया गया। थाना नोनहरा मु०अ०सं० 129/2023 वाद सं0 910/2023 धारा 498ए, 304वीं भा०द०वि० व 3/4 डी.पी.

एक्ट स्टेट बनाम मुस्ताक खान उर्फ मउर में मा० सत्र न्यायालय, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 16.06.2026 को अभियुक्त को 10 वर्ष का कारावास व 10000/- का जुमार्ना की सजा की गयी। उक्त वाद में श्री कृपाशंकर राय, डी.जी.सी.द्वारा कुशल पैरवी की गयी। थाना बरेसर मु०अ०सं० 109/2023 वाद सं० 1115/2023 धारा 302 भा०द०वि० व 4/25 आर्म्स एक्ट स्टेट बनाम कमलेशी देवी में मा० न्यायालय ए.डी.जे. प्रथम, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 10.06.2026 को अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास तथा 2000/-रुपए की सजा किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री अखिलेश सिंह.ए.डी.जी.सी. द्वारा किया गया। थाना गहमर मु०अ०सं० 237/2021 वाद सं0 248/2022 धारा 302 भा.द.वि. स्टेट बनाम अमजद खान में मा० न्यायालय ए.डी.जे.प्रथम गाजीपुर द्वारा दिनाँक 11.06.2026 को अभियुक्त को मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री अखिलेश सिंह, ए.डी.जी.सी. द्वारा किया गया।

थाना रेवतीपुर मु०अ०सं० 395/2017 बाद सं० 20/2018 धारा 354,323 भा.द.वि. व 7/8 पाक्सो एक्ट स्टेट बनाम बोदा सिंह उर्फ भोला सिंह में मा० पाक्सो न्यायालय, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 05.06.2026 को अभियुक्त को 04 दिन के कारावास की सजा से दण्डित किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री रविकान्त पाण्डेय, वि०लो०अभि० द्वारा किया गया। थाना खानपुर मु०अ०सं० 106/2018 वाद सं० 180/2018 धारा 363,366,376,506 भा.द.वि. व 3/4 पाक्सो एक्ट स्टेट बनाम गौतम में मा० पाक्सो न्यायालय, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 06.06.2026 को अभियुक्त को 10 वर्ष के कारावास की सजा से दण्डित किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री रविकान्त पाण्डेय, वि०लो०अभि० द्वारा किया गया। थाना दुल्लहपुर मु०अ०सं० 81/2018 वाद सं० 148/2018 धारा 363,366,376 भा.द.वि. व 3/4 पाक्सो एक्ट स्टेट बनाम आकाश गौड़ में मा० पाक्सो न्यायालय, गाजीपुर द्वारा दिनाँक 09.06.2026 को अभियुक्त को 10 वर्ष के कारावास की सजा से दण्डित किया गया। उक्त वाद में कुशल पैरवी श्री

प्रभुनारायण सिंह, वि०लो०अभि० द्वारा किया गया। कुल 331 सम्मन/वारण्ट निर्गत किया गया जिसके सापेक्ष कुल 238 सम्मन/वारण्ट तामिल कराया गया। तामिल वारण्ट/सम्मन के सापेक्ष उपस्थित गवाहों की संख्या 185 रहीं, जिसमें से 172 गवाहों को माननीय न्यायालय के समक्ष परीक्षित कराया गया तथा 13 गवाह पी.ओ. के अवकाश पर होने तथा अधिवक्तागण के हड़ताल के कारण परीक्षित नहीं हुए। सत्र न्यायालयों में सम्मन/वारण्ट / तलब गवाहों हेतु कुल 328 सम्मन निर्गत हुए जिसके सापेक्ष 281 तामिल हुए। तामिला के सापेक्ष कुल 252 गवाह उपस्थित हुए। उपस्थित गवाहों के सापेक्ष कुल 232 गवाह परीक्षित हुए तथा 20 गवाह अधिवक्ता के हड़ताल तथा पी.ओ. के अवकाश के कारण परीक्षित नहीं हो सके। सत्र न्यायालय में फैसला शुदा गम्भीर धाराओं में जमानत प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की समीक्षा में पाया गया कि माह जून, 2026 में अवर न्यायालय में कुल 145 जमानत प्रार्थना पत्र दायर हुए जिसके सापेक्ष कुल 79 जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकृत हुए तथा 66 जमानत प्रार्थना पत्र अस्वीकृत हुए।

अपर जिलाधिकारी (भू. रा.) द्वारा जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) तथा लोक अभियोजकों को निर्देशित किया गया कि रिहा हुए अभियुक्तों के वादों की पुनः विधिवत समीक्षा कर ले। यदि पुनः अपील किया जाना शासकीय हित में हो तो पुनः अपील का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करे। जिन वादों में गवाह पक्षद्रोही हो रहे है। कुछ वाद में पक्षद्रोही हुए गवाहों पर मुकदमा कर सजा दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए, जिससे सुधार हो सके। सभी अभियोजकगण को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह कम से कम एक वाद की केस डायरी बनायी जाए कि पुलिस द्वारा की गयी अपनी विवेचना में क्या-क्या त्रुटियां/कमियां की गयी, उसे नोट किया जाए, जिससे कि वाद में स्टेट के विरूद्ध आदेश पारित हुआ, ताकि समीक्षा के दौरान उक्त बिन्दु पर भी सुधार किया जा सके तथा अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

ई-विकास प्रणाली में अनियमितता पर 4 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित, 18 को नोटिस

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: जिले में किसानों को उर्वरकों की समय पर, सुगम एवं पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ई-विकास प्रणाली प्रभावी रूप से लागू की गई है। जिले में 26 जनवरी 2026 से इस प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आंशिक संचालन प्रारंभ किया गया था, जिसे 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से लागू कर दिया गया है। इसके माध्यम से उर्वरक विक्रय एवं वितरण की ऑनलाइन निगरानी की जा रही है, जिससे संपूर्ण व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। कलेक्टर के निर्देशन में प्रभावी निगरानी कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में जिले में ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग को नियमित निरीक्षण एवं सघन निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में उर्वरक विक्रेताओं द्वारा ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत निर्धारित नियमों के पालन की लगातार समीक्षा की जा रही है।

24 जुलाई 2026 को वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखण्ड पोरसा द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं के अभिलेख निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप संधारित नहीं पाए जाने पर दो निजी उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें घनश्याम ट्रेडर्स, अटेर रोड पोरसा तथा रामअवतार मुरारीलाल, अटेर रोड पोरसा शामिल हैं। इसी प्रकार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखण्ड मुरैना के प्रतिवेदन के आधार पर ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर चार निजी उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किए गए हैं। इनमें मैसर्स राजपूत एग्री सेल्स, बानमोर; मैसर्स श्याम खाद भण्डार, एबी रोड टेकरी, मुरैना; मैसर्स शिव खाद भण्डार, बड़ागांव, मुरैना तथा मैसर्स देवीराम वासुदेव प्रसाद, फाटक बाहर, मुरैना शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त थोक उर्वरक विक्रेता आईडी से फुटकर विक्रेता आईडी पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप उर्वरक का अंतरण नहीं करने वाले 18 निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रेताओं को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। ई-विकास प्रणाली से बढ़ी पारदर्शिता, किसानों के हित सर्वोपरि ई-विकास प्रणाली लागू होने से उर्वरक वितरण प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल एवं पारदर्शी हो गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से उर्वरकों की उपलब्धता, विक्रय एवं वितरण की ऑनलाइन निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसानों को आवश्यकता के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के साथ-साथ वितरण व्यवस्था में अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

प्रभारी मंत्री की समीक्षा बैठक से गैरहाजिर 18 अधिकारियों पर कार्रवाई, जुलाई का वेतन रोका

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक से बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले 18 अधिकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों का जुलाई 2026 का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश जारी किए हैं। बताया गया कि समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति के चलते विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा प्रभावित हुई, जिस पर प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताई थी।

प्रशासन की कार्रवाई की जद में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जल निगम, बाढ़ विभाग, सरयू नहर सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ), मत्स्य, पर्यटन, श्रम, दुग्ध विकास एवं सेवा योजन विभाग के अधिकारियों के साथ आईटीआई प्रधानाचार्य और कौशल विकास विभाग से जुड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों में बिना अनुमति अनुपस्थित रहना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है और भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि सहित अन्य कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी के इस सख्त कदम के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा हुआ है और अधिकारियों के बीच कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों में अधिकारियों की लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे भविष्य में निर्धारित बैठकों में समय से उपस्थित होकर अपने-अपने विभागों की योजनाओं और प्रगति की जानकारी उपलब्ध कराएं।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन, वीर नारियों और पूर्व सैनिकों का सम्मान

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: कारगिल विजय दिवस' के ऐतिहासिक और गौरवशाली अवसर पर, संत कबीर नगर जिले में अमर बलिदानियों की पावन स्मृति में एक भव्य एवं भावपूर्ण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह दिन भारतीय सशस्त्र बलों के उस अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है, जब 1999 में हमारे वीर जवानों ने कारगिल की दुर्गम और बफीर्ली चोटियों पर तिरंगा फहराकर 'ऑपरेशन विजय' को पूर्ण सफलता दिलाई थी।

इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम का संयोजन, संचालन एवं स्वागत संबोधन जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राम प्रकाश मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आगमन, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, इसके पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों,

पूर्व सैनिकों और नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले कारगिल युद्ध के 527 अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में जिले के गौरव एवं वीर चक्र विजेता सिपाही सत्यवान सिंह के विजय बहादुर सिंह, सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित, सेवारत हवलदार योगेन्द्र कुमार, अमर शहीदों की वीर नारियां, द्वितीय विश्व युद्ध की विधवाएं एवं लगभग 50 पूर्व सैनिक तथा उनके आश्रितों ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि द्वारा सेवारत पदक विजेता हवलदार योगेन्द्र कुमार को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध की विधवाओं, वीर नारियों (शहीदों की पत्नियों) और जिले के वरिष्ठतम पूर्व सैनिकों को भी पूरे सम्मान के साथ सम्मानित किया गया। "युद्ध केवल सीमा पर नहीं, पूरा देश एक साथ लड़ता है" - कर्नल राम प्रकाश मिश्रा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राम प्रकाश मिश्रा ने अपने स्वागत संबोधन में युवाओं से जुड़ने पर गहरी प्रसन्नता और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "एक पूर्व सैनिक एवं सैनिक कल्याण के कार्यों में जमीनी स्तर पर जुड़े होने के नाते मैं गहराई से महसूस करता हूँ कि युद्ध केवल सीमा पर सैनिक नहीं लड़ते, बल्कि पूरा देश एक साथ लड़ता है।

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) द्वारा वीर नारियों और शहीदों के परिवारों के त्याग को 'राष्ट्रीय धरोहर' बताते हुए उन्हें वंदन किया और अपनी बात का समापन राष्ट्र प्रेम की इन ऊजार्वान पंक्तियों से किया। जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।

वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं॥ शहीदों का ऋण यह राष्ट्र कभी नहीं चुका सकता" मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार ने अपने भावपूर्ण संबोधन में शूरवीरों को नमन करते हुए कहा कि आज का दिन हर भारतीय के लिए गर्व और भावुकता का दिन है। उन्होंने वीर नारियों और शहीद आश्रितों के समक्ष नतमस्तक होते हुए कहा, "आपके पति, पिता या बेटे ने मातृभूमि के लिए जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसका ऋण यह राष्ट्र कभी नहीं चुका सकता।

आपने जिस असीम साहस के साथ अपने जीवन के सबसे बड़े दुःख को देश के गर्व में बदला है, वह हम सभी के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने युद्ध पदक विजेताओं को युवा पीढ़ी का सच्चा आदर्श बताया। साथ ही, जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण विश्वास दिलाते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या किसी भी प्रशासनिक कार्य में प्रशासन पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की हर संभव सहायता के लिए सदैव उनके साथ खड़ा है; प्रशासन के द्वार उनके लिए हमेशा खुले हैं।

कार्यक्रम के अंत में, "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा" पंक्तियों के साथ अमर बलिदानियों को शत-शत नमन किया गया। समारोह का समापन 'जय हिंद, जय भारत' के गगनभेदी उद्घोष के साथ हुआ।

कांवड़ यात्रा को लेकर सीएम योगी हुए सख्त, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिए निर्देश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: श्रावण मास और आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े और सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और अन्य जनसुविधाओं को मजबूत बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम योगी ने अफवाह फैलाने वालों, मिलावटखोरों, ओवररेटिंग करने वालों और अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मेरठ जोन की तैयार कार्ययोजना को प्रदेश के सभी पुलिस जोनों के साथ साझा करने को कहा, ताकि पूरे उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा का संचालन एक समान, सुरक्षित और प्रभावी तरीके से किया जा सके। उन्होंने कांवड़ संघों के साथ लगातार संवाद बनाए रखने, शिविर संचालकों का समयबद्ध सत्यापन कराने और पड़ोसी राज्यों हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली एवं उत्तराखंड के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

यात्रा मार्गों को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि मार्गों पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। सीएम योगी ने कहा कि यात्रा मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानों को बंद रखने की व्यवस्था की जाए। खाद्य पदार्थों में मिलावट और अधिक कीमत वसूलने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रत्येक दुकान पर संचालक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने और डीजे की आवाज निर्धारित मानकों के अनुसार रखने के निर्देश दिए गए।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों का तत्काल खंडन करने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया है। इसके अलावा बढ़ते जलस्तर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और संभावित बाढ़ एवं कटान प्रभावित क्षेत्रों में पहले से तैयारी पूरी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को लगातार निगरानी बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य करने को कहा।

7-8 साल से जर्जर धनोप माताजी-फूलियाकलां सड़क, गड्ढों में तब्दील मार्ग से रोज हादसों का खतरा

पप्पू लाल शर्मा

राजस्थान: शक्तिपीठ धनोप माताजी को फूलियाकलां से जोड़ने वाला लगभग 8 किलोमीटर लंबा मुख्य मार्ग पिछले 7झ8 वर्षों से बदहाल स्थिति में है। सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी है और बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है। इससे प्रतिदिन हजारों राहगीरों, किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों तथा श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मूकदर्शक बना हुआ है। यह मार्ग रलायता, राजपुरा, मालीखेड़ा, हुकुमपुरा, शिवपुर सहित आसपास के कई गांवों को फूलियाकलां, शाहपुरा, केकड़ी, बिजयनगर और भीलवाड़ा से जोड़ता है। साथ ही धनोप माताजी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं तथा किसानों के लिए भी यह प्रमुख संपर्क मार्ग है। खराब सड़क के कारण ग्रामीणों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है।

बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क का स्वरूप ही दिखाई नहीं देता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। रात के समय वाहन चालकों को मोड़ और गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही डामर उखड़ना शुरू हो गया था। समय रहते न तो रखरखाव किया गया और न ही गुणवत्तापूर्ण मरम्मत हुई। परिणामस्वरूप आज पूरी सड़क जर्जर हो चुकी है। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन समाधान नहीं निकल पाया। जानकारी के अनुसार इस सड़क के पुनर्निर्माण के लिए डीएमएफटी के तहत कई बार प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी। फाइलें विभागीय स्तर पर लंबित हैं और सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि सड़क निर्माण का आश्वासन देते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद समस्या जस की तस बनी रहती है। वर्षों बीत जाने के बावजूद सड़क का पुनर्निर्माण नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों ने राज्य सरकार और सार्वजनिक निर्माण विभाग से मांग की है कि धनोप माताजीझफूलियाकलां 8 किलोमीटर सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि हजारों लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से किया वर्चुअल संवाद, राष्ट्र निर्माण में निभाने का किया आह्वान

9

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत (MY Bharat) प्लेटफॉर्म द्वारा आयोजित विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत आज मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश भर के युवा प्रतिभागियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रेरणादायी संवाद किया। इस अवसर पर देशभर के लगभग 250 स्थानों से कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण किया गया। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद के एनआईसी सभागार में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण आयोजित किया गया, जिसमें युवा स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मा0 प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी संबोधन को देखा और सुना।

उल्लेखनीय है कि माय भारत पोर्टल पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में देशभर के 03 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं का चयन विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 के लिए किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर के 400 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने लद्दाख, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड के चयनित सीमावर्ती गांवों का भ्रमण किया तथा वहां स्थानीय समुदायों के साथ रहकर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक गतिविधियों में सहभागिता की। सीमावर्ती गांवों में प्रवास के दौरान प्रतिभागियों ने स्थानीय संस्कृति एवं परंपराओं को निकट से जाना, स्थानीय परिवारों के साथ संवाद स्थापित किया तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान, स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं के प्रति जनजागरूकता, वृक्षारोपण, युवा संवाद, स्थानीय कारीगरों एवं ग्रामवासियों से संवाद जैसी अनेक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया। इस अनुभव ने युवाओं में राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता तथा सीमावर्ती गांवों के महत्व के प्रति नई समझ और प्रेरणा का संचार किया।

मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने संवाद के दौरान प्रतिभागियों के अनुभव सुने तथा सीमावर्ती गांवों को "देश के प्रथम गांव" बताते हुए युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में भी यूपीआई, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है और इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। जनपद संत कबीर नगर के प्रतिभागी देव प्रकाश, जिन्होंने कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती गांवों का भ्रमण किया था, वर्तमान में पुणे से वर्चुअल माध्यम द्वारा मा0 प्रधानमंत्री जी के संवाद में शामिल हुए। वहीं जनपद संत कबीर नगर में आयोजित कार्यक्रम में गौरी पांडेय, राधा शुक्ला, अजय कुमार, रविशंकर, राज प्रसून, विनोद सोनी सहित 22 युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी संबोधन को सुना तथा कार्यक्रम से प्रेरणा प्राप्त की।

इस अवसर पर अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने युवा स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों से संवाद करते हुए माय भारत के माध्यम से उपलब्ध राष्ट्र सेवा के अवसरों की जानकारी दी तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी एवं असिस्टेंट प्रोग्राम असिस्टेंट (APA) की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल एवं निर्बाध लाइव प्रसारण हेतु एनआईसी (NIC) की ओर से एडीआईओ बृजेंद्र यादव एवं एनएफई विपिन जायसवाल द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

नशे के कारोबारियों पर होगी सख्त कार्रवाई, हॉटस्पॉट चिन्हित कर होगी छापेमारी

अज्जू प्रसाद साहू

मध्य प्रदेशः जिले को नशा मुक्त बनाने और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम और बेहतर समन्वय को लेकर जिला स्तरीय समिति नाकोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में नारकोटिक्स और नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया जाए। इसके लिए जिले में नशे के कारोबार से जुड़े संभावित हॉटस्पॉट चिन्हित कर विशेष छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि यदि जिले में कहीं भी मादक पदार्थों की तस्करी या अवैध बिक्री से जुड़ी जानकारी मिलती है तो तत्काल पुलिस विभाग को इसकी सूचना दी जाए। उन्होंने पुलिस और वन विभाग को निर्देश दिए कि नशीले पदार्थों की तस्करी के संभावित मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। बैठक में जिले में अफीम, भांग सहित अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती की रोकथाम को लेकर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने वन विभाग, कृषि विभाग और पुलिस विभाग को आपसी समन्वय के साथ निगरानी बढ़ाने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके लिए पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग और सामाजिक न्याय विभाग को मिलकर अभियान चलाने को कहा गया, ताकि छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जा सके।बैठक में जिले में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और विद्यार्थियों समेत आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले इंजेक्शन, स्मैक और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। बैठक में डीएफओ तरुणा वर्मा, उप संचालक कृषि के.एन. यादव, डॉ. आरपी शुक्ला, उप संचालक सामाजिक न्याय प्रज्ञा मरावी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़े शस्त्र लाइसेंस मामले में चौथी एफआईआर, सांसद अफजाल अंसारी समेत दो पर केस दर्ज

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः इसी क्रम में सांसद अफजाल अंउत्तर प्रदेशः इसी क्रम में सांसद अफजाल अंसारी और तत्कालीन शस्त्र लिपिक प्रेमशंकर वर्मा के खिलाफ मुहम्मदाबाद थाने में सोमवार की शाम 4 बजे आर्म्स एक्ट के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। यह इस मामले में दर्ज चौथी एफआईआर है। जांच में सामने आया है कि आईएस-191 गैंग के सदस्यों से जुड़े 51 शस्त्र लाइसेंसों पर नियमों के विपरीत 145 शस्त्र जारी किए गए थे। इन शस्त्रों के भौतिक सत्यापन के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। कई मामलों में रिकॉर्ड और मौके पर उपलब्ध तथ्यों में महत्वपूर्ण अंतर मिला है, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है पुलिस और प्रशासन की संयुक्त जांच में अब तक इस पूरे प्रकरण में कुल चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी भी जारी है और जिन अन्य लोगों की भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफ भी सख्त से सख्त नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई मुख्तार अंसारी गैंग की आपराधिक गतिविधियों और उससे जुड़े शस्त्र लाइसेंसों की व्यापक पड़ताल का हिस्सा है। प्रशासन पहले से ही गैंग से जुड़े सभी लाइसेंसों का सत्यापन अभियान चला रहा है। इस जांच में दस्तावेजों, लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया और हथियारों के उपयोग से जुड़े सभी पहलुओं की गहन समीक्षा की जा रही है। इस कार्य में गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इरज राजा और सभी थानों की पुलिस हमेशा जांच में जुटी हुई है और अपराधियों की भी निगरानी कर रही है और साथ में गैंगस्टर और जिला बदर की भी कार्रवाई तेज हो गई है।

NCR में प्रदूषण रोकने की तैयारी तेज, सीएम सैनी के नेतृत्व में तय हुए लक्ष्य

सूरज मौर्य

हरियाणाः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और वायु गुणवत्ता सुधारने को लेकर हरियाणा सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी को लेकर गुरुग्राम में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्य के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में ठउफ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हरियाणा के जिलों में वायु प्रदूषण की वर्तमान स्थिति और उससे निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रदूषण के प्रमुख कारणों और उनके समाधान को लेकर कार्ययोजना प्रस्तुत की।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि बैठक में वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने और हरित क्षेत्र बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट लक्ष्य दिए गए हैं, ताकि प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को प्रभावी बनाया जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां तय की गईं। इसमें परिवहन, उद्योग, शहरी निकाय, पर्यावरण और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर जोर दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बैठक में अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आने वाले समय के लिए नई रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। वाहन प्रदूषण को कम करने, औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरण मानकों का पालन सुनिश्चित करने और निर्माण कार्यों से निकलने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं। इसके अलावा ठउफ क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और अधिक से अधिक पौधारोपण को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर काम किया जा रहा है।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों से कहा कि वायु प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू करने और जमीनी स्तर पर उनकी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सरकार का लक्ष्य ठउफक्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार लाना और आम लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े सभी उपायों को प्रभावी तरीके से लागू करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

गोंडा में बाढ़ राहत को मिलेगी नई रफ्तार, 'हनुमान रथ' रवाना, प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाएगा मदद

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः तहसील तरबगंज के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम ऐलीपरसौली सहित आसपास के गांवों में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाने के उद्देश्य से विशेष राहत एवं रेस्क्यू वाहन "हनुमान रथ" को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष वाहन अब बाढ़ के दौरान फंसे हुए लोगों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाने तथा आवश्यकतानुसार रेस्क्यू अभियान संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर माननीय विधायक तरबगंज श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, माननीय विधायक सदर गोण्डा श्री प्रतीक भूषण सिंह, जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन, माननीय एमएलसी श्री मंजू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राहत सामग्री पहुंचाने और रेस्क्यू अभियान में बनेगा प्रभावी माध्यम बाढ़ के दौरान कई बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जब किसी गांव में कोई व्यक्ति पानी से घिरकर फंस जाता है अथवा गांवों के चारों ओर जलभराव इतना अधिक हो जाता है कि सामान्य वाहनों का पहुंचना संभव नहीं होता। ऐसी विषम परिस्थितियों में "हनुमान रथ" राहत एवं बचाव कार्यों का एक प्रभावी साधन सिद्ध होगा। इस विशेष वाहन के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न, पेयजल, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री शीघ्रता से पहुंचाई जा सकेगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में भी यह वाहन अत्यंत उपयोगी रहेगा। यह वाहन माननीय विधायक सदर गोण्डा श्री प्रतीक भूषण सिंह द्वारा उपलब्ध कराया गया है, जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में प्रशासन को महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त पहल से बढ़ेगा जनविश्वास कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में त्वरित राहत एवं प्रभावी बचाव कार्य प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। "हनुमान रथ" के संचालन से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को नई गति मिलेगी तथा आपदा की स्थिति में लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाना पहले की अपेक्षा अधिक सरल और प्रभावी होगा।

सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह वाहन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तरबगंज, ब्लॉक प्रमुख बेलसर, नगरपालिका अध्यक्ष नवाबगंज, खंड विकास अधिकारी बेलसर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष बनने के बाद राणापुर पहुंचे प्रकाश परमार, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रकाश परमार के प्रथम नगर आगमन पर राणापुर नगर परिषद परिसर में अध्यक्ष सुश्री दीपमाला दिलीप नलवाया के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी मंडल राणापुर एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा राणापुर ने भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर नगर के भाजपा पदाधिकारी एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे, इस अवसर पर कार्यकताओं ने पुष्पमालाओं एवं साफा पहनाकर श्री प्रकाश परमार का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में

रमेश्वर नायक , दिलीप नलवाया दीपमाला नलवाया, कमलेश नायक , संचित कटारिया , कमलेश नाहर ,मुकेश मेड़ा ,मयंक राठौर ,विश्वास जैन , ध्रुव जोशी ,जयु तुवरिया ,अविनाश पंड्या , सुजल जैन सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जैसे ही प्रकाश परमार का काफि ला नगर परिषद परिसर से कन्या शाला पहुंचा वहां पर भावेश खाटवा के नेतृत्व में एवम युवा साथियो के द्वारा मौजूद युवा कार्यकर्ता ने माला एवम साल श्रीफल भेट की गई एवम युवा साथियो के द्वारा भवय स्वागत किया गया यह लोग रहे उपस्थित इंदर सिंह सिंगाड, कमलेश हटीला, भावेश सिंगाड, कमलेश सुरेस माली ,भावेश भाई खाटवा. कापसिंह भूरिया संतोष खाटवा ,पवन परमार सौरभ जैसवाल आदि युवा साथी अनेक कार्यकर्ता गण मौजूद रहे कार्यक्रम उत्साह एवं संगठनात्मक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। अंत में सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

डबवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 496 ग्राम डोडा पोस्त और ट्राला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

अवतार सिंह

हरियाणाः 496 ग्राम डोडा पोस्त व ट्राला सहित दो आरोपी काबू नशा मुक्त समाज के संकल्प को साकार करने की दिशा में डबवाली पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक डबवाली जसलीन कौर आईपीएस के कुशल मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत कड़ा एक्शन लेते हुए चौकी कालांवाली पुलिस ने मंडी कालांवाली से 496 ग्राम डोडा पोस्त व एक ट्राला सहित दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है ।इस बारे में पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 22.07.2026 को प्रभारी चौकी कालांवाली उप नि. चन्दन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त पड़ताल के दौरान रोड़ी रोड़ मंडी कालांवाली पर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक ट्राला को रुकवाकर दो व्यक्तियों (चालक व परिचालक) को संदेह के आधार पर काबू किया।

जो कोई नशीला पदार्थ के शक पर ट्राला के केबिन में मिले एक पॉलिथीन को चेक किया गया तो उसमें से 496 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ । बरामद डोडा चूरा पोस्त व ट्राला को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी ट्रक चालक हरभजन सिंह व परिचालक कृष्ण कुमार के खिलाफ थाना कालांवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है। काबू किए गए आरोपियों को आज माननीय अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई की जाएगी । मामले की जांच जारी है, जो इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता पाए जाने पर उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

थाना समाधान दिवस, डीएम-एएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

विजय कुमार

उत्तर प्रदेशः जनसमस्याओं के प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान के उद्देश्य से शनिवार को जिले के विभिन्न थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने थानों पर पहुंचकर आम लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। बलरामपुर के थाना गौरा चौराहा में आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन और अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान कई लोग अपनी शिकायतें लेकर अधिकारियों के सामने पहुंचे। डीएम और एएसपी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और संतोषजनक समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक मामले का निष्पक्ष जांच के बाद गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ने पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को निर्देश दिए कि भूमि विवादों की जांच के लिए मौके पर जाकर दोनों पक्षों की बात सुनी जाए और नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने थाना समाधान रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर का निरीक्षण कर लंबित मामलों की स्थिति और निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा की।

वहीं, जिले के अन्य थानों में भी समाधान दिवस आयोजित किया गया। थाना सादुल्लानगर में अपर जिलाधिकारी ज्योति राय ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। थाना कोतवाली नगर में क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह ने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा थाना ललिया और थाना महाराजगंज तराई में क्षेत्राधिकारी ललिया देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने पहुंचकर जनशिकायतों की सुनवाई की और मामलों के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान न होना पड़े और उन्हें थाना स्तर पर ही न्याय मिल सके। अधिकारियों ने कहा कि छोटे विवादों, खासकर भूमि विवादों का मौके पर समाधान कर लोगों को अनावश्यक कानूनी प्रक्रिया से राहत दिलाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जंतर-मंतर में जश्न, अभिजीत दीपके ने बताया आंदोलन की पहली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद छात्र-युवाओं ने नारे लगाए, नृत्य किया और इसे अपने आंदोलन की पहली बड़ी सफलता बताया। इस दौरान पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके का भावुक क्षण भी चर्चा का विषय बना। सामाजिक माध्यम पर प्रसारित वीडियो में अभिजीत दीपके को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की सूचना मिलते ही मंच पर भावुक होते देखा गया। वीडियो में वह घुटनों के बल बैठकर मंच पर हाथ मारते हुए खुशी व्यक्त करते दिखाई देते हैं। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद समर्थकों ने भी नारेबाजी कर इस घटनाक्रम का स्वागत किया। जंतर-मंतर से जनपथ तक कई स्थानों पर छात्र और युवा

जश्न मनाते दिखाई दिए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से चल रहे आंदोलन का उद्देश्य जवाबदेही सुनिश्चित करना था और इस्तीफे को उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। अभिजीत दीपके ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक संघर्ष की पहली जीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को भयभीत होने के बजाय अपनी बात निर्भीकता से रखनी चाहिए। उनके अनुसार, शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से चलाए गए आंदोलन ने यह सिद्ध किया है कि जनदबाव के माध्यम से भी परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि आंदोलन की अन्य प्रमुख मांगें अभी भी लंबित हैं। इनमें नीट परीक्षा विवाद के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान छात्रों के विरुद्ध हुई कथित कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मांगों के पूरा होने तक संगठन संघर्ष जारी रखेगा। अभिजीत दीपके ने महात्मा गांधी के शांतिपूर्ण आंदोलन के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन ने अहिंसक और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखने का मार्ग अपनाया। उन्होंने समर्थकों से संयम बनाए रखने और शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन जारी रखने की अपील की। उधर, धर्मेंद्र प्रधान ने अपने त्यागपत्र में कहा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि वह शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में विद्यार्थियों का भविष्य किसी प्रकार की कानूनी अथवा अन्य कठिनाइयों में न उलझे, इसी भावना से उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को सौंपा। उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा नीट परीक्षा विवाद को लेकर जंतर-मंतर पर कई दिनों से आंदोलन चलाया जा रहा था। इस आंदोलन के समर्थन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 28 जून से अनशन आरंभ किया था, जिसे बाद में सरकार से वार्ता और स्वास्थ्य कारणों के चलते समाप्त किया गया।

एक नजर

संचालन कारणों के चलते 13 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे ने परिचालन संबंधी कारणों से शनिवार को चलने वाली कई ईएमयू और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया। साथ ही कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से चलाया गया। ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से दिल्ली, गाजियाबाद, पलवल, खुर्जा, दनकौर, पानीपत, मथुरा, कोसीकलां, रोहतक और आसपास के रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। रेलवे के अनुसार, दिल्ली जंक्शन-दनकौर, शकूरबस्ती-दनकौर, दिल्ली जंक्शन-खुर्जा, दिल्ली जंक्शन-हाथरस किला, दिल्ली जंक्शन-पानीपत, नई दिल्ली-गाजियाबाद, दिल्ली जंक्शन-गाजियाबाद, नई दिल्ली-पलवल और गाजियाबाद-टूंडला सहित कुल 13 ट्रेनों को रद्द किया गया है। इनके साथ जुड़ी लिंक रेक सेवाएं भी प्रभावित रहीं। इसके अलावा शकूरबस्ती-मथुरा और नई दिल्ली-कोसीकलां जाने वाली ट्रेनों को पलवल तक ही चलाया गया। वहीं, नई दिल्ली-रोहतक और रोहतक-नई दिल्ली ट्रेनें बहादुरगढ़ तक ही संचालित हुईं। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है।

श्री भोले जी महाराज के जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय जनकल्याण समारोह का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं द हंस फाउंडेशन के प्रेरणास्त्रोत श्री भोले जी महाराज के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर श्री हंसलोक आश्रम, छतरपुर में तीन दिवसीय विशाल जनकल्याण समारोह का विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। हंस ज्योति-ए, हंस कल्चरल सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्त भाग ले रहे हैं। समारोह को संबोधित करते हुए माताश्री मंगला जी ने कहा कि भारत संतों और महापुरुषों की पावन भूमि है। भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरु नानक, स्वामी विवेकानंद, श्री हंस जी महाराज तथा छत्रपति शिवाजी जैसे महापुरुषों ने अध्यात्म ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि इन संतों ने स्वयं ईश्वर की अनुभूति कर मानवता को भक्ति, सेवा और सदाचार का मार्ग दिखाया। माताश्री मंगला जी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज अध्यात्म के मार्ग से दूर होता जा रहा है, जिसके कारण हिंसा, अशांति, अराजकता और नैतिक पतन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में युवा नशे की प्रवृत्ति की ओर बढ़ रहे हैं, जो समाज और राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे स्वयं अध्यात्म ज्ञान को अपनाकर भजन-सुमिरण करें तथा अपने बच्चों को भी संस्कार, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन से जोड़ें। उन्होंने कहा कि अध्यात्म ज्ञान का व्यापक प्रचार-प्रसार ही समाज में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन ला सकता है। इस अवसर पर श्री भोले जी महाराज ने मानव जीवन को ईश्वर का अनमोल उपहार बताते हुए कहा कि यह शरीर भगवान की भक्ति, सेवा और सत्कर्मों के लिए मिला है। उन्होंने लोगों से जीवन को सार्थक बनाने के लिए भजन, साधना और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने "सुनो सुनो वचन नर-नारी, हरि भजन करो सुखकारी" तथा "मानुष जनम अनमोल रे" सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन की ओर प्रेरित किया। जनकल्याण समारोह में देश के विभिन्न तीर्थस्थलों से आए संत-महात्माओं ने भी सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। वहीं, भजन गायकों ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया। आयोजकों के अनुसार, तीन दिवसीय इस समारोह में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार सहित देश के अनेक राज्यों तथा विदेशों से आए श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

पंजाब में कथित पेपर लीक मामले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब में कथित तौर पर सामने आए पेपर लीक के मामलों को लेकर पंजाब सरकार से जवाबदेही तय करने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी राज्य में बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठते हैं, तो सरकार का दायित्व है कि वह समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कराए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बावजूद अब तक स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई है। मंत्री सिरसा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता दिल्ली में छात्रों के आंदोलनों और प्रदर्शनों में मंच साझा करते हैं तथा केंद्र सरकार पर लगातार सवाल उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में छात्रों को आंदोलन के लिए भ्रमित किया जाता है और सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति की जाती है, लेकिन जब पंजाब में कथित तौर पर एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आते हैं, तब वही लोग पूरी तरह चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य की चिंता वास्तव में है, तो वह केवल दिल्ली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। पंजाब के लाखों युवाओं के साथ न्याय की मांग पर भी समान मुखरता दिखाई जानी चाहिए।

मंत्री सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार इस दिशा में कठोर कदम उठा रही है, तब पंजाब सरकार और उसके शिक्षा मंत्री की जवाबदेही पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि अन्य राज्यों के मामलों में नैतिक जिम्मेदारी की मांग की जाती है, तो पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के मामले में भी वही मानदंड लागू होने चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि इस विषय पर कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता मौन क्यों हैं। छात्र आंदोलन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता अभिजीत दीपके ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि यदि पंजाब में छात्रों के साथ अन्याय या पेपर लीक जैसे मामले सामने आते हैं, तो उनके खिलाफ भी आवाज उठाई जाएगी। मंत्री सिरसा ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पक्ष अपने शब्दों पर कायम रहें और पंजाब के युवाओं के हित में भी समान रूप से संघर्ष करें।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर फर्जी खबरों का जाल, 400 से अधिक हैंडल चिन्हित: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ी भ्रामक सूचनाओं और फर्जी सामग्री के प्रसार को लेकर दिल्ली पुलिस ने शनिवार को विशेष प्रेस वार्ता आयोजित कर सोशल माध्यम पर फैलाए जा रहे दावों का खंडन किया। पुलिस ने बताया कि अब तक 400 से अधिक ऐसे सामाजिक माध्यम खातों की पहचान की गई है, जिनके माध्यम से भ्रामक और मनगढ़ंत सामग्री प्रसारित की जा रही थी। इन खातों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जांच के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे संदेश, वीडियो और परिवर्तित दृश्य सामग्री सामने आई, जिनका उद्देश्य लोगों को गुमराह करना था। उन्होंने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारियों के आधिकारिक बयानों में छेड़छाड़ कर उन्हें भ्रामक रूप में प्रसारित किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई थी। सामाजिक माध्यम पर एक युवती की मृत्यु का जो दावा किया गया, वह पूरी तरह असत्य पाया गया। इसी प्रकार सेना की तैनाती से संबंधित खबरों को भी पुलिस ने निराधार बताया। प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस ने यह भी कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से संबंधित एक फर्जी वीडियो भी प्रसारित किया गया, जिसका वास्तविक घटनाक्रम से कोई संबंध नहीं है। पुलिस के अनुसार, ऐसे वीडियो और संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया गया। रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ फर्जी सामाजिक माध्यम खाते पाकिस्तान से संचालित किए जा रहे थे, जिनके माध्यम से भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही थी। पुलिस इन खातों की गतिविधियों की विस्तृत जांच कर रही है और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी समाचार, वीडियो अथवा संदेश पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें। पुलिस ने कहा कि अपुष्ट और भ्रामक सामग्री साझा करने से बचें तथा केवल आधिकारिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें। पुलिस का कहना है कि सामाजिक माध्यम का दुरुपयोग कर अफवाहें फैलाने और समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

बंजारा समाज के अधिकारों के लिए प्राथमिकता से काम करेगी कांग्रेस: देवेंद्र यादवं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अवसर मिलने पर दिल्ली में बंजारा समाज के अधिकारों, समस्याओं और कल्याण के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सभी समाजों और वर्गों के हितों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। बाबा लखी शाह बंजारा और बाबा माखन शाह लुबाना की जयंती के अवसर पर आयोजित बंजारा एकता संकल्प यात्रा के समापन समारोह में देवेंद्र यादव ने बंजारा समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति तभी संभव है, जब प्रत्येक समाज को उसका अधिकार मिले और सभी वर्ग एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। यह कार्यक्रम संत श्री सेवालाल महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष जगन्नाथ राव, धर्माधिकारी मुख्य पुजारी श्रीश्री महाराज, पूर्व पार्षद पृथ्वी सिंह राठौड़, जे. पी. पंवार सहित बड़ी संख्या में बंजारा समाज के लोग उपस्थित रहे।

देवेंद्र यादव ने कहा कि बाबा लखी शाह बंजारा ने समाज को संगठित करने और उसके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने उनके बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु तेगबहादुर के पार्थिव शरीर का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराने के लिए बाबा लखी शाह बंजारा ने अपने घरों में आग लगाकर अंग्रेजी शासन को भ्रमित किया था। उनका यह बलिदान इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बंजारा समाज की बड़ी आबादी है, लेकिन अधिकारों और अवसरों के लिए समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि यदि बंजारा समाज संगठित रहेगा तो सरकारें और राजनीतिक दल स्वयं उनके अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए आगे आएंगे।

डरो मत, सरकार बदलने का समय आ गया है: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे देश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए देशभर के छात्रों और युवाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उन विद्यार्थियों की पहली बड़ी जीत है, जिन्होंने अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार संघर्ष किया। राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम पर जारी अपने संदेश में कहा कि देशभर के प्रत्येक छात्र और युवा को बधाई, जिन्होंने लोकतंत्र, संविधान और अपने भविष्य की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं पर पूरे देश को गर्व है और उनका संघर्ष देश

के भविष्य को नई दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा शिक्षा व्यवस्था को नया स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन छात्रों की दो प्रमुख मांगें अभी भी पूरी नहीं हुई हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पहली मांग यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों और देश के भविष्य के सम्मान में सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगें। दूसरी मांग यह है कि छात्रों के साथ हुई कथित हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे किसी प्रकार का भय न रखें और अपने सम्मान, अधिकार, लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के लिए संवैधानिक मार्ग पर अडिग रहें। उन्होंने कहा कि अब युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। अपने संदेश में राहुल गांधी ने किसानों, मजदूरों, गरीबों और समाज के अन्य वर्गों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने स्वयं को उपेक्षित महसूस किया है, उन्हें भी अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आगे आना चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को सोनम वांगचुक ने बताया लोकतंत्र की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह शांतिपूर्ण जनआंदोलन, धैर्य और दृढ़ता की सफलता का प्रतीक है। सोनम वांगचुक ने सामाजिक माध्यम पर जारी अपने संदेश में लिखा कि यह सीधा लोकतंत्र है, जो सड़कों से निकलकर अपनी मंजिल तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह शांति, धैर्य और अटूट संकल्प की जीत है। उन्होंने सीजेपी और देश के युवाओं को बधाई देते हुए उन सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भय से ऊपर उठकर देश के विभिन्न हिस्सों से अपनी आवाज बुलंद की। उनके अनुसार अब जवाबदेही सुनिश्चित करने के बाद सुधार की दिशा में आगे बढ़ने का समय है। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक ने हाल ही में जंतर-मंतर पर 20 दिनों तक अनशन किया था। धर्मेंद्र प्रधान के

इस्तीफे के बाद उनकी यह प्रतिक्रिया राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का केवाईएस ने किया स्वागत, छात्रों की बड़ी जीत बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रांतिकारी युवा संगठन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत करते हुए इसे देशभर के छात्रों और युवाओं के लंबे संघर्ष की बड़ी जीत बताया है। संगठन का कहना है कि व्यापक छात्र आंदोलनों और जनदबाव के बाद सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। जारी बयान में संगठन ने कहा कि आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई और विभिन्न चुनौतियों के बावजूद छात्र एवं युवा अपने अधिकारों की मांग पर डटे रहे। संगठन के अनुसार यह घटनाक्रम लोकतांत्रिक तरीके से उठाई गई आवाज की सफलता का प्रतीक है। क्रांतिकारी युवा संगठन ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन केवल एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है। संगठन का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था में व्यापक और बुनियादी सुधार आवश्यक हैं, ताकि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सके और परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बने।

डीयू कुलपति के खिलाफ एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

शिक्षक संगठन एएडीटीए ने कहा शांतिपूर्ण आंदोलन में भाग लेने से नहीं रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ में उपाध्यक्ष व एनएसयूआई के नेता राहुल झांसला ने शनिवार को डीयू के छात्रों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय प्रशासन के हालिया ट्वीट के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने डीयू के कुलपति को विरोध स्वरूप चूड़ियां दिखाकर प्रदर्शन किया। राहुल झांसला ने आरोप लगाया कि डीयू के कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों का पक्ष लेने के बजाय सरकार की गुलामी करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्रों की समस्याओं और उनकी आवाज को समझना चाहिए, न कि सरकार के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। एनएसयूआई ने भी डीयू में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के उस ट्वीट का विरोध किया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों से जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शनों से दूर रहने की अपील की गई थी। डीयू ने अपने संदेश में कहा था कि छात्रों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और जंतर-मंतर पर गैरकानूनी सभाओं या प्रदर्शनों में शामिल होने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इससे पहले शुक्रवार को भी छात्रों ने डीयू परिसर में प्रदर्शन किया था। विश्वविद्यालय के इस रुख को लेकर छात्र संगठनों और शिक्षकों के बीच भी विरोध सामने आया है। अकादमिक फॉर एक्शन एंड डेवलपमेंट का बयान वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन एकेडमिक फॉर एक्शन एंड डेवलेपमेंट टीचर्स एसोसिएशन ने डीयू और देशभर के विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाग लेने के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र

होने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकार है। संगठन ने कहा कि जब तक कोई प्रदर्शन या सभा कानूनसम्मत और शांतिपूर्ण है, तब तक छात्रों और शिक्षकों को उसमें भाग लेने से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। प्रशासन के आदेश का विरोध एएडीटीए के संयोजक और डीयूटीए तथा फेडकूटा के पूर्व अध्यक्ष आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि प्रतिबंध उचित होने चाहिए और लोगों की आवाज को पूरी तरह दबाने वाले आदेश में नहीं बदलने चाहिए। संगठन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हवाला देते हुए कहा कि प्रशासन लगातार, बार-बार या व्यापक प्रतिबंध लगाकर केंद्रीय दिल्ली या सत्ता के केंद्र के आसपास प्रदर्शनों का पूरी तरह गला नहीं घोंट सकता।

सरकार से सहमति के बाद सीजेपी ने आंदोलन समाप्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर कई दिनों से चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन शनिवार को सरकार के साथ तीसरे दौर की वार्ता के बाद समाप्त हो गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक कर विभिन्न मांगों पर चर्चा की। वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। बैठक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका

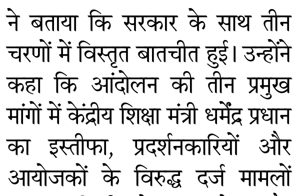

ने बताया कि सरकार के साथ तीन चरणों में विस्तृत बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि आंदोलन की तीन प्रमुख मांगों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के विरुद्ध दर्ज मामलों तथा प्राथमिकी को वापस लेना और भविष्य में आंदोलन से जुड़े छात्रों एवं आयोजकों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं किए जाने का आश्वासन शामिल था। आशुतोष रांका ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ आंदोलन की पहली मांग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज मामलों को वापस लेने का भरोसा भी दिया गया है। उनके अनुसार, संबंधित प्राथमिकी की प्रतियां संगठन के साथ साझा की जाएंगी तथा भविष्य में आंदोलन से जुड़े छात्रों के विरुद्ध कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से पहले एक्शन मोड में नगर निगम, सीर गोवर्धनपुर से काशी विश्वनाथ मार्ग तक चमकाने में जुटा विभाग

-संत शिरोमणि रविदास के प्रकाश पर्व कार्यक्रम में आएंगे सीएम व बीजेपी अध्यक्ष

-रविदास जन्मस्थली से काशी विश्वनाथ धाम तक मार्ग का हो रहा कायाकल्प

-टूटी सड़कों की मरम्मत के साथ जगह-जगह दीवारों पर कराई जा रही पेंटिंग्स

वाराणसी, एजेंसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर 29 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित आगमन को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग को साफ-सुथरा, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन युद्धस्तर पर कार्य में जुट गया है। सीर गोवर्धनपुर स्थित गुरु रविदास मंदिर से श्री काशी विश्वनाथ धाम तक जाने वाले पूरे मार्ग का कायाकल्प किया जाएगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने रविवार को अधिकारियों के साथ संभावित रूट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रविदास गेट, सोनारपुरा, बंगाली टोला और गोदौलिया मार्ग पर आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग पर बने पाथवे और नालियों की मरम्मत तत्काल कराई जाए ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मार्ग को आकर्षक स्वरूप देने के लिए प्रमुख स्थानों पर वॉल पेंटिंग कराई जाए और जहां-जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां शीघ्र पैचवर्क कर गड्ढामुक्त बनाया जाए। इसके अलावा विद्युत विभाग को लटक रहे एवं जर्जर बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर हो सके। स्वास्थ्य विभाग को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मार्ग पर कहीं भी निर्माण सामग्री या सीएंडडी वेस्ट (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट) पड़ा हो तो उसे तत्काल हटाया जाए। साथ ही पूरे रूट पर विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और आगंतुकों को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आलोक (लाइटिंग) विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता आगम कटियार, आलोक विभाग के जूनियर इंजीनियर हरीश मिश्रा, जोनल स्वच्छता अधिकारी संदीप भार्गव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम का लक्ष्य मुख्यमंत्री के संभावित आगमन से पहले पूरे मार्ग को सुचारु, सुरक्षित और आकर्षक स्वरूप में तैयार करना है।

एक नजर

डीआईजी ने पांचाल घाट पर सावन मेले का लिया जायजा

फरुर्खाबाद,एजेंसी। कानपुर परिक्षेत्र के डीआईजी जमुना प्रसाद ने नाव से भ्रमण कर अपरा काशी कहे जाने वाले पांचाल घाट पर लगने वाले सावन के मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले के गंगाघाट श्रृंगीरामपुर और पांचाल घाट पर प्रदेश भर से कांवड़िये जल भरने आते हैं। इनकी वजह से पूरे मास यहां मेला लगता है। आज डीआईजी जमुना प्रसाद ने पांचालघाट पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने गंगा तट पर पूरे माह पुलिस बल तैनात रहने के निर्देश दिए। स्नान घाटों पर बेरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए।डीआईजी ने कहा कि कांवड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि कोई असामाजिक तत्व उन्हें परेशान करता है तो उसके विरुध्द कठोर कार्रवाई की जाए। डीआईजी ने नाव से भ्रमण कर गंगा की खतरनाक स्थिति का जायजा लिया। डीआईजी ने कहा कि बेरिकेडिंग के अंदर जाने की किसी को इजाजत न दी जाए। सावन भर जिले भर के गंगा घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं।

छत पर टहल रहे युवक की हाईटेंशन लाइन से झुलसकर मौत

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरुआ सुखचैनपुर में रविवार रात भीषण गर्मी के बीच छत पर टहल रहे 38 वर्षीय युवक की 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई ब्रजमोहन ने बताया कि देवेंद्र रात करीब 10 बजे भोजन के बाद गर्मी से राहत पाने के लिए छत पर टहल रहे थे। इसी दौरान छत के बेहद करीब से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सूखी लकड़ी, बांस और फावड़े के हत्थे की मदद से किसी तरह उन्हें तार से अलग किया। इसके बाद गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे मां सूरजमुखी, पिता अर्जुन सिंह, पत्नी बबली, पुत्र नीशू और पुत्री रोशनी को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने आवासीय क्षेत्रों के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाने की मांग की है। बिधूना कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नशेबाज चालकों के खिलाफ चलाये गये अभियान में 19 वाहन का ई- चालान, 155000 रुपये वसूला

फतेहपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बीती रात्रि ड्रंक एण्ड ड्राइव के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 19 वाहन चालकों का विभिन्न धाराओं में ई-चालान करते हुए 155000 रुपये वसूल किए गये। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के मद्देनजर यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ड्रंक एण्ड ड्राइव के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग के तहत जिंदपुर टोल प्लाजा पर यातायात उपनिरीक्षक बृजेन्द्र राय तथा थाना ललौली के सीसीटीम प्रभारी उप निरीक्षक एरिस पटेल मय हमराही द्वारा चेकिंग की गई। वहीं बड़ौरी टोल प्लाजा पर टीएसआई रामानंद द्वारा चेकिंग कर कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान नशे की हालत (ड्रंक एण्ड ड्राइव) में वाहन चलाने वाले विभिन्न वाहन चालकों के विरुद्ध 11 ई-चालान कर 1,10,000 रुपये का जुमार्ना किया गया तथा बिना नंबर प्लेट के भरी मॉल वाहक वाहनों के 8 ई- चालान कर 45,000 रुपये रुपये का जुमार्ना किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनता से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं।

काशी की लोकगायिका सरोज वर्मा को मिला कौस्तुभ रत्न सम्मान

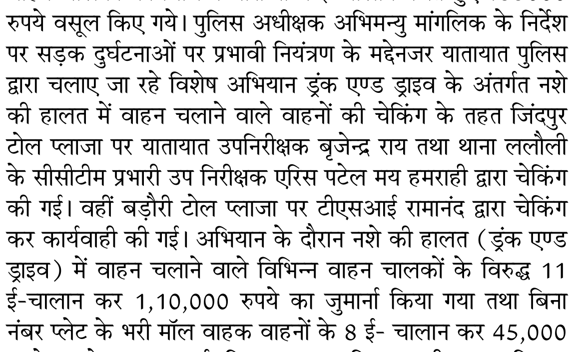

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद (काशी) की वरिष्ठ लोकगायिका सरोज वर्मा को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय की ओर से प्रतिष्ठित कौस्तुभ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला लोक के रंग (भोजपुरी लोकसंगीत में वैविध्या) के समापन अवसर पर बीएचयू के पंडित ओंकारनाथ ठाकुर सभागार में सोमवार को आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया। संगीत, मंच कला संकाय द्वारा स्थापित कौस्तुभ रत्न सम्मान के माध्यम से देश के उन प्रतिष्ठित कलाकारों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने अपनी कला के जरिए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष सरोज वर्मा को भी इस सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद सरोज वर्मा ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत संकाय के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ कार्यशाला में भाग लिया। विद्यार्थियों ने लगभग शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ कार्यशाला में सहभागिता की और समापन समारोह में कार्यशाला के दौरान सीखे गए लोकगीतों की अत्यंत सुंदर प्रस्तुति भी दी। सरोज वर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी का लोकसंगीत के प्रति यह लगाव इस बात का संकेत है कि यदि इसी प्रकार लोकगीतों के संरक्षण और संवर्धन के प्रयास जारी रहे, तो हमारी लोकसंगीत परंपरा कभी विलुप्त नहीं होगी और इनका भविष्य अत्यंत उज्ज्वल रहेगा।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री योगी ने लिखी पाती, समझाया गुरु का महत्व

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश की जनता के नाम चिट्ठी लिखी है। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के महत्व को समझाया है और 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुओं के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया करते हुए कहा कि गुरु का सम्मान ही विकसित समाज और विकसित प्रदेश की आधारशिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का पर्व है। गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि बौद्ध परंपरा में गुरु पूर्णिमा भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। जैन परंपरा में गुरु पूर्णिमा का संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा सभी परंपराओं में गुरु, ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक पर्व है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ, श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से ज्ञान प्राप्त किया। जहां गुरु का सम्मान होता है, वहीं समाज उन्नति करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्षों की सरकार में शिक्षकों के सम्मान और सशक्तीकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से लाखों शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं। 60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और आश्रितों को योजना का लाभ मिलेगा। 7.5 लाख से अधिक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकों को भी योजना में शामिल किया गया है। शिक्षकों और कर्मचारियों को तीन करोड़ तक का सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर किया गया है। गुरु

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात् परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत् 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को **गुरु पूर्णिमा** का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।

सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में **'व्यास पूर्णिमा'** के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए **गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है।**

प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया। भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। कठोपनिषद् में नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, अपितु 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना।

जहां गुरु का सम्मान होता है, वहीं समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप **हमारी सरकार ने विगत नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान एवं उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।** पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर हमने अपने गुरुजनों को ऐसा समर्थ परिवेश देने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से **'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना'** आरंभ की गई है। इसका लाभ बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के **60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के **7.50 लाख से अधिक शिक्षकों तथा उनके आश्रित परिजनों** को भी इसकी परिधि में लाया गया है तथा शीघ्र ही **2.50 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** भी इस योजना से लाभान्वित होंगे। साथ ही, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को **सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर** भी प्रदान किया जा रहा है।

वास्तव में, गुरु शिक्षा ही नहीं देते, जीवन को दिशा भी देते हैं। गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं। **मेरा आप सबसे विशेष आग्रह है कि अपने गुरुजनों का सदैव स्मरण रखें। उनके दिए आदर्शों को जीवन में उतारें। इससे आपका विकास सुनिश्चित होगा तथा विकसित प्रदेश का मार्ग भी तभी प्रशस्त होगा।**

आपका

योगी आदित्यनाथ

हिंदू युवा वाहिनी ने संगठन विस्तार को दी नई धार

शपथ ग्रहण समारोह में मिशन 2027 का आह्वान

वाराणसी, एजेंसी। हिंदू युवा वाहिनी द्वारा रविवार को कमिश्नरी परिसर स्थित सर्किट हाउस में भव्य शपथ ग्रहण एवं संगठनात्मक मनोनयन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर ने विभिन्न पदों पर नियुक्त नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए संगठन के विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के लिए कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान भास्कर तिवारी 'रानू' को वाराणसी मंडल प्रभारी, समर बहादुर सिंह को वाराणसी जिलाध्यक्ष, सूर्या अग्रहरि को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा हर्षित विश्वकर्मा को प्रदेश सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति निष्ठा, समाज सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की शपथ ली। कार्यक्रम में संगठन की संरक्षक रीना सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता और जनसेवा से ही संभव है। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों तक संगठन की विचारधारा पहुंचाने और सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू युवा वाहिनी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित कार्यकताओं का परिवार है। उन्होंने कहा कि संगठन गांव-गांव और बूथ स्तर तक अपनी पहुंच मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उन्होंने कार्यकताओं से अनुशासन, समर्पण और संगठनात्मक एकजुटता के साथ जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा राष्ट्र और समाजहित के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। समारोह में जिला, मंडल, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह तोमर, पश्चिम बंगाल की प्रदेश अध्यक्ष पूजा यादव तथा उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और नवनियुक्त टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

कराटे चैंपियनशिप में नवनीता कुंअर पब्लिक स्कूल और जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी का दबदबा, 12 पदकों पर किया कब्जा

वाराणसी, एजेंसी। सुसुवाही स्थित नवनीत कुंअर पब्लिक स्कूल एवं जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट के विद्यार्थियों ने '6इँ इंटर स्कूल कराटे चैंपियनशिप-2026' में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 26 जुलाई 2026 को बीना पब्लिक स्कूल, वाराणसी में जन सुरक्षा एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट के तत्वावधान में किया गया।

प्रतियोगिता में वाराणसी और आसपास के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 250 से 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच नवनीत कुंअर पब्लिक स्कूल एवं जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीक, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय देते हुए 5 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य पदक अपने नाम किए।

स्वर्ण पदक विजेता

प्रत्युष कुमार नंदन (कक्षा 2-ए), नायरा पटेल (कक्षा 4-ए), अयांसी सिंह (कक्षा 4-ए), आयुष यादव (कक्षा 3-ए), निखिल कुमार।

रजत पदक विजेता

तृषा राय (कक्षा 5-ए), आदित्य कुमार (कक्षा 6-ए), वरुण राजपुरोहित (कक्षा 5-ए)।

कांस्य पदक विजेता

शान्वी नंदन (यूकेजी-ए), अभीज्ञया राय (कक्षा 2-बी), आराध्या वर्मा (कक्षा 4-ए), अनन्या पटेल (कक्षा 4-ए)।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद विद्यालय परिसर में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री राजेश राय, प्रधानाचार्य डॉ.

दिवाकर राय, उपाध्यक्ष श्री प्रवीण राय, सीनियर समन्वयक मिस सत्य प्रिया तथा जूनियर समन्वयक अशिम घोषाल ने खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि मार्शल आर्ट केवल खेल नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक-मानसिक विकास का प्रभावी माध्यम है। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कठिन मेहनत, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देता रहेगा ताकि छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर टीएसकेएफआई के अध्यक्ष रेंसिन अमित गुप्ता ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यालय के कराटे प्रशिक्षक श्री जयपाल कुमार सोनकर ने खिलाड़ियों की लगन और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन के बल पर छात्र आने वाले समय में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विजेता खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि ये खिलाड़ी भविष्य में भी इसी तरह सफलता का परचम लहराकर विद्यालय, जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

वाराणसी में 20 मिलीमीटर प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर, बदला गया स्नान का स्थान

वाराणसी, एजेंसी। हिमालय की पहाड़ियों पर तेज बारिश से गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा है। सोमवार को इसका असर वाराणसी में भी दिख रहा है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट आने के बाद घाट किनारे रहने वाले लोग एहतियात बरत रहे हैं। जल पुलिस, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस की टीमें भी लोगों को सावधानी बरतने के लिए कह रही है। केंद्रीय जल आयोग के मिडल गंगा डिवीजन ने सोमवार को गंगा के जलस्तर की वर्तमान स्थिति को जारी किया। सोमवार सुबह 11 बजे तक वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर 61.28 मीटर दर्ज किया गया है। सामान्य रूप से अलग गंगा नदी का जलस्तर लगभग 20 मिलीमीटर प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा है। अभी भी खतरे के निशान से गंगा का जलस्तर काफी नीचे है। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण वाराणसी में घाटों पर स्थापित मंदिरों की चौखट तक जल पहुंच चुका है। इससे रोजमर्रा के स्नान और दर्शन पूजन करने वाले स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। भभुआ पाण्डेय घाट पर निवास करने वाले रवि पाण्डेय ने बताया कि गंगा का जलस्तर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बरसात के दिनों में बढ़ा है, जिससे स्नान का स्थान बदल दिया गया है। स्नान करने वाले थोड़ा ऊपर आ कर नहा रहे हैं। वही मंदिरों के दर्शन बाहर से हो जा रहे हैं। शिवगंगा दैनिक प्रभात फेरी के संगठन मंत्री नरेंद्र नाथ ने बताया कि उनके प्रभात फेरी के सभी लोग अहिल्याबाई घाट पर स्नान करते हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण ऊपर चौकी के पास ही वह लोग स्नान कर रहे हैं। वहीं चौकी का भी स्थान अब बदला जा रहा है। वाराणसी में घाट किनारे घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए नमो घाट एक बड़ा पर्यटन केंद्र है। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण नमो घाट पर भी गतिविधि पर असर होता दिख रहा है। आने वाले कुछ दिनों में घाट पर दूसरे घाट पर आवागमन रोक दिया जा सकता है।

भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का देता है संकेत : संजय हर्ष मिश्र

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित राष्ट्रधर्म कार्यालय में सोमवार को आयोजित पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के अखिल भारतीय सह संगठन सचिव संजय हर्ष मिश्र ने कई महत्वपूर्ण, उपयोगी जानकारियां दी। कार्यक्रम में भगवा ध्वज पुस्तक पर चर्चा की गई, जिसके लेखक नारायण हरि पालकर हैं। उन्होंने बताया कि ध्वज आठ प्रकार के होते हैं। ध्वज के महत्व, उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रायः इनका उपयोग युद्ध में होता था। ध्वज राज्य का होता था, जबकि सेनापति की पताका होती थी। मिश्र ने स्वामी रामतीर्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी जी कहते थे कि भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का ही संकेत देता है।

भगवा ध्वज इस बात का संकेत देता है कि यह शरीर अन्त में मिट्टी में मिल जायेगा। महाराणा प्रताप, शिवाजी महाराज का ध्वज भगवा ही था। उन्होंने कहा कि भारत में सात लोगों की झण्डा समिति बनाई गई थी, जिसने केसरिया ध्वज को अपनाने का सुझाव दिया था। समिति का कहना था कि यह स्वतंत्र और अपना लगता है। हालांकि बाद में महात्मा गांधी के हस्तक्षेप के बाद तिरंगा को ही अपनाया गया। इस चर्चा में राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेश चन्द्र द्विवेदी, निदेशक डॉ. ओमप्रकाश, जय प्रकाश पाण्डेय, के.के. वास, अमित कुशवाहा, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, डॉ. ए.पी. पाण्डेय, बाबूलाल शर्मा व अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रदर्शन करना छात्र-छात्राओं का अधिकार,लेकिन मयार्दा को पार कर गालियां देना उचित नहीं : मीनाक्षी भराला

बागपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को महिला सम्बन्धी मामलों में जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने कॉक्ररोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रोटेस्ट को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैंने प्रोटेस्ट में शामिल छात्राओं के ऐसी वीडियो देखें हैं जिसमें वो भद्दी भद्दी गालियां दे रही थीं। धरना प्रदर्शन उनका अधिकार है लेकिन मयार्दा को पार करना उचित नहीं

है। छात्राओं ने पहले अभद्रता की जिसके चलते पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मीनाक्षी भराला ने दिल्ली सीजेपी धरने को लेकर किए सवाल पर कहा कि प्रदर्शन करने वालों को धरने में संयम रखना चाहिये था। लेकिन उन्होंने जो बतमीजी की उसके बाद वहां की स्थिति खराब हुई और पुलिस को सख्ती से निपटना पड़ा। महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने यहां जनसुनवाई में आईं पीड़िताओं से संवाद किया। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में 12 से 15 केस आये हैं जिसमें कुछ पहले से चल रहे हैं। कुछ में समझौता कराया जा रहा है। गंभीर मामलों में सम्बंधित थाना प्रभारियों से बात की गई है।

संपादकीय

पत्रकारिता के लिए नया सबक

पिछले सवा महीनों से नयी पीढ़ी के जोश से गुलजार जंतर-मंतर अब शांत है। लेकिन पेपर लीक के खिलाफ जिस आंदोलन की शुरूआत हुई, उससे अब देश की सियासत से लेकर समाज तक बड़ी हलचल खड़ी हो चुकी है। दिल्ली, मुंबई, पटना, प्रयागराज, पुणे तमाम शहरों से बेहद सुंदर तस्वीरें सामने आईं, जिन्होंने साबित किया कि देश में लोकतंत्र अभी मरा नहीं है। लोकतंत्र की जो नयी धड़कनें आंदोलन में सुनाई दीं, उन से अब सत्ता और सत्तापोषित मीडिया दोनों के लिए चेतावनी है कि वे संभल जाएं और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

दो दिन फ्रेंड्स कहकर इंस्टाग्राम पर संदेश देने वाले प्रधानमंत्री ने जब रविवार देर रात तक कोई संदेश नहीं दिया, तो समझ आ गया कि वे पूरे खोखलेपन के साथ नयी पीढ़ी को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी जब इंटरनेट, मेट्रो सेवाएं, स्विगी-जोमैटो, ओला-उबर-रैपिडो सब कुछ बंद करने के बाद भी आंदोलन में शामिल होने के लिए लोगों को जंतर-मंतर तक पहुंचने से नहीं रोक सके। जब धर्म, जाति, भाषा, लिंग सारे भेदभावों को हवा में उड़ाकर दिन-रात लोग एकजुटता के साथ सरकार के विरोध में डटे रहे। जब लाठी चार्ज, बैरिकेडिंग, पानी की बौछार, विश्वविद्यालयों के आंदोलन में शामिल न होने के फरमान, झूठे मुकदमों, पासपोर्ट रद्द करने की धमकी जैसे दमनकारी उपाय भी लोगों की हिम्मत को नहीं तोड़ पाए, तो मोदी को लगा कि इस नयी पीढ़ी से इसी की शैली में संवाद किया जाए, तो ये लोग समझ जाएंगे। मगर यहां भी मोदी को डबल झटका लगा। नयी पीढ़ी ने उनकी फ्रेंड रिक्वेस्ट को पूरी तरह हवा में उड़ा दिया। ऊपर से उनके कैमरा एंगल को लेकर सोशल मीडिया पर खूब फजीहत भी हुई। इसलिए मोदी शायद तीसरे दिन फ्रेंड्स बोलने से और कोई संदेश देने से बचे। हालांकि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लेकर उन्होंने जंतर-मंतर से आंदोलन तो खत्म करवा दिया है, बस इसी से उन्हें थोड़ी राहत मिल सकती है। लेकिन इसके बावजूद अब मोदी चैन से बैठ पाएंगे, इसकी गारंटी नहीं है। पिछले बारह सालों की उनकी राजनीतिक चतुराई और सत्ता पर बने रहने की कला को इस बार सबसे बड़ी चुनौती मिली है, वो भी सीधे नयी पीढ़ी की तरफ से। जो न गोदी मीडिया के एजेंडे पर कान धरती है, न सरकारी दबाव की उसे परवाह है।

दरअसल भाजपा के विभाजनकारी एजेंडे को मीडिया के बड़े हिस्से ने लगातार खाद-पानी दिया। इससे तथाकथित पत्रकारों की और उनके मालिकान की दुकानदारी खूब फली-फूली और सत्ता के जरिए लोकतंत्र और संविधान को कुचलने के काम में भाजपा को आसानी हुई। पिछले बारह सालों में अनगिनत बार इस बात पर चिंता जताई जाती रही कि जो खुद को मुख्यधारा का मीडिया कहता है, वहां मुख्य मुद्दे यानी जनता के हित से जुड़े मुद्दे बिल्कुल गायब हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य की बदहाली इन सब पर कोई चर्चा नहीं होती और हर बात में हिंदू-मुसलमान एंगल खड़ा कर दिया जाता है। खुद विपक्षी दल सरेआम कई पत्रकारों को कह चुके कि आप मोदी के मित्र उद्योगपतियों और भाजपा के लिए काम करते हैं।

अश्लीलता के खिलाफ भी अब हो आंदोलन

- डॉ. प्रियंका सौरभ

आज सोशल मीडिया के अनेक मंचों पर ऐसे वीडियो सहजता से उपलब्ध हैं जिनमें भद्दे संवाद, दोहरे अर्थ वाले गीत, उत्तेजक नृत्य और अपमानजनक भाषा को मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यही नहीं, कई बार ऐसे वीडियो एल्गोरिद्म के कारण लाखों लोगों तक स्वतः पहुँच जाते हैं। यदि किसी सामग्री को अधिक देखा जाता है, तो प्लेटफॉर्म उसे और अधिक लोगों तक पहुँचाते हैं। इस व्यवस्था में गुणवत्ता की तुलना में लोकप्रियता अधिक महत्व प्राप्त कर लेती है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने भारतीय मनोरंजन उद्योग को नई दिशा दी है। अनेक उत्कृष्ट फिल्में, वेब सीरीज और वृत्तचित्र भी इन्हीं माध्यमों से सामने आए हैं। इसलिए ओटीटी को एकतरफा दोष देना उचित नहीं होगा। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ निमार्ता कहानी की आवश्यकता से अधिक नग्नता, गाली-गलौज और हिंसा का प्रयोग केवल दर्शकों को आकर्षित करने के लिए करते हैं।

मनोरंजन समाज का दर्पण भी होता है और दिशा-निर्देशक भी। जिस समाज का मनोरंजन जैसा होता है, धीरे-धीरे उसकी भाषा, व्यवहार, सोच और सामाजिक संस्कृति भी उसी दिशा में प्रभावित होने लगती है। इसलिए यह प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है कि क्या हम मनोरंजन के नाम पर सब कुछ स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? हरियाणा के रोहतक जिले के महम चौबीसी के चौबूतरे पर महिला डांसरों द्वारा प्रस्तुत अश्लील नृत्य, गीत और वीडियो के विरोध में उठी आवाज केवल एक स्थानीय घटना नहीं है। यह उस व्यापक चिंता का प्रतीक है जिसे देश का एक बड़ा वर्ग महसूस कर रहा है। लेकिन यदि यह आंदोलन केवल मंचों और सार्वजनिक आयोजनों तक सीमित रह गया, तो शायद यह अधूरा आंदोलन होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अश्लीलता के हर रूप पर समान रूप से चर्चा हो—चाहे वह मंच पर हो, सोशल मीडिया पर हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर।

डिजिटल क्रांति ने मनोरंजन को लोकतांत्रिक बनाया है। अब हर व्यक्ति केवल दर्शक ही नहीं, बल्कि निमार्ता भी बन गया है। मोबाइल कैमरा और इंटरनेट ने लाखों लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है। इससे अनेक सकारात्मक बदलाव भी आए हैं। लेकिन इसके साथ एक ऐसी प्रतिस्पर्धा भी शुरू हुई है जिसमें अधिक व्यूज, अधिक लाइक और अधिक कमाई के लिए उत्तेजक सामग्री को प्राथमिकता दी जाने लगी है। परिणाम यह है कि कई बार प्रतिभा से अधिक अश्लीलता, सनसनी और अभद्रता वायरल होती दिखाई देती है।

आज सोशल मीडिया के अनेक मंचों पर ऐसे वीडियो सहजता से उपलब्ध हैं जिनमें भद्दे संवाद, दोहरे अर्थ वाले गीत, उत्तेजक नृत्य और अपमानजनक भाषा को मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यही नहीं, कई बार ऐसे वीडियो एल्गोरिद्म के कारण लाखों लोगों तक स्वतः पहुँच जाते हैं। यदि किसी सामग्री को अधिक देखा जाता है, तो प्लेटफॉर्म उसे और अधिक लोगों तक पहुँचाते हैं। इस व्यवस्था में गुणवत्ता की तुलना में लोकप्रियता अधिक महत्व प्राप्त कर लेती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने भारतीय मनोरंजन उद्योग को नई दिशा दी है। अनेक उत्कृष्ट फिल्में, वेब सीरीज और वृत्तचित्र भी इन्हीं माध्यमों से सामने आए हैं। इसलिए ओटीटी को एकतरफा दोष देना उचित नहीं होगा। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ निमार्ता कहानी की आवश्यकता से अधिक नग्नता, गाली-गलौज और हिंसा का प्रयोग केवल दर्शकों को आकर्षित करने के लिए करते हैं। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि यदि किसी वेब सीरीज में पर्याप्त अपशब्द, उत्तेजक दृश्य या अत्यधिक हिंसा नहीं होगी, तो वह सफल नहीं मानी जाएगी। यह प्रवृत्ति गंभीर विचार की मांग करती है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ऐसी सामग्री पर आयु सीमा लिखी होती है और उसे परिवार के साथ देखने के लिए नहीं बनाया गया है। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। भारत में अधिकांश बच्चे और किशोर मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। आयु सत्यापन की व्यवस्थाएँ सीमित हैं और कई बार औपचारिक भर रह जाती हैं। माता-पिता हर समय यह नहीं देख सकते कि बच्चा मोबाइल पर क्या देख रहा है। ऐसे में केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता।

मनोवैज्ञानिक वर्षों से बताते आए हैं कि बचपन और किशोरावस्था में व्यक्ति का व्यक्तित्व तेजी से विकसित होता है। भाषा, व्यवहार, संबंधों की समझ और सामाजिक संवेदनशीलता पर उसके आसपास के वातावरण का प्रभाव पड़ता है। डिजिटल सामग्री भी उसी वातावरण का हिस्सा बन चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर बच्चा किसी वीडियो को देखकर वैसा ही बन जाएगा, लेकिन यह मान लेना भी उचित नहीं कि सामग्री का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ता। परिवार, विद्यालय, मित्र, समाज और डिजिटल माध्यम—सभी मिलकर व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभाते हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अश्लीलता की परिभाषा हर समाज और हर समय में एक जैसी नहीं होती। कला, साहित्य और सिनेमा को कठिन विषयों पर चर्चा करने तथा सामाजिक यथार्थ दिखाने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण अधिकार है। इसलिए किसी भी विचार से असहमति मात्र के आधार पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति भी उचित नहीं होगी। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यावसायिक लाभ के लिए जानबूझकर उत्तेजक सामग्री परोसने के बीच स्पष्ट अंतर है। यही संतुलन सबसे महत्वपूर्ण है।

समस्या केवल कंटेंट निमार्ताओं की नहीं है। दर्शक भी इस पूरी व्यवस्था का हिस्सा हैं। यदि अश्लील या सनसनीखेज सामग्री को लाखों-करोड़ों बार देखा जाएगा, तो बाजार उसी दिशा में आगे बढ़ेगा। इसलिए समाज को भी आत्ममंथन करना होगा कि वह किस प्रकार की सामग्री को प्रोत्साहित कर रहा है। केवल विरोध प्रदर्शन करने से परिवर्तन नहीं आएगा; देखने की आदतों में भी बदलाव आवश्यक है।

सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सेंसरशिप अंतिम उपाय होना चाहिए, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, स्पष्ट आयु वर्गीकरण, प्रभावी पैरेंटल कंट्रोल, शिकायत निवारण प्रणाली और पारदर्शी नियमन जैसे कदमों पर गंभीरता से काम किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भी सामाजिक जिम्मेदारी है कि वे केवल लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान में रखें।

विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता आज समय की आवश्यकता बन चुकी है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर सामग्री उनके लिए उपयुक्त नहीं होती। उन्हें आलोचनात्मक सोच, जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना आवश्यक है। अभिभावकों को भी बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा। केवल मोबाइल छीन लेना समाधान नहीं है; सही मार्गदर्शन और विश्वास का वातावरण अधिक प्रभावी उपाय हो सकता है।

यदि समाज सार्वजनिक मंचों पर अश्लील नृत्य का विरोध करता है, तो उसे सोशल मीडिया और ओटीटी पर उपलब्ध समान प्रकृति की सामग्री पर भी समान संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। विरोध चयनात्मक नहीं होना चाहिए। संस्कृति की रक्षा केवल चौपालों, मेलों या आयोजनों तक सीमित नहीं रह सकती; आज उसकी सबसे बड़ी परीक्षा डिजिटल दुनिया में हो रही है।

हमें यह भी समझना होगा कि स्वस्थ मनोरंजन का अर्थ उबाऊ मनोरंजन नहीं होता। भारत की कला, संगीत, रंगमंच, सिनेमा और लोक परंपराएँ समृद्ध हैं। उत्कृष्ट मनोरंजन और सामाजिक उत्तरदायित्व साथ-साथ चल सकते हैं। अनेक फिल्में, वेब सीरीज और कार्यक्रम इसका प्रमाण हैं कि बिना अश्लीलता के भी दर्शकों का दिल जीता जा सकता है।

नई पीढ़ी को आधुनिक तकनीक से दूर रखना न संभव है और न आवश्यक। आवश्यकता उन्हें तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग सिखाने की है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाले वर्षों में हमारी युवा पीढ़ी संवेदनशील, रचनात्मक और जिम्मेदार नागरिक बने, तो हमें मनोरंजन के बदलते स्वरूप पर गंभीर सामाजिक संवाद करना होगा।

अश्लीलता के विरुद्ध आंदोलन का अर्थ कला या अभिव्यक्ति का विरोध नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ है—ऐसे वातावरण का निर्माण जिसमें रचनात्मकता, गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिले। समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सरकार—सभी की साझा जिम्मेदारी है कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक मयार्दा के बीच संतुलन स्थापित करें।

आज आवश्यकता किसी एक मंच के विरोध की नहीं, बल्कि उस सोच के विरोध की है जो यह मान बैठी है कि अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिए मयार्दा का त्याग करना ही सफलता का रास्ता है। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भाषा, बेहतर संवेदना और बेहतर सांस्कृतिक वातावरण देना चाहते हैं, तो यह आंदोलन केवल चौपाल से नहीं, हर घर और हर मोबाइल स्क्रीन से शुरू होना चाहिए।

सोनम वांगचुक का अनशन और शिक्षा सुधार का एजेंडा

अरुण कुमार डनायक

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सुधार केवल सरकार पर निर्भर नहीं हो सकता; इसके लिए नवाचार, जवाबदेही और उद्यमशीलता को जोड़ना होगा। देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा जनसंख्या है, जो तभी लाभकारी बनेगी जब उसे गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख शिक्षा मिले। शिक्षा की गुणवत्ता विद्यालय के सरकारी या निजी होने से नहीं, बल्कि योग्य शिक्षकों, प्रभावी प्रबंधन और जवाबदेही से तय होती है।

जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने 24 जून को गुरुग्राम में केंद्र सरकार के दो मंत्रियों जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह से लिखित आश्वासन मिलने के बाद 26 दिन लंबा अनशन समाप्त किया। इसके बाद घटनाक्रम तेजी से बदला और लंबे समय से जारी छात्र आंदोलन ने निर्णायक मोड़ लिया। सरकार ने वादा किया कि जंतर-मंतर और संसद मार्च में शामिल छात्रों पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होगा तथा नीट प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने पर विचार किया जाएगा। साथ ही संसद में शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा और जवाबदेही सुनिश्चित करने के कदम उठाने की घोषणा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो इंस्टाग्राम वीडियो संदेशों में फास्ट-ट्रैक अदालतों और कठोर दंड वाले विधेयक का प्रारूप तैयार होने की बात कही, हालांकि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। लेकिन लगातार बैठकों और बढ़ते युवा प्रतिरोध के दबाव में अंततः 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

महात्मा गांधी के दृष्टिकोण में उपवास केवल राजनीतिक दबाव का साधन नहीं था, बल्कि आत्मशुद्धि, नैतिक जागरण और संवाद की प्रेरणा भी था। उन्होंने अपने आंदोलनों में कभी संवाद और समझौते के द्वार बंद नहीं किए; सप्रू और जयकर जैसे मध्यस्थों ने कई अवसरों पर समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। इसी परंपरा में सोनम वांगचुक के अनशन और छात्र आंदोलन की समाप्ति को किसी पक्ष की हार-जीत नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहमति और जवाबदेही की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जाना चाहिए।

जंतर-मंतर से शुरू हुआ छात्र आंदोलन तेजी से कई राज्यों में फैल गया और उनकी मांगें नीट प्रश्नपत्र लीक से आगे बढ़कर पूरी शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही तक पहुंच गई। छात्रों का कहना है कि केवल नए कानून पर्याप्त नहीं होंगे; संस्थागत कमजोरियों और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर गंभीर ध्यान देना होगा। बार-बार होने वाले प्रश्नपत्र लीक ने उनकी मेहनत और भविष्य को असुरक्षित बना दिया है, जबकि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए छात्र सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच बढ़ती असमानता पर चिंतित हैं। पुलिस बल प्रयोग से घायल होने के बावजूद छात्रों ने आंदोलन जारी रखा, क्योंकि उनका उद्देश्य केवल एक परीक्षा का न्याय नहीं बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था में सुधार है। छात्रों ने सीबीएसई मूल्यांकन प्रणाली, सीयूईटी में देरी, परीक्षा केंद्रों की अव्यवस्था, शिकायत निवारण तंत्र की कमजोरियों को भी गंभीर समस्याएं बताया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण माध्यम चुनाव, संसदीय उत्तरदायित्व और आवश्यकता पड़ने पर मंत्रीस्तरीय दायित्व तय करना भी है। सरकार ने अंततः शिक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर एक कदम उठाया, हालांकि इसमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी का स्पष्ट स्वीकार नहीं दिखता। उच्च शिक्षा विभाग में सचिव स्तर पर फेरबदल और एनटीए के संविदा कर्मियों को हटाना छात्र संगठनों के अनुसार उनकी मूल मांगों का समाधान नहीं है।

विपक्ष ने प्रधानमंत्री के संदेश को अपर्याप्त बताते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने संसद के भीतर और बाहर शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा का दबाव बनाया। इस घटनाक्रम से स्पष्ट है कि विपक्ष की सरकार को चौतरफा घेरने की रणनीति सफल रही। अब जब छात्र अपने घर लौट चुके हैं, संसद के सुचारू रूप से चलने और शिक्षा सुधार जैसे दीर्घकालिक विषयों पर राजनीतिक दलों के बीच व्यापक सहमति बनने की संभावना है।

फिल्म जगत, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, वकीलों, मानवाधिकार संगठनों और नागरिक समाज के व्यापक समर्थन ने इस आंदोलन को छात्रों के दायरे से निकालकर शिक्षा सुधार और लोकतांत्रिक जवाबदेही का व्यापक सामाजिक अभियान बना दिया।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सुधार केवल सरकार पर निर्भर नहीं हो सकता; इसके लिए नवाचार, जवाबदेही और उद्यमशीलता को जोड़ना होगा।

अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव बनते एमएसएमई

डा. जयंतीलाल भंडारी

सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए साख गारंटी आवरण (क्रेडिट गारंटी कवर) की सीमा को 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए कर दिया गया है। 10 करोड़ रुपए तक के ऋण की गारंटी स्वयं सरकार देगी, जिससे बैंक बिना झिझक उद्यमियों को ऋण दे सकेंगेङ्घ

इन दिनों पूरे देश की निगाहें संसद के इसी मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जाने वाले ह्यसूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक 2026ह्ल पर भी टिकी हुई हैं। इस संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य देश के एमएसएमई के लिए बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप नीतियों और नियमों को कारगर बनाना है। इसके साथ ही इसका ध्येय कारोबार सुगमता को बढ़ाना, विलंबित भुगतानों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र के लिए मध्यस्थता के फैसलों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। विधेयक में राज्यों को ह्यसूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदह्ल (एमएसईएफसी) के गठन के संदर्भ में लचीलापन और अनुकूल प्रावधान दिए गए हैं, ताकि अधिक संख्या में एमएसईएफसी गठित करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। उम्मीद है कि यह संशोधन विधेयक कानून बनने पर एमएसएमई को देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव के रूप में स्थापित करने के मद्देनजर असाधारण भूमिका निभाएगा। निश्चित रूप से देश के आर्थिक ढांचे में एमएसएमई का महत्वपूर्ण योगदान है। एमएसएमई आम आदमी के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र कम पूंजी निवेश के साथ नए व्यवसाय शुरू करने का अवसर प्रदान करता है। एमएसएमई देश में बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा करता है। स्थानीय स्तर और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मिलने से बड़े शहरों की ओर पलायन कम होता है। सरकार की विभिन्न प्राथमिक योजनाओं के तहत छोटे उद्यमियों को बिना किसी कठिन गारंटी के आसान और रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

यह क्षेत्र आम लोगों को हुनरमंद बनाकर खुद का काम शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनते हैं। महिला उद्यमियों और ग्रामीण कारीगरों को मुख्यधारा से जोडकर आर्थिक विषमता को दूर करने में सहायता मिलती है। एमएसएमई आम नागरिकों की आजीविका सुधारने और देश की प्रगति में योगदान देने का सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक देश में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या 7.86 करोड़ से अधिक है। ये उद्योग देश के दूरदराज के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में फैले हुए हैं, जिससे देश का संतुलित क्षेत्रीय विकास संभव हो पा रहा है। कृषि के बाद यह क्षेत्र भारत में आजीविका का दूसरा सबसे बड़ा आधार है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में, जहां हर साल लाखों नए युवा रोजगार की तलाश करते हैं, वहां बड़े उद्योगों की तुलना में ये छोटे उद्योग बहुत कम पूंजी में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने की क्षमता रखते हैं। इस क्षेत्र के माध्यम से देश में लगभग 32.82 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इन उद्योगों की हिस्सेदारी लगभग 31.1 प्रतिशत है। इसका सीधा अर्थ यह है कि देश की कुल कमाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इन छोटे कारखानों, दुकानों और स्थानीय निर्माण इकाइयों से आता है। देश के कुल विनिर्माण उत्पादन में इन उद्योगों की भागीदारी करीब 35.4 प्रतिशत है। देश से होने वाले कुल निर्यात में एमएसएमई का योगदान लगभग 48.58 प्रतिशत का है। हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़े के सामान, इंजीनियरिंग के छोटे पुर्जे और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुएं इन्हीं उद्योगों के जरिए दुनिया भर में भारत का नाम रेखांकित कर रही हैं।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई का देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान है। इसके बावजूद इन छोटे उद्योगों को चलाने वाले उद्यमियों को कई कठिन परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। इनमें कार्यशील पूंजी और कोष की किल्लत प्रमुख है। छोटे उद्यमियों के पास सीमित परिसंपत्तियां होती हैं। बैंकों से ऋण लेते समय उन्हें लंबी और जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे समय पर पूंजी न मिलने के कारण चलते हुए उद्योग भी बंद होने की कगार पर पहुंच जाते हैं। फंसा हुआ पैसा और भुगतान में देरी भी इस क्षेत्र की गंभीर समस्या है। जब छोटे उद्योग बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों को माल की आपूर्ति करते हैं, तो उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। उनका पैसा महीनों और वर्षों तक फंसा रहता है। नकद धन के अभाव में वे न तो कच्चा माल खरीद पाते हैं और न ही कर्मचारियों को वेतन दे पाते हैं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में एमएसएमई जटिल कानूनी अड़चनों और मुकदमों के डर का सामना करते हैं। अनजाने में बही-खाते, कर दाखिल करने या किसी प्रशासनिक नियम के पालन में छोटी-मोटी चूक होने पर भी उद्यमियों को कानूनी कार्यवाही का डर सताता रहता है। वे ह्यइंस्पेक्टर राजह्ल के शिकार होते रहते हैं, जिससे वे खुलकर काम नहीं कर पाते। एमएसएमई के समक्ष आधुनिक तकनीक और बाजार की प्रतिस्पर्धा भी एक बड़ी समस्या है। वर्तमान दौर कंप्यूटर, ऑटोमेशन और एआई का है। बड़ी कंपनियों के पास इन तकनीकों के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान होता है, जबकि छोटा उद्यमी महंगी तकनीक अपनाने में असमर्थ रहता है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संयम

-कांतिलाल मांडोत

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों का युग है। दुनिया अभूतपूर्व गति से विकास कर रही है। ऊंची-ऊंची इमारतें, आधुनिक परिवहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और उपभोक्तावाद ने मानव जीवन को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक बना दिया है। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा होता है कि क्या केवल भौतिक समृद्धि ही किसी राष्ट्र की वास्तविक पहचान है? भारत का उत्तर सदैव "नहीं" रहा है। भारतीय चिंतन ने हमेशा माना है कि सभ्यता और संस्कृति अलग-अलग अवधारणाएं हैं। सभ्यता बाहरी विकास का प्रतीक है, जबकि संस्कृति मनुष्य के भीतर के संस्कार, विचार, आचरण, त्याग, सहिष्णुता और संयम की अभिव्यक्ति है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका संयम-प्रधान स्वरूप है। यही कारण है कि अनेक उतार-चढ़ाव, विदेशी आक्रमणों और सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद यह संस्कृति आज भी जीवित है। इतिहास साक्षी है कि मिस्र, यूनान और रोम जैसी महान सभ्यताएं समय के साथ विलुप्त हो गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का आधार बनी हुई है। इसका कारण केवल धार्मिक परंपराएं नहीं, बल्कि मानवता, करुणा, आत्मसंयम और परिवार-केन्द्रित जीवन मूल्यों का संरक्षण है। भारतीय संस्कृति ने कभी केवल अधिकारों की बात नहीं की, बल्कि कर्तव्यों को अधिक महत्व दिया। माता-पिता का सम्मान, गुरु के प्रति श्रद्धा, अतिथि का सत्कार, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और समाज के लिए त्याग की भावना हमारे जीवन का अभिन्न अंग रही है। यही मूल्य भारत को अन्य देशों से अलग पहचान देते हैं। आज जब दुनिया मानसिक तनाव, अकेलेपन और पारिवारिक विघटन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब भारतीय जीवन दर्शन की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

दुर्भाग्य से आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने पश्चिमी जीवनशैली का अनुकरण तो किया, लेकिन उसके दुष्परिणामों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। महानगरों में संयुक्त परिवारों का टूटना, वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक संबंधों में बढ़ती दूरी और तलाक की बढ़ती घटनाएं सामाजिक परिवर्तन के संकेत हैं। आधुनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु यदि उसके कारण परिवार, संबंध और सामाजिक उत्तरदायित्व कमजोर पड़ जाएं तो यह चिंता का विषय बन जाता है। भारतीय संस्कृति परिवार को केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला मानती है।

संयम का अर्थ केवल इच्छाओं का दमन नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है जीवन में संतुलन स्थापित करना। भोजन में संयम, वाणी में संयम, व्यवहार में संयम, क्रोध पर नियंत्रण, धन के उपयोग में संयम और भोग-विलास की सीमाएं समझना ही सच्चा संयम है। ऐसा व्यक्ति न केवल स्वयं सुखी रहता है बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है। भारतीय ऋषियों ने संयम को आत्मविकास का सबसे प्रभावी साधन बताया है।

हमारे इतिहास और धर्मग्रंथ संयम की असंख्य प्रेरक कथाओं से भरे पड़े हैं। भीष्म पितामह का आजीवन ब्रह्मचर्य, भगवान महावीर का तप, गौतम बुद्ध का त्याग, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद और स्वामी दयानंद सरस्वती का अनुशासित जीवन यह सिद्ध करता है कि महानता का मार्ग भोग से नहीं बल्कि संयम से होकर गुजरता है। ऐसे व्यक्तित्व आज भी इसलिए स्मरण किए जाते हैं क्योंकि उन्होंने अपने जीवन से आदर्श स्थापित किए।

आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक भी है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, हिंसा, अपराध, भ्रष्टाचार, उपभोक्तावाद और सामाजिक असंवेदनशीलता का मूल कारण आत्मसंयम का अभाव है। जब इच्छाएं अनियंत्रित हो जाती हैं तो व्यक्ति सही और गलत का विवेक खो बैठता है। ऐसे समय में भारतीय संस्कृति का संयम का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक हो जाता है। युवा पीढ़ी किसी भी राष्ट्र का भविष्य होती है। यदि युवा केवल भौतिक सफलता को ही जीवन का लक्ष्य बना लें और चरित्र निर्माण की उपेक्षा करें तो समाज का संतुलन बिगड़ना स्वाभाविक है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

बही भक्ति की बयार, भगवान झूलेलाल की हुई पूजा-अर्चना

गोरखपुर, एजेंसी। सिंधी समाज के आस्था और श्रद्धा के प्रतीक 40 दिवसीय चालिहो महोत्सव के तहत शहर के झूलेलाल मंदिरों में धार्मिक आयोजन जारी है। शुक्रवार को भी भक्ति की बहार बही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना की। गोरखनाथ स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर में पुजारी सुखदेव एलानी ने भगवान की आराधना व पूजा-अर्चना की। सुबह व शाम को आरती उतारी गई। जटाशंकर स्थित झूलेलाल मंदिर में पुजारी सांईं रविदास की ओर से भगवान झूलेलाल की आराधना, भोग व आरती की गई। इस दौरान समाज के लोगों ने बड़े ही आस्था भाव के साथ भगवान झूलेलाल की आरती उतारी। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया।

जेल से बाहर आकर रवि गौतम बोला- कोर्ट में केस लड़ूंगा

मेरठ, एजेंसी। अनुसूचित जाति की छात्रा की अपहरण कर हत्या के मामले में आठ जुलाई को जाम लगाने के दौरान गौतमबुद्धनगर निवासी रवि गौतम को जेल भेजा गया था। रवि गौतम को एसएसपी अविनाश पांडेय ने बंदी वैन में घुसकर थप्पड़ भी जड़े थे। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। मेरठ से जेल से रवि गौतम को मुजफ्फरनगर जेल में स्थानांतरित किया गया था। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आकर रवि गौतम कोर्ट परिसर में अपने वकील के चैंबर पर पहुंचा। उसका कहना है कि कप्तान को उसे थप्पड़ नहीं मारने चाहिए थे। इस थप्पड़ की गूंज 60 साल तक गूंजेगी। मैं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट तक केस लड़ूंगा।

सावन में पंचक्रोशी मार्ग पर होंगी बेहतर सुविधाएं

वाराणसी, एजेंसी। सावन में पंचक्रोशी मार्ग पर सुविधाएं बेहतर की जाएंगी। यही नहीं कांवरिया रूटों पर पानी का विशेष प्रबंध किया जाएगा। शिवपुर स्थित पांचों पांडव मंदिर, धर्मशाला एवं पंचक्रोशी यात्रा मार्ग की समस्या का समाधान किया जाएगा। इसके लिए लगातार नगर निगम की टीम निरीक्षण कर रही है। मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के निर्देश के बाद नगर निगम की ओर से पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। भक्तों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पानी के टैंकर उपलब्ध होंगे। उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होगी। धर्मशालाओं में ठहरने वाले यात्रियों के लिए कूलर और पंखों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। शौचालयों की नियमित सफाई की जाएगी। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यात्रा मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों में उत्कृष्ट साफ-सफाई व्यवस्था हर हाल में रहेगी।

फर्जी आधार से बैनामा कराने के आरोपी दामाद समेत पांच पर प्राथमिकी दर्ज

गोरखपुर, एजेंसी। गुलाबी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी तीन बेटियां हैं। आरोप है कि छोटी बेटी का पति दुर्गेश निवासी गोहरपुर (पुरंदरपुर, महराजगंज) ने जबरन उनके घर पर कब्जा कर लिया और मारपीट कर उन्हें बाहर निकाल दिया। इसके बाद वह दूसरी बेटी के घर बसंतपुर टोला धनहिया में रहने लगीं। पीड़िता का आरोप है कि 9 दिसंबर 2025 को दुर्गेश ने साजिश के तहत उनकी जगह अपनी बहू रज्सा पत्नी मुकेश कुमार को गुलाबी देवी बनाकर उनकी पूरी संपत्ति का फर्जी बैनामा करा लिया। इसमें दुर्गेश, उसका पुत्र मुकेश कुमार, गवाह प्रदीप साहनी और फर्जी दस्तावेज तैयार कर पंजीकरण कराने वाले अधिवक्ता को आरोपी बनाया गया है। गुलाबी देवी के अनुसार, उन्हें फर्जीवाड़े की जानकारी 2 जुलाई 2026 को जमीन का इंतखाब निकलवाने के दौरान हुई। इसमें उनकी संपत्ति पर दुर्गेश का नाम दर्ज मिला। सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि आरोपों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंदगी फैलाने पर चार के खिलाफ चालान, 2800 रुपये जुर्माना वसूला

मेरठ, एजेंसी। नगर निगम ने शुक्रवार को महानगर में सफाई अभियान चलाया। सड़क और सड़क किनारे कूड़ा व निर्माण सामग्री डालने तथा नालों में गोबर बहाकर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चार मामलों में कुल 2800 रुपये का जुर्माना लगाया गया। अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। सूरजकुंड वाहन डिपो क्षेत्र में श्यामनगर निवासी चांद मोहम्मद पर नाले में गोबर बहाने के आरोप में 1,000 रुपये का चालान किया गया। इसी डिपो के वार्ड-32 स्थित शर्मा नगर में गुरदीप और अंकुर मुंजाल पर सड़क पर कूड़ा और अपशिष्ट डालने के कारण 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

विभागीय ढिलाई से चल रहा नकली दवाओं का कारोबार

128 एफआईआर, सिर्फ एक निलंबन

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में हर दिन कहीं न कहीं नकली दवाओं की खेप मिल रही है। इस पूरे नेटवर्क में कहीं न कहीं विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। कोडीन मामले में भी कई अफसरों की लापरवाही मिली थी, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम तभी सक्रिय होती है, जब निजी कंपनियों की ओर से उनके कारोबार के प्रभावित होने की शिकायत की जाती है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल से नकली दवाएं पूरे प्रदेश में फैल चुकी हैं।

नारकोटिक्स दवाएं भी भरपूर बेची जा रही

कुछ ऐसा ही हुआ था कोडीन कफ सीरप के मामले में भी। दिसंबर 2025 से जनवरी, फरवरी 2026 में चले जांच अभियान में आगरा, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर सहित सभी शहरों में धड़ल्ले से कोडीन सीरप के पहुंचने की पुष्टि हुई। इतना ही नहीं नारकोटिक्स दवाएं भी भरपूर बेची जा रही है।

यूपी के रास्ते दूसरे राज्यों और नेपाल व बांग्लादेश तक दवाएं जाने की जानकारी एफएसडीए को मिली। इतना ही नहीं एफएसडीए आयुक्त के आदेश को भी सहायक आयुक्त ने धता बता दिया। इसके बाद भी किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

पूरे अभियान के दौरान करीब 128 एफआईआर दर्ज हुए, 35 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई और मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई। विभागीय कार्रवाई देखें तो सिर्फ अमेठी के इंस्पेक्टर कमलेश मिश्रा को निलंबित किया गया।

केस 1

एफएसडीए आयुक्त ने कानपुर के सहायक आयुक्त दिनेश कुमार तिवारी को फर्मों की जांच कराने का निर्देश दिया। माहभर बाद भी फर्मों की जांच नहीं कराई गई तो मुख्यालय से गठित टीम ने जांच किया। मौके पर कोडीन कफ सीरप व अन्य नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं मिलीं। आयुक्त ने सहायक आयुक्त को मुख्यालय से संबद्ध करते हुए आठ दिसंबर 2025 को नोटिस जारी किया। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

केस 2

कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध खरीफ बिक्री के मामले में वाराणसी के शैली ट्रेडर्स सहित कई फर्म सिर्फ कागजों पर मिलीं। शैली ट्रेडर्स ने वाराणसी की 126 फर्म को कोडीन सिरप की आपूर्ति की थी। वर्ष 2019 से 2025 तक यहां थोक के 89 लाइसेंस जारी किए गए थे। छह साल के दौरान वाराणसी में तैनात रहे सहायक आयुक्तों और ड्रग इंस्पेक्टरों की भूमिका की भी जांच कराने की बात कही गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

केस 3

गोंडा में बिना वैध अनुमति के गोदाम में कोडीन सिरप पाए गए। यहां करीब 1.13 करोड़ की सिरप सीज की गई। इसके बाद भी यहां तैनात अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नकली दवाओं का नेटवर्क भी खत्म किया जाएगा

एफएसडीए उप आयुक्त शशि मोहन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की सक्रियता का नतीजा है कि कोडीन कफ सीरप नेटवर्क तोड़ दिया गया है। नकली दवाओं का नेटवर्क भी खत्म किया जाएगा। जहां तक कार्रवाई की बात है तो यह शासन स्तर से होगी।

भाइयों की कलाई पर इस बार सजेगी ऊन की राखी

गोरखपुर, एजेंसी। इस बार भाइयों की कलाई पर ऊन से बनी राखी सजेगी। रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही स्वयं सहायता समूह की महिलाएं राखी बनाने के काम में लग गई हैं। उनकी बनाई ऊन की राखियां बाजार में आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। हल्के वजन, आकर्षक डिजाइन और हस्तनिर्मित खूबसूरती के कारण इन राखियों को बाजार में खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस पहल ने न सिर्फ स्थानीय बाजार में हस्तशिल्प को नई पहचान दिलाई बल्कि महिलाओं के लिए स्वरोजगार का मजबूत माध्यम भी बनकर उभरी है।

पादरी बाजार निवासी अनीता अग्रवाल के नेतृत्व में करीब 40 महिलाएं मिलकर विभिन्न रंगों और डिजाइन की ऊन की राखियां तैयार कर रही हैं। इनमें पारंपरिक राखियों के साथ बच्चों के लिए कार्टून थीम, मोती, फूल और आकर्षक सजावटी डिजाइन वाली राखियां भी शामिल हैं। इनकी खासियत यह है कि ये हल्की, मुलायम और लंबे समय तक सुरक्षित रहती हैं।

अनीता अग्रवाल ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पहले राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद सभी महिलाएं घर पर ही राखियां तैयार कर रही हैं। तैयार राखियों की बिक्री स्थानीय बाजारों, प्रदर्शनियों, मेलों और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से की जा रही है। इससे महिलाओं की नियमित आय बढ़ी है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

शहर का परिवर्तन चौक बना छावनी, प्रदेशभर से जुटे छात्रों ने भरी हुंकार

लखनऊ, एजेंसी। परिवर्तन चौक शुक्रवार देर शाम छावनी में बदल गया। प्रदेशभर से जुटे छात्रों ने शहीद स्मारक स्थल तक मार्च निकालकर पेपर लीक रोकने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

आइसा, एसएफआई, एनएसयूआई, समाजवादी छात्र सभा जैसे संगठनों की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन करीब दो घंटे तक चला। छात्रों के आह्वान को देखते हुए पुलिस बल पहले से ही तैनात था। पुलिस ने विधानभवन की तरफ कूच करने की आशंका में अतिरिक्त बैरिकेड लगा दिए। प्रदर्शन में कुछ सामाजिक संगठनों के लोग भी छात्रों का हौसला बढ़ाने के लिए शामिल हुए। उन्होंने छात्रों के साथ शहीद स्मारक तक पैदल मार्च किया।

छात्रों की मुख्य मांगें : छात्रों ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुए विरोध में कई छात्रों पर लाठियां बरसाई गईं। इससे उन्हें गंभीर चोटें भी आईं। उन्होंने नीट पेपर लीक के कारण कई युवाओं की जान जाने का भी जिक्र किया। छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

यातायात प्रभावित, एंबुलेंस फंसी : प्रदर्शन में प्रदेशभर से 600 से अधिक युवा और छात्र शामिल हुए। सभी के हाथों में तख्तियां और बैनर थे। इस दौरान इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए गए। मार्च के दौरान कुछ समय तक यातायात बाधित रहा। सड़कों पर एंबुलेंस की आवाजाही में भी परेशानी देखने को मिली।

बड़े आंदोलन की तैयारी : युवाओं के अनुसार, दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर लखनऊ में भी बड़े आंदोलन की तैयारी है। इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। यह आंदोलन शिक्षा व्यवस्था में सुधार, भ्रष्टाचार और पेपर लीक रोकने की मांग तक जारी रहेगा। छात्र संगठन शनिवार को इस संबंध में विस्तृत जानकारी देंगे।

लखनऊ-वाराणसी रेलखंड पर मालगाड़ी के सात वैगन पटरी से उतरे

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ-वाराणसी रेलखंड पर शनिवार सुबह सिंदुरवा रेलवे स्टेशन के पास इंडोरामा उर्वरक इकाई की साइडिंग पर खाद कारखाने जा रही मालगाड़ी के सात वैगन पटरी से उतर गए। हादसा सुबह पांच बजे के बाद हुआ। राहत की बात रही कि वैगन पलटे नहीं और बड़ा रेल हादसा टल गया।

रेलवे के इंजीनियरिंग, परिचालन और आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। प्रभावित हिस्से की घेराबंदी कर ट्रैक बहाली का काम शुरू कराया गया। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी इंडोरामा उर्वरक इकाई में खाद की लोडिंग के लिए साइडिंग ट्रैक से गुजर रही थी। सिंदुरवा के पास अचानक उसके सात वैगन पटरी से उतर गए।

चालक ने तत्काल ट्रेन रोक दी, जिससे स्थिति और गंभीर नहीं हुई। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जबकि साइडिंग ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। इसके चलते इंडोरामा उर्वरक इकाई में मालगाड़ियों की आवाजाही और खाद की लोडिंग फिलहाल प्रभावित हो गई है।

आरपीएफ निहालगढ़ के उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि घटना इंडोरामा फैक्ट्री को जाने वाले यूआरएल (साइडिंग) ट्रैक पर हुई है। वहीं सिंदुरवा स्टेशन अधीक्षक अमित कुमार ने भी घटना की पुष्टि की। रेलवे की तकनीकी टीम पटरी से उतरे वैगनों को हटाने और क्षतिग्रस्त ट्रैक की मरम्मत में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक सुरक्षित होने के बाद ही साइडिंग पर मालगाड़ियों का संचालन फिर शुरू किया जाएगा।

मेन ट्रैक से ट्रेनों का संचालन सामान्य

हादसा इंडोरामा उर्वरक इकाई की साइडिंग पर हुआ, इसलिए लखनऊङ्कवाराणसी मुख्य रेलखंड पूरी तरह सुरक्षित रहा। यात्री और अन्य ट्रेनों के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। आरपीएफ उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि मेन ट्रैक पर कहीं भी बाधा नहीं आई। सिंदुरवा स्टेशन अधीक्षक अमित कुमार ने भी बताया कि रेल परिचालन सामान्य रूप से जारी है।

तकनीकी कारणों की होगी पड़ताल

रेलवे प्रशासन ने डिरेलमेंट के कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

लेडी लॉयल होगा शिफ्ट, एसएन में बनेगा नया ओपीडी कॉम्प्लेक्स; योगी देंगे आगरा को बड़ी सौगात

आगरा, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में 104 करोड़ से अधिक की स्वास्थ्य परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके तहत लेडी लॉयल की नई 150 बेड की इमारत और एसएन मेडिकल कॉलेज में आधुनिक ओपीडी कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 104 करोड़ से अधिक की सौगात देंगे। लेडी लॉयल (महिला जिला अस्पताल) के लिए नई इमारत और एसएन मेडिकल कॉलेज में ओपीडी के लिए नया कॉम्प्लेक्स बनेगा। शनिवार को मुख्यमंत्री इन परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इससे चिकित्सकीय सेवाएं और बेहतर हो जाएंगी। आसपास के जिलों के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। इंटीग्रेटेड प्लान के तहत लेडी लॉयल के परिसर में एसएन का विस्तार हो रहा है। इसे यहां से शिफ्ट किया जाना है। इसके लिए सीएमओ कार्यालय के पास पांच एकड़ भूमि पर नई इमारत बनाई जाएगी। 93.81 करोड़ रुपये से नई इमारत बनेगी। इसमें 150 बेड की व्यवस्था होगी। प्रसव कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, कंगारू थेरेपी यूनिट, एनआईसीयू, ओपीडी कॉम्प्लेक्स, पैथोलॉजी लैब, चिकित्सकों के लिए चैंबर, कैंटीन, वेटिंग एरिया समेत कई सुविधाएं होंगी।एसएन मेडिकल कॉलेज में भी एमसीएच बिल्डिंग के पास ओपीडी का नया कॉम्प्लेक्स बनेगा। इसमें बाल रोग और स्त्री रोग की ओपीडी लगेगी। पर्चा काउंटर, दवा काउंटर और सैंपल कलेक्शन समेत अन्य सुविधाएं होंगी। इस ओपीडी कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल से एमसीएच बिल्डिंग और प्रस्तावित बाल अस्पताल से जोड़ा जाएगा। इससे आपात स्थिति में मरीजों को आसानी से स्त्री रोग और बाल रोग विभाग में शिफ्ट किया जा सकेगा।

इसके साथ ही पुरानी ओपीडी कॉम्प्लेक्स में दूसरी मंजिल पर भी हॉल बनेगा। इससे यहां मरीजों का दबाव कम हो सकेगा। इसका निर्माण 10.76 करोड़ रुपये से होगा। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यमंत्री 25 तारीख को दोनों परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। लेडी लॉयल का नया भवन बनने के बाद एसएन मेडिकल कॉलेज से लेडी लॉयल को शिफ्ट कर दिया जाएगा। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि ओपीडी कॉम्प्लेक्स बनने से पर्चा-दवा लेने के लिए लगने वाली भीड़ कम होगी। मरीजों को आसानी होगी।

हाईकोर्ट ने आवास आयुक्त को किया तलब

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट ने यूपी आवास एवं विकास परिषद की ओर से नगर निगम को 47 करोड़ रुपये न देने के मामले में आवास आयुक्त को 12 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होकर जवाब देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर नगर निगम को यह देय धनराशि 12 अगस्त से पहले जारी कर दी जाए तो आवास आयुक्त को पेश नहीं होना होगा।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश वृंदावन जनकल्याण विकास समिति की याचिका पर दिया। सुनवाई के समय नगर निगम के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि आवास एवं विकास परिषद को वृंदावन कॉलोनी नगर निगम को हस्तांतरित करते समय 47 करोड़ रुपये देने थे। इसमें से सिर्फ सात करोड़ रुपये ही दिए गए हैं। कई अनुस्मारक भेजने के बावजूद भी बाकी धनराशि नहीं दी गई। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी।

10 हजार में बॉर्डर पार, पांच साल में 3800 को अवैध तरीके से पार कराई नेपाल सीमा

लखनऊ, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा पर अजनाला थाना हमला कांड के वांछित आरोपी विक्रमजीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सीमा पार कराने वाले एक संगठित नेटवर्क की परतें खुलने लगी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि संदिग्धों से प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये लेकर उन्हें नेपाल से भारत में प्रवेश दिलाने और लखनऊ एयरपोर्ट तक पहुंचाने का सौदा किया जाता था। जांच में यह भी पता चला है कि स्थानीय नेटवर्क पिछले कई वर्षों से सक्रिय था। अब एजेंसियां इसके पूरे तंत्र, वित्तीय लेन-देन और अब तक सीमा पार कराए गए लोगों की पड़ताल में जुट गई हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर पंजाब के अजनाला थाना हमला कांड के वांछित आरोपी विक्रमजीत सिंह और अमेरिका के कैलीफोर्निया निवासी मनवीर सिंह ढिल्लों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों के हाथ मानव तस्करी और संदिग्धों की आवाजाही से जुड़े एक बड़े नेटवर्क के सुराग लगे हैं। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि सीमा पार कराने वाले स्थानीय गिरोह ने प्रत्येक व्यक्ति से 10-10 हजार रुपये लेने की बात तय की थी, जबकि नेपाल से लखनऊ एयरपोर्ट तक इनोवा वाहन 15 हजार रुपये में बुक किया गया था।

जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार स्थानीय आरोपी पिछले करीब पांच वर्षों से सीमा पार कराने के नेटवर्क में सक्रिय थे और अब तक 3,800 से अधिक लोगों को भारत-नेपाल सीमा पार करा चुके हैं। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इनमें कितने लोग वैध दस्तावेजों के साथ आए और कितनों की एंट्री संदिग्ध थी।

पूछताछ में सामने आया कि विक्रमजीत सिंह, अमेरिकी नागरिक मनवीर सिंह ढिल्लों, उसकी पत्नी और बच्चे को नेपाल से लेकर भारतीय सीमा पार कराने तथा लखनऊ एयरपोर्ट तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था पहले से की गई थी। इसी दौरान एसएसबी और रुपईडीहा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर सभी को पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि स्थानीय आरोपियों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। वित्तीय लेन-देन, संपत्ति और पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बातचीत में पहचानते थे, फिर तय करते थे रकम : पूछताछ में सुरक्षा एजेंसियों को पता चला है कि स्थानीय नेटवर्क पहले यात्रियों से बातचीत कर उनकी स्थिति और दस्तावेजों का अंदाजा लगाता था। इसके बाद सीमा पार कराने के लिए अलग-अलग रकम तय की जाती थी। एजेंसियां इस पूरे तौर-तरीके की पड़ताल कर रही हैं।

स्थानीय तीनों आरोपी इसी इलाके के निवासी : गिरफ्तार इनोवा चालक राहुल कुमार रुपईडीहा के केवलपुर गांव का निवासी है। जबकि उसके सहयोगी सुरेश कुमार पाठक और दिलीप महानंद पुरवा के रहने वाले हैं। तीनों से लगातार पूछताछ की जा रही है।

संपत्तियों की भी होगी जांच : जांच एजेंसियों को प्रारंभिक जानकारी मिली है कि पिछले कुछ वर्षों में तीनों स्थानीय आरोपियों ने जमीन, मकान और अन्य निवेश के माध्यम से उल्लेखनीय संपत्ति अर्जित की है। पुलिस ने अब उनके आय के स्रोत और संपत्तियों की वैधता की भी जांच शशुरू कर दी है।

पंजाब पुलिस ने संभाली कार्रवाई : एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पंजाब पुलिस को अवगत करा दिया गया था। शुक्रवार सुबह पंजाब पुलिस की टीम रुपईडीहा पहुंच गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया में शामिल रही। ट्रांजिट रिमांड की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विक्रमजीत सिंह को पंजाब ले जाने की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल के सेना प्रमुख ने चीन की जनमुक्ति सेना की भूमिका को सराहा

काठमांडू। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल ने कहा है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) या जनमुक्ति सेना ने पंचशील के सिद्धांतों पर आधारित नेपाल-चीन संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चीन की पीएलए की स्थापना की 99वीं वर्षगांठ के अवसर पर काठमांडू स्थित चीनी दूतावास द्वारा शुक्रवार को आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाली सेना और पीएलए के बीच संबंध मजबूत हैं और लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। सिग्देल ने उल्लेख किया कि दोनों सेनाओं के बीच होने वाली नियमित उच्चस्तरीय यात्राओं और आदान-प्रदान ने द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। संयुक्त सैन्य अभ्यास ने आपसी विश्वास, समझ और सहयोग को और गहरा बनाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में भी नेपाली सेना और पीएलए के बीच सहयोग और अधिक विस्तारित होगा, जिससे नेपाल-चीन मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे। इस अवसर पर नेपाल में चीन के राजदूत चांग माओमिंग ने कहा कि पिछले 99 वर्षों में पीएलए ने चीन की राष्ट्रीय स्वतंत्रता, मुक्ति, संप्रभुता, सुरक्षा एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास के साथ पीएलए के आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसने विश्व शांति में भी सकारात्मक योगदान दिया है।

नेपाल में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

काठमांडू। नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, टेलीमेडिसिन को सुदृढ़ करने और एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने के संबंध में चर्चा की है। समयऔर कैलेंडर शनिवार को एक बैठक के दौरान, बडीमालिका नगरपालिका के प्रमुख अमर खड़का, स्मार्ट हेल्थ ग्लोबल के प्रतिनिधि मनोज खड़का, सुशील लेखक और अन्य के एक प्रतिनिधिमंडल ने ‘द लास्ट माइल : डिजिटल हेल्थ कॉन्फ्रेंस 2083’ के निष्कर्षों और सिफारिशों को प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय स्तर पर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने के अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही, उन्होंने टेलीमेडिसिन के विस्तार, स्वास्थ्य सूचना प्रणालियों के एकीकरण, कानूनी और नीतिगत सुधारों, वित्तीय स्थिरता और सरकार के तीनों स्तरों के बीच मजबूत समन्वय को प्राथमिकता देते हुए एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यमन ने जवाबी हमले में सऊदी अरब के औद्योगिक ठिकानों पर दागीं मिसाइलें

सना। सऊदी अरब और यमन के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। यमन की सेना ने सऊदी अरब के जिज़ान क्षेत्र में औद्योगिक ठिकानों पर मिसाइल हमले करने का दावा किया है। यमन का कहना है कि यह कार्रवाई अल-हुदैदा और कामरान द्वीप पर सऊदी हवाई हमलों के जवाब में की गई है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार आ रही चेतावनियों ने क्षेत्र में संघर्ष और तेज होने की आशंका बढ़ा दी है। ईरान की समाचार एजेंसी फ़ारस व अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शनिवार तड़के हुए इन हमलों से पहले सऊदी सेना ने पश्चिमी यमन के अल-हुदैदा स्थित एक ठिकाने और कामरान द्वीप पर कई हवाई हमले किए थे। यमन का दावा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने सऊदी लड़ाकू विमानों को उसके हवाई क्षेत्र से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। हमलों के बाद यमन के विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी रियाद सरकार की होगी। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यमन पर लंबे समय से लगी नाकेबंदी हटाने की मांग पर विचार करने के बजाय सऊदी अरब ने सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अल-हुदैदा पर हमला क्षेत्रीय तनाव को नए स्तर पर ले जाएगा और अब हमले के जवाब में हमला की नीति अपनाई जाएगी। वहीं, यमन के अंसारुल्लाह आंदोलन के वरिष्ठ नेता हज़ेम अल-असद ने भी सऊदी अरब को चेतावनी देते हुए कहा कि बंदरगाह के बदले बंदरगाह, हवाई अड्डे के बदले हवाई अड्डा और हर हमले का जवाब उससे भी बड़े हमले से दिया जाएगा।

खैबर पख्तूनख्वा के टैंक में आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मी समेत 15 की मौत, जवाबी कार्रवाई में 12 हमलावर ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एक संयुक्त पुलिस चेकपोस्ट पर हुए आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मियों समेत 15 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर के हवाले से जीओ न्यूज ने बताया कि 23 और 24 जुलाई की दरमियानी रात आतंकवादियों ने चेकपोस्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई कर उनके प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद भाग रहे आतंकवादियों का पीछा करते हुए 12 हमलावरों को मार गिराया गया। सेना ने बताया कि हमला विफल होने के बाद आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन को चेकपोस्ट की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस शक्तिशाली विस्फोट में चेकपोस्ट को भारी नुकसान पहुंचा और 15 लोगों की जान चली गई। मृतकों में सेना के 12 जवान, दो पुलिस कर्मी और वन विभाग के एक पूर्व सरकारी अधिकारी शामिल हैं।

संवेदनशील जानकारी लीक करने वालों के खिलाफ सख्ती का बचाव, ट्रंप बोले-पत्रकार निशाने पर नहीं पर जरूरत पड़ी तो पूछेंगे सोर्स

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्लासिफाइड (गुप्त) या संवेदनशील जानकारी लीक करने वाले सरकारी अधिकारियों की पहचान करने के लिए कानूनी तरीकों के इस्तेमाल का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पत्रकारों के बजाय जानकारी लीक करने वालों को टारगेट कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताओं के कारण रिपोर्टरों को कॉन्फिडेंशियल सोर्स बताने के लिए मजबूर किया जा सकता है। दरअसल, रिपोर्ट में बताया गया था कि न्याय विभाग ने एयर फोर्स वन से जुड़ी रिपोर्टिंग के सिलसिले में न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों को जारी समन वापस ले लिए हैं। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ‘हम पत्रकारों नहीं, जानकारी लीक करने वालों के पीछे हैं। हम उन लोगों के पीछे हैं जो कायर हैं और कई मामलों में देशद्रोही हैं।’ राष्ट्रपति ने तर्क दिया कि बिना इजाजत के खुलासे के सोर्स की पहचान करने के लिए अक्सर उन पत्रकारों से पूछताछ करनी पड़ती है जिन्हें लीक हुई जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा, ‘आप उन्हें पत्रकारों के जरिए ढूंढ सकते हैं। रिपोर्टर शायद जानते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कुछ जानकारी नहीं लिखनी चाहिए।’

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि लीक की जांच के दौरान पत्रकारों के परिवार वालों को समन भेजना सही है तो ट्रंप ने सीधे तौर पर इस सवाल का जवाब नहीं दिया, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कानूनी तरीकों का इस्तेमाल करने का बचाव किया और कहा, ‘मुझे नहीं पता कि क्या सही है, क्या नहीं। हम इसे कानूनी तौर पर करते हैं।’

राष्ट्रपति ने बार-बार पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तुलना की और दावा किया कि पिछली सरकारों ने भी लीक जांच के दौरान पत्रकारों को घेरा था। ट्रंप ने कहा, ‘बराक हुसैन ओबामा हमेशा ऐसा करते थे। वह पत्रकारों के पीछे पड़ जाते थे। उन्होंने ऐसा कई बार किया और किसी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। जब कोई रिपब्लिकन ऐसा करता है, खासकर मैं तो हर कोई इसे बड़ी बात बना देता है।’

ट्रंप ने कहा कि गुप्त जानकारी को लीक करने के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने के बजाय उसे सुरक्षित रखने पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘जब आपके पास कोई है जो राष्ट्रीय सुरक्षा लीक कर रहा है या बहुत महत्वपूर्ण जानकारी लीक कर रहा है मान लीजिए, व्हाइट हाउस की दीवारों के अंदर कोई व्यक्ति लीक कर रहा है, तो मुझे लगता है कि यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है।’ उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पत्रकारों से कॉन्फिडेंशियल सोर्स की पहचान करने के लिए कहना सही हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति नवे कहा, ‘आप पत्रकारों से पूछकर पता लगा सकते हैं कि अगर यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, तो आपको यह जानकारी किसने दी? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल ठीक है।’

ट्रंप ने डॉब्स केस में सुप्रीम कोर्ट की ड्राफ्ट राय के लीक होने का भी जिक्र किया, जिसने रो बनाम वेड को पलट दिया था और कहा कि जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, ‘हमारे पास बहुत कुछ था, सुप्रीम कोर्ट को देखिए जहां उन्होंने रो बनाम वेड की राय जल्दी लीक कर दी।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर लग सकती है तीन साल की रोक, नए बिल में सख्त नियमों का प्रस्ताव

एजेंसी
वाशिंगटन। रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन साल तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही वीजा नियमों को पहले से कहीं अधिक सख्त बनाने और विदेशी कर्मचारियों व छात्रों से जुड़े कई प्रावधानों में बड़े बदलाव की बात कही गई है। सीनेटर टिम शीही ने ‘एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट-2026’ पेश करते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य ‘अमेरिकी मेहनतकश लोगों को प्राथमिकता देना’ है। टिम शीही ने कहा, ‘एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत उन विशेष और कठिन पदों पर कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी, जहां योग्य लोग नहीं मिलते थे। इसका उद्देश्य योग्य और मेहनती अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को लाना कभी नहीं था। हमारे देश में प्रतिभा मौजूद है, इसलिए ऐसे वर्क परमिट जारी नहीं किए जाने चाहिए जो अमेरिकी कर्मचारियों के हितों को नुकसान पहुंचाएं।’ उन्होंने कहा कि उनका विधेयक एच-1बी कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य के अनुरूप वापस लाएगा। इसके लिए कानून में मौजूद कमियों को दूर किया जाएगा, दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रावधान लागू किए जाएंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। सीनेटर के कार्यालय के अनुसार, यदि यह विधेयक कानून बनता है तो तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा जारी नहीं किए जाएंगे। प्रस्तावित विधेयक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सुझाई गई प्रत्येक एच-1बी याचिका पर 100,000 डॉलर की फीस को कानून का हिस्सा बनाने की बात भी कही गई है। इसके अलावा मौजूदा लॉटरी प्रणाली को समाप्त कर वेतन आधारित चयन प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव है।

यूनेस्को ने वेस्ट बैंक और लेबनान के ऐतिहासिक स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल, इजरायल की आपत्ति दरकिनार

एजेंसी
सोल । यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र की शिक्षा, विज्ञान और सांस्कृतिक संगठन) ने इजरायल की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए वेस्ट बैंक के एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल और दक्षिणी लेबनान के पांच ऐतिहासिक किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया है। इनमें लेबनान का ब्यूफोर्ट कैसल (किला) भी है जिस पर हाल ही में इजरायल ने कब्जा किया था। क्रूसेडर काल का यह ऐतिहासिक किला कलाअत अल-शकीफ के नाम से भी जाना जाता है। इसे मई में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान के दौरान इजरायली सेना ने अपने कब्जे में लिया था। विश्व धरोहर सूची में डालने का निर्णय शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की बैठक में लिया गया। इससे कुछ दिन पहले इजरायल के विदेश मंत्रालय ने समिति से इन प्रस्तावों को अस्वीकार करने की अपील की थी। हालांकि, समिति ने मध्य पूर्व में जारी संघर्षों का हवाला देते हुए

आपातकालीन आधार पर नामांकनों की समीक्षा की और वेस्ट बैंक के सेबास्तिया नगर और लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के पांच किलों को विश्व धरोहर सूची के साथ-साथ संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची में भी शामिल करने का फैसला किया। यूनेस्को के अनुसार, कब्जे वाले वेस्ट बैंक के नाबलुस के पास स्थित सेबास्तिया पुरातात्विक स्थल में विभिन्न सभ्यताओं के क्रमिक शासन और बसावट के प्रमाण सुरक्षित हैं, जिनका इतिहास ईसा पूर्व 9वीं शताब्दी तक जाता है।वहीं, लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के ये पांच किले मध्यकाल से लेकर 19वीं शताब्दी के बीच के हैं। यूनेस्को ने कहा कि ये किले क्रूसेडर, अय्यूबी, ममलूक, उस्मानी (ऑटोमन) शासन तथा स्थानीय सामंती शासकों के अलग-अलग दौर और उनके अनुसार हुए निर्माण व बदलाव को दर्शाते हैं।

सिंध के जल की ‘चोरी’ का आरोप, पीपीपी ने पाकिस्तान में निकाली रैलियां

एजेंस
इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सत्तारूढ़ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी)ने सिंधु नदी के जल की कथित ‘चोरी’ के विरोध में पूरे प्रांत में रैलियां निकालीं। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सिंध पीपीपी के अध्यक्ष निसार खुहरो के नेतृत्व में आयोजित रैली में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर ‘सिंध के पानी की चोरी बंद करो’ जैसे नारे लगाए। शुक्रवार को रैली को संबोधित करते हुए निसार खुहरो ने कहा कि यदि पानी के बंटवारे में सिंध के साथ कथित अन्याय जारी रहा तो पार्टी आंदोलन के तीसरे चरण की शुरुआत करेगी। इसके तहत सिंध के सभी संभागीय मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर रैलियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि सिंधु नदी के पानी में प्रांत के संवैधानिक हिस्से से वंचित किए जाने के विरोध में पीपीपी ने पूरे सिंध में 130 स्थानों पर प्रदर्शन किए। खुहरो ने कहा, ‘जल ही जीवन है।

जल के बिना जीवन संभव नहीं है, और हम किसी को भी अपने लोगों का भविष्य छीनने नहीं देंगे।’ उन्होंने संघीय सरकार और इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी (आईआरएसए) पर 1991 के जल बंटवारा समझौते को निष्पक्ष तरीके से लागू नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंध को बार-बार उसके हिस्से का पानी नहीं दिया जा रहा, जबकि पाकिस्तान के ऊपरी प्रांतों को प्राथमिकता दी जा रही है। पीपीपी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सिंध के हिस्से का पानी चश्मा-झेलम लिंक नहर, तौंसा-पंजनद लिंक नहर और जलालपुर नहर के जरिए दूसरी ओर मोड़ा जा रहा है। उनका कहना था कि कानूनी और संवैधानिक आपत्तियों के बावजूद ऐसा किया जा रहा है।

सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर मंडराया खतरा, सिविल डिफेंस ने तीन बार जारी किया अलर्ट

एजेंसी
रियाद । सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर खतरा मंडरा रहा है। सिविल डिफेंस ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर से ही पोस्ट्स अपडेट की जा रही हैं। शनिवार सुबह तीन पोस्ट्स के जरिए पहले खतरे को लेकर सतर्क किया गया, फिर सब कुछ सामान्य होने की सूचना दी गई। हालिया पोस्ट में यानबू को लेकर सचेत किया गया है। यह बंदरगाह शहर व्यावसायिक दृष्टि से काफी अहम है। यानबू पश्चिमी सऊदी अरब के मदीना प्रांत में लाल सागर तट पर स्थित एक औद्योगिक शहर है। लाल सागर पर जिद्दा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। बेहद खूबसूरत द्वीप पर्यटन का मुख्य केंद्र है। स्कूबा डाइविंग, कोरल रीफ्स और समुद्री गतिविधियों के लिए काफी पसंद किया जाता है, यही कारण है कि यमन से बढ़ती तल्खी के बीच इस क्षेत्र को लेकर सऊदी काफी फिक्रमंद है। बिगड़ते हालात के मद्देनजर चेतावनी जारी की गई। दोनों

ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यमन ने जिजान औद्योगिक शहर के एक अहम केंद्र और अरामको से जुड़ी तेल प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाया। हमलों के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। दरअसल, इससे पहले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों को हूती विद्रोहियों ने निशाना बनाया था। सऊदी अरब के दो टैंकरों पर हमला किया था, जिसके जवाब में ये हमले किए गए। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मल्की ने एक्स पर इसकी पुष्टि की। बताया, ‘हमने होदैदाह प्रांत में आतंकवादी हूती मिलिशिया के वैध सैन्य ठिकानों के खिलाफ उचित सैन्य जवाबी कार्रवाई की।’

इसी हफ्ते सोमवार को हूती विद्रोहियों ने कहा था कि वह लाल सागर में सऊदी अरब के खिलाफ नाकेबंदी करेंगे। इसके बाद सऊदी अरब ने सख्त जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। सिविल डिफेंस ने ‘राष्ट्रीय आपातकालीन प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली’ के तहत नागरिकों और प्रवासियों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश भी जारी किए। विभाग ने कहा कि यदि किसी के मोबाइल पर चेतावनी संदेश प्राप्त हो, तो वह शांत रहे और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करे। लोगों को तुरंत किसी सुरक्षित भवन के अंदर या खिड़कियों से दूर स्थित कमरे में जाने और आधिकारिक रूप से खतरा समाप्त होने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

ट्रंप का दावा- ईरान के पास समझौते के अलावा विकल्प नहीं, सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका पूरी तरह तैयार

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही उसकी सरकार बातचीत भी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने पर सहमत होता है तो कूटनीतिक समाधान उनकी पहली पसंद रहेगा। व्हाइट हाउस में असैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर सैन्य अभियान और तेज करने की स्थिति में है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ईरान अब समझौते को लेकर पहले से अधिक गंभीर हो रहा है। ईरान पर व्यापक सैन्य हमले की संभावना से जुड़े सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ‘हम अभी उनसे बातचीत कर रहे हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं और कार्रवाई के लिए तैयार बैठे हैं, लेकिन बातचीत भी जारी है। देखते हैं इससे क्या नतीजा निकलता है।’ ट्रंप ने कहा कि इस समय दो रास्ते मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ‘एक सैन्य रास्ता है, जिसमें हम मौजूदा अभियान को इसी तरह जारी रखें और चाहें तो इसे और भी ज्यादा तेज कर सकते हैं। दूसरा ज्यादा समझदारी वाला रास्ता यह है कि समझौता किया जाए। वे भी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे अभी पूरी तरह तैयार हैं।’ अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि बातचीत में ईरान पहले के मुकाबले अब तक सबसे ज्यादा गंभीर नजर आ रहा है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी समझौते की कोई गारंटी नहीं है। ट्रंप ने कहा, ‘मुझे लगता है कि वे गंभीर हैं। जितना हमने उन्हें पहले कभी गंभीर नहीं देखा, उससे कहीं ज्यादा गंभीर वे अब नजर आ रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम समझौते तक पहुंच ही जाएंगे। देखते हैं आगे क्या होता है।’ जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका ईरान को क्या संदेश दे रहा है, तो ट्रंप ने अपना पुराना रुख दोहराया। उन्होंने कहा, ‘ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। बात इतनी ही सरल है।

ट्रंप के नॉमिनी ने एआई एक्सपोर्ट पर सख्त कंट्रोल का वादा किया

एजेंसी
वॉशिंगटन । अमेरिकी निर्यात नियंत्रण विभाग के शीर्ष पद के लिए नामांकित प्रत्याशी ने इस सप्ताह एक बड़ा संकल्प लेते हुए कहा है कि वह अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों के सैन्य मंसूबों तक नहीं पहुंचने देंगे। चीन के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच, उन्होंने निर्यात नियंत्रण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) में एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट सेक्रेटरी के तौर पर नॉमिनेट की गई एबी वॉरेन ने सीनेट बैंकिंग कमेटी के सामने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर की ग्लोबल होड़ के बीच, एक्सपोर्ट कंट्रोल वॉशिंगटन के सबसे अहम नेशनल सिक्योरिटी टूल्स में से एक हैं। वॉरेन ने सांसदों से कहा, ‘ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी, अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी, इकोनॉमिक सिक्योरिटी और बेजोड़ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट और

साइंटिफिक इनोवेशन की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘एक्सपोर्ट कंट्रोल उन सबसे अहम टूल्स में से हैं, जिनसे यह पक्का किया जा सकता है कि अमेरिका की सबसे सेंसिटिव टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट्स और एक्सपर्टीज का इस्तेमाल हमारे दुश्मनों की मिलिट्री मॉडर्नाइजेशन या रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में न हो।’ वॉरेन का परिचय देते हुए सीनेटर टेड क्रूज ने कहा कि अमेरिका ‘आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कौन आगे रहेगा, इस मामले में चीन के साथ होड़’ में बना हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि ‘लीडरशिप की अहम जगहों पर सही लोगों के होने से हमारे देश को फायदा मिलता है। वॉरेन अमेरिका की एक्सपोर्ट कंट्रोल पॉलिसी बनाने में मदद करेंगी ताकि ‘यह पक्का किया जा सके कि अमेरिका चीन का मुक़ाबला कर सके और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत किया जा सके।’

कमेटी के चेयरमैन टिम स्कॉट ने भी इस पद के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट कंट्रोल से ‘संवेदनशील अमेरिकी टेक्नोलॉजी को हमारे दुश्मनों के हाथों में जाने से रोकने’ में मदद मिलती है और यह पक्का होता है कि ‘ग्लोबल एआई की दौड़ में जीत अमेरिका की हो, न कि चीन की। बीआईएस लीडरशिप के फैसलों का असर राष्ट्रीय सुरक्षा, टेक्नोलॉजी सेक्टर और अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर पड़ेगा।’

अपने बयान में वारेन ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों के तीव्र विकास और तेजी से वैश्विक होती आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित एक लचीली नियामक प्रणाली की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, ‘इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक ऐसी नियामक प्रणाली की आवश्यकता है जो प्रभावी, अनुकूलनीय और हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित हो।’

व्हाइट हाउस ने सऊदी अरब परमाणु डील को इजरायल समझौते से जोड़ा, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य होने की उम्मीद जताई

एजेंसी
वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने (स्थानीय समय) को फिर से कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उम्मीद है कि सऊदी अरब, इजरायल के साथ संबंध सामान्य करेगा। इसके साथ ही व्हाइट हाउस ने उम्मीद जताई कि सऊदी अरब प्रस्तावित नागरिक परमाणु समझौता को लेकर बड़ी समझ के हिस्से के तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी सरकार इस मुद्दे को अपनी मध्य-पूर्व रणनीति का केंद्र मानता है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब से साफ कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना और अब्राहम समझौते में शामिल होना उनकी प्रमुख अपेक्षाओं में शामिल है। मिलर ने कहा, ‘राष्ट्रपति ने सऊदी अरब के सामने न सिर्फ इस कार्यकाल में, बल्कि पहले से ही यह स्पष्ट कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने और अब्राहम समझौते में शामिल होने को लेकर उनकी क्या अपेक्षाएं, समय-सीमा और प्रतिबद्धताएं हैं।’ उनकी यह टिप्पणी उस सवाल के जवाब में आई कि ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट की घोषणा से अलग सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौते को इजरायल से संबंध सामान्य करने की शर्त से क्यों जोड़ा गया। हालांकि मिलर ने इस प्रक्रिया के क्रम (सीक्वेंसिंग) पर सीधे जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास सऊदी नेतृत्व और उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच की गहरी समझ है। उन्होंने कहा, ‘राष्ट्रपति ट्रंप से बेहतर आज कोई भी अमेरिकी सऊदी अरब की सोच, वहां के प्रमुख नेताओं और दोनों देशों के रिश्तों की प्रकृति को नहीं समझता।’ मिलर ने कहा कि ट्रंप का रियाद के साथ जुड़ाव 2017 में सऊदी अरब की राजधानी में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण से शुरू हुआ था और उन्होंने क्षेत्र में सऊदी अरब की भूमिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा, ‘अगर आप देखें कि आज सऊदी अरब किस स्थिति में है, तो 2017 के रियाद भाषण से लेकर क्षेत्र में हिंसक आतंकवाद के खिलाफ उसे मजबूत सहयोगी बनाने तक राष्ट्रपति ट्रंप ने सऊदी अरब को क्षेत्रीय स्थिरता के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक बनाने में मदद की है।’ मिलर ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप सऊदी अरब की रणनीतिक सोच और उसके भविष्य की योजनाओं को पूरी तरह समझते हैं।

अमेरिका चीन के साथ एआई साइंस की दौड़ में आगे बढ़ रहा

वाशिंगटन । ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह अमेरिका के वैज्ञानिक रिसर्च सिस्टम में बड़े बदलाव का बचाव किया। प्रशासन का तर्क है कि आने वाले दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चीन से आगे रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग अहम होंगे। इस रणनीति का भारत जैसे अहम सहयोगियों पर भी असर पड़ेगा। साइंस, स्पेस और टेक्नोलॉजी पर बनी हाउस कमेटी के सामने पेश होते हुए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी (ओएसटीपी) के डायरेक्टर माइकल क्रैट्सियोस ने ‘साइंस का नया सुनहरा दौर’ की रूपरेखा पेश की। वहीं, फंडिंग, रिसर्च की प्राथमिकताओं और अमेरिकी साइंस की भविष्य की दिशा को लेकर कानून बनाने वाले नेता पार्टी के आधार पर बंटे हुए दिखे। क्रैट्सियोस ने कानून बनाने वालों से कहा, ‘तेजी से बदलती दुनिया में हमारी आर्थिक लीडरशिप और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे दबदबे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अमेरिका अब अकेला औद्योगिक और वैज्ञानिक सुपरपावर नहीं रहा। अमेरिकी साइंस के सुनहरे दौर की शुरुआत करने के लिए नए फोकस और सुधारों की जरूरत है।’ क्रैटसियोस ने कहा कि उनके ऑफिस की एक रिपोर्ट में फेडरल रिसर्च को अधिक लचीला बनाने, अलग-अलग वैज्ञानिकों की मदद करने, वैज्ञानिक खोज और मैन्युफैक्चरिंग के बीच संबंध मजबूत करने और भविष्य की रिसर्च में एआई को केंद्र में रखने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है। इसका एक मुख्य हिस्सा प्रशासन का ‘जेनेसिस मिशन’ है।

गोलीबारी के बाद पहली बार कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में पहुंचे ट्रंप, बोले- राजनीतिक हिंसा के सामने नहीं झुकेंगे

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भी व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में शामिल होंगे। राष्ट्रपति के रूप में इस वार्षिक कार्यक्रम में अपनी पहली पूर्ण उपस्थिति के दौरान उन्होंने मजाक, राजनीतिक टिप्पणियां और एकता की अपील की। उन्होंने खास तौर पर उस गोलीबारी का जिक्र किया, जिसके कारण पिछले डिनर को स्थगित करना पड़ा था। सैकड़ों पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य मेहमानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह भविष्य में भी इस वार्षिक परंपरा का हिस्सा बने रहेंगे। इससे पहले अप्रैल में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) के डिनर के दौरान एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी थी। हालांकि, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उसे समय रहते काबू कर लिया था। इसके बाद इवेंट को कुछ समय के लिए टाल दिया गया। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ने डिनर का आयोजन बाद में करने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा, ‘हम अगले साल फिर यहां लौटेंगे।’ उनके इस बयान पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। हमले को याद करते हुए ट्रंप ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह समारोह इस बात का संदेश है कि राजनीतिक हिंसा न तो निर्वाचित नेताओं को डरा सकती है और न ही प्रेस को। उन्होंने कहा, ‘आज रात हम फिर एकजुट हुए हैं और इस जघन्य हमले का जवाब अटूट संकल्प के साथ दे रहे हैं। हम राजनीतिक हिंसा के सामने झुकने वाले नहीं हैं। हम अपने मतभेदों का समाधान गोलियों से नहीं, बल्कि खुली और मजबूत बहस के जरिए करते हैं।’ उन्होंने हमलावर को बंदूक वाला एक पागल, हारा हुआ आदमी कहा। फायरिंग के दौरान सीक्रेट सर्विस ऑफिसर विक्टर गोंजालेज घायल हो गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने गोंजालेज, सीक्रेट सर्विस, मेट्रोपॉलिटन पुलिस और दूसरे कानून लागू करने वाले लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा, ‘विक्टर चेकअप के लिए हॉस्पिटल भी नहीं जाना चाहते थे। हम आपको सलाम करते हैं और पूरे दिल से आपका शुक्रिया अदा करते हैं।’ वहीं, डिनर कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने भी गोंजालेज और शाम को पहचाने गए दूसरे अधिकारियों के लिए खड़े होकर तालियां बजाईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने माना कि गोलीबारी की वजह से उन्हें ओरिजिनल डिनर के लिए तैयार किया गया ज्यादा आक्रामक भाषण छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, ‘मुझे एक बात पता है। मैं वह भाषण कभी नहीं दे पाता जो मैंने तैयार किया था, वह बहुत जबरदस्त होने वाला था। मैं बहुत उत्साहित था। इसके बजाय अगर बुरा न मानें तो थोड़ी तीखी आलोचना भी कर लेते हैं।’ अपनी एक घंटे की बातचीत के दौरान ट्रंप ने मजाक के साथ-साथ राजनीतिक विरोधियों और मीडिया के सदस्यों की आलोचना भी की। इसके साथ ही व्हाइट हाउस प्रेस कोर के काम की सराहना भी की। उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों के बारे में कहा, ‘मैं उनमें से ज्यादातर की इज्जत करता हूं। आप बहुत अच्छा काम करते हैं।’ उन्होंने रिपोर्टरों के साथ अपने संबंध के बारे में भी मजाक किया और कहा कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के पास सबसे मुश्किल कामों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लेविट को लेकर कहा, ‘उसे हर समय आप सभी से डील करना पड़ता है।’ ट्रंप ने डब्ल्यूएचसीए की प्रेसिडेंट वेइजिया जियांग की भी सराहना की और कहा कि फायरिंग के बाद साथ काम करने के बाद दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए इज्जत बढ़ी है। उन्होंने कहा, ‘हम एक तरह से दोस्त बन गए थे। तनाव के समय में कभी-कभी, आप दोस्त बन जाते हैं।

कैलिबर माइनिंग का शेयर पहले दिन करीब 25 फीसदी की बढ़त के साथ हुआ बंद

एजेंसी
नई दिल्ली। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर कारोबार के पहले दिन अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी का शेयर आज 18.86 फीसदी की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान ये 26.92 फीसदी चढ़कर 538.15 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में ये 24.64 फीसदी की बढ़त के साथ 528.50 रुपये के स्तर पर रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कंपनी का शेयर 17.98 फीसदी की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में ये 24.57 फीसदी चढ़कर 528.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3,455.11 करोड़ रुपये रहा। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था। यह आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। कंपनी ने इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य का दायरा तय किया था।

सेल को पहली तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुने से ज्यादा होकर 1,644 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। सेल का एकीकृत शुद्ध लाभ पहली तिमाही में दोगुने से ज्यादा होकर 1,644.05 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मुख्य रूप से खर्च में कमी आने से अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का लाभ बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 744.58 करोड़ रुपये था। सेल की कुल आय भी इस अवधि में बढ़कर 26,451.21 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में 26,083.90 करोड़ रुपये थी। वहीं, खर्च 24,146.32 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 25,189.19 करोड़ रुपये था। सेल ने अलग जारी बयान में कहा कि उसका कच्चा इस्पात उत्पादन घटकर 47.6 लाख टन रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 48.5 लाख टन था। सेल के चेयरमैन अशोक कुमार पांडा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, घरेलू इस्पात उद्योग ने मजबूती दिखाई है, जिसकी वजह घरेलू इस्पात की लगातार मांग रही है। उन्होंने कहा, ''बेहतर परिचालन क्षमता, सूझ-बूझ के साथ लागत प्रबंधन और केन्द्रित विपणन पहलों के जरिए, सेल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में काफी अच्छा मुनाफा कमाया है। पांडा ने कहा, ''कंपनी अपनी मजबूत विनिर्माण क्षमताओं का फायदा उठाने और घरेलू इस्पात की लगातार मांग का लाभ उठाते हुए अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आश्वस्त है।''

कैट ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति का किया स्वागत

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को भारत में निर्मित अथवा उत्पादित वस्तुओं के निर्यात के लिए इन्वेंट्री (स्टॉक) रखने की अनुमति देने के निणर्य को एक स्वागतयोग्य और दूरदर्शी कदम बताया है। साथ ही इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को जरूरी भी बताया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात तंत्र को सशक्त बनाने, 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' अभियान को गति देने तथा भारतीय निर्माताओं, एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित करने के विजन के अनुरूप है। सरकार ने केवल निर्यात के लिए भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी है।खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य का पूर्ण समर्थन किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस प्रावधान को उसके मूल उद्देश्य और भावना के अनुरूप लागू किया जाए तथा इसका दुरुपयोग घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार के लिए पिछले दरवाजे के रूप में न हो, क्योंकि वर्तमान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत विदेशी कंपनियों को घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार की अनुमति नहीं है।

स्टॉक मार्केट में कैलिबर माइनिंग की मजबूत एंट्री, फायदे में निवेशक

नई दिल्ली। कोल माइनिंग सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 424 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 17.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 500.25 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 18.87 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 504 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 538.15 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 463.15 रुपये के स्तर तक भी आया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर बीएसई पर प्रति शेयर 104.50 रुपये यानी 24.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 528.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई पर इस शेयर ने प्रति शेयर 104.20 रुपये यानी 24.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशक शानदार मुनाफा कमाने में सफल रहे।

ईमानदार करदाताओं को सहूलियत दें, कर चोरी पर सख्ती करें: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों से ईमानदार करदाताओं को सहूलियत देने और कर चोरी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने को कहा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में 167वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'कर निर्धारण में निश्चितता अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है।' इससे पहले इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। वहीं, विभाग के अधिकारियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। 167वें आयकर दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने आयककर अधिकारियों को संवेदनशील होने की सलाह देते हुए कहा कि जानबूझकर कर चोरी करने वालों व अनजाने में गलती करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने आयकर विभाग के लिए पहचान, प्रतिक्रिया,

निवारण, आत्ममंथन और सुधार के रूप में 5 प्राथमिकताएं भी बताईं। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को कहा, 'कर कानून से मिले अधिकारों का उपयोग विनम्रता के साथ करें और कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरूस्त बनाए रखें।' उन्होंने कहा कि पिछले साल, मैंने इस बात पर जोर दिया था कि एक आधुनिक टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के लिए न केवल आधुनिक कानूनों और टेक्नोलॉजी की जरूरत होती है, बल्कि आधुनिक वर्कप्लेस, अच्छी सुविधाओं वाले ऑफिस और प्रेरित वर्कफोर्स की भी ज़रूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि डिपार्टमेंट ने पिछले साल इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में लगातार प्रगति की है। उन्होंने बताया कि मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, नोएडा और अन्य जगहों पर नए ऑफिस कॉम्प्लेक्स और आधुनिकीकरण के प्रोजेक्ट्स में अच्छी प्रगति हुई है। साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय और कल्याणकारी सुविधाओं में लगातार निवेश किया गया है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि 2 दिन बाद मैं मुंबई में नए 'आयकर सिंधु' ऑफिस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करूंगी, जो वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे-जैसे हम विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं, हमें अपने अधिकारियों के ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमताओं को विकसित करने में भी उतनी ही प्रतिबद्धता के साथ निवेश करना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि मैं एआई, डेटा एनालिटिक्स, फोरेंसिक अकाउंटिंग, अंतरराष्ट्रीय कराधान, ट्रांसफर प्राइसिंग, डिजिटल एसेट्स, साइबर सुरक्षा और एडवांस्ड फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन जैसे क्षेत्रों में बेहतर विशेष प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहूंगी। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारियों को व्यवस्थित नेतृत्व विकास का नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

फ्लिपकार्ट ने पार्सल पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ की साझेदारी

एजेंसी
नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने भारतीय डाक के जरिए उपभोक्ताओं तक पार्सल पहुंचाने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी की है। इस समझौते के तहत अब इंडिया पोस्ट फ्लिपकार्ट के ऑर्डर की ग्राहक के घर तक अंतिम चरण की डिलीवरी (लास्ट माइल डिलीवरी) करेगा।

कंपनी ने जारी बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट को डाक विभाग के 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क का लाभ मिलेगा। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट ने बताया कि इससे कंपनी की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, पार्सल पहुंचाने की दक्षता में सुधार होगा और विशेष रूप से दूरदराज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं बेहतर होंगी।

फ्लिपकार्ट ने कहा, ''इस समझौते के तहत डाक विभाग देशभर में फ्लिपकार्ट के पार्सल को अंतिम चरण तक पहुंचाने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा।'' इस साझेदारी के तहत कंपनी शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज एवं ऐसे इलाके जहां फ्लिपकार्ट की सेवा का अभाव हो वहां भी पार्सल पहुंचाने के लिए इंडिया पोस्ट के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करेगा। उल्लेखनीय है कि डाक विभाग ने पिछले साल दिसंबर में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया के साथ भी इसी तरह का समझौता किया था।

FSSAI ने गंभीर अनियमितताओं पर रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस किया निलंबित, उत्पादन पर तत्काल रोक

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने वाली कंपनी रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। नियामक ने कंपनी को सभी खाद्य कारोबार और मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि सभी कमियों को दूर कर सक्षम प्राधिकारी से अनुपालन का सत्यापन होने तक उत्पादन दोबारा शुरू नहीं किया जा सकेगा। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान गंभीर स्तर की अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कंपनी का लाइसेंस निलंबित किया गया। नियामक ने चेतावनी दी है कि यदि कंपनी निलंबन आदेश का उल्लंघन करती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

खाद्य नियामक के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को कुल मिलाकर केवल 12 प्रतिशत अनुपालन स्कोर मिला, जो खाद्य सुरक्षा नियमों के बेहद गंभीर उल्लंघन और प्रावधानों के पालन में भारी विफलता को दर्शाता है।

एफएसएसएआई ने बताया कि फैक्ट्री परिसर अत्यंत अस्वच्छ और अव्यवस्थित पाया गया। मैन्युफैक्चरिंग टैंकों के नीचे गंदगी और कीचड़ जमा था, कच्चे माल का भंडारण बेतरतीब तरीके से किया गया था और हाउसकीपिंग की स्थिति बेहद खराब थी। इससे खाद्य उत्पादों में क्रॉस-कंटैमिनेशन का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।निरीक्षण में यह भी पाया गया कि यूनिट में स्टोरेज की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, कार्यस्थल सीमित था, वेंटिलेशन और रोशनी की व्यवस्था कमजोर थी, इमारत के कई हिस्से क्षतिग्रस्त थे, कीटों का प्रकोप था और पीने के पानी की जांच से संबंधित वैध रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी।

एफएसएसएआई ने कहा कि यह यूनिट हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स जैसे उच्च जोखिम वाली खाद्य श्रेणी के उत्पाद बनाती है, जिनका सेवन बच्चों और अन्य संवेदनशील वर्गों द्वारा भी किया जाता है। ऐसे में फैक्ट्री की अस्वच्छ स्थिति और खाद्य सुरक्षा नियंत्रणों की विफलता सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर और तत्काल खतरा पैदा करती है। नियामक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उत्पादन क्षेत्र में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां, अन्य कीड़े-मकोड़े और खुले में पड़ा खाद्य अपशिष्ट भी मिला। कंपनी डाइजेस्टिव सिरप, मल्टीविटामिन सिरप और अन्य सिरप आधारित खाद्य उत्पादों का निर्माण करती है।

तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने की भव्य-रसायन योजना को मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन योजना) को मंजूरी दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने को आज मंजूरी दी गई। इसके लिए कुल 3,030 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया जाएगा। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये पार्क की भीतरी अवसंरचना सुविधाओं और बुनियादी उपयोगिताओं की स्थापना की लागत को पूरा करने और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय के रूप में आवंटित किए जाएंगे। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगी। सरकार उक्त योजना के तहत प्रत्येक पार्क के लिए संबंधित राज्य सरकार की ओर से न्यूनतम 500 करोड़

रुपये का योगदान करने के बाद 1,000 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान करेगी । केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि भव्य रसायन योजना से देश में रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह योजना साझा बुनियादी ढांचे और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से उत्पादन लागत तथा माल ढुलाई खर्च कम करेगी, जिससे भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। भौगोलिकसंदर्भ इसके साथ ही निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता घटेगी। साझा अपशिष्ट उपचार और खतरनाक कचरा प्रबंधन जैसी पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं से सतत औद्योगिक विकास सुनिश्चित होगा। योजना से घरेलू और विदेशी निवेश आकर्षित होंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा कृषि, दवा, वस्त्र, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

सरकार ने जारी किए 25.89 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड, 8.80 लाख हेक्टेयर तक पहुंची प्राकृतिक खेती

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बताया कि सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना) के तहत अब तक 25.89 करोड़ से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग-एनएमएनएफ) का दायरा बढ़कर 18,786 क्लस्टर्स तक पहुंच गया है, जो कुल 8.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी के प्रबंधन और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों की जानकारी दी। सरकारी बयान के अनुसार, सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम के तहत संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसियों (एटीएमए) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के सहयोग से अब तक करीब 7.17 लाख प्रदर्शन आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा खेत बचाओ अभियान जैसे जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सरकार ने बताया कि अब तक 70,002 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे गांव स्तर पर किसानों तक मिट्टी के स्वास्थ्य संबंधी सलाह और जानकारी पहुंचा सकें। वहीं, स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम के तहत वर्ष 2025-26 में 4,430 स्कूलों और 1,29,167 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया है। बयान में कहा गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, जियोस्पेशियल मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से मिट्टी के आकलन और किसानों को सलाह देने की सेवाएं अधिक प्रभावी हुई हैं। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता को मजबूत करने में मदद मिल रही है। सरकार के अनुसार, देश की 46 प्रतिशत से अधिक कार्यबल कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में कार्यरत है। ऐसे में मिट्टी का स्वास्थ्य सीधे तौर पर किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने टिकाऊ मिट्टी और भूमि प्रबंधन, जलवायु अनुकूल कृषि, प्राकृतिक खेती, सॉइल मैपिंग और डिजिटल कृषि पर विशेष जोर दिया है। बयान में कहा गया कि नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर (एनएमएसए) और नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (एनएमएनएफ) जैसी योजनाएं संसाधनों के बेहतर उपयोग और जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे रही हैं। वहीं, सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम मिट्टी की जांच के आधार पर किसानों को उचित पोषक तत्वों के इस्तेमाल संबंधी सलाह उपलब्ध कराती है। सरकार ने यह भी बताया कि नेशनल मिशन फॉर ए ग्रीन इंडिया, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम जैसी पहलें मिट्टी में जैविक कार्बन बढ़ाने और लंबे समय तक कार्बन भंडारण को मजबूत करने में मदद कर रही हैं।भारत की नेशनल डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन (एनडीसी) प्रतिबद्धताओं के तहत ग्रीन इंडिया मिशन (जीआईएम) का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 2.5 से 3.0 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक तैयार करना है। इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार, वर्ष 2005 से 2021 के बीच देश में 2.29 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक तैयार किया जा चुका है।

महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप: ई-बिक्स ग्रुप के चेयरमैन विकास गर्ग को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

एजेंसी
रायपुर। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में रायपुर की विशेष प्रवर्तन निदेशालय अदालत (पीएमएलए) ने ई-बिक्स ग्रुप के चेयरमैन विकास गर्ग को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। ईडी की 10 दिनों की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया था। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार विकास गर्ग ने 10 दिन की पूछताछ में ईडी के सामने कई बड़े राज खोले हैं। बताया जा रहा है कि विकास गर्ग का महादेव ऑनलाइन सट्टा के संचालक सौरभ चंद्राकर से घनिष्ठ संबंध रहा है। जांच एजेंसी को सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत दोनों की पत्नियों के बैंक खातों में पैसे जमा करवाने और महादेव ऑनलाइन सट्टे की काली रकम को वाइट मनी में परिवर्तित करने के सबूत मिले हैं। ईडी का आरोप है कि विकास गर्ग ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप और स्काई एक्सचेंज के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की अवैध सट्टेबाजी से अर्जित काली कमाई को अपनी शेल कंपनियों, लिस्टेड फर्मों और विदेशी निवेशों के माध्यम से वैध (व्हाइट मनी) बनाया।जांच में सामने आया है कि इस अवैध धन का उपयोग विदेशों में निवेश करने और लगभग 1,175 करोड़ रुपये में एक अमेरिकी तकनीकी कंपनी में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीदने के लिए किया गया था। 10 दिनों की गहन पूछताछ के दौरान ईडी को सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और उनके परिवारों के बैंक खातों में बड़ी रकम जमा किए जाने तथा वित्तीय लेनदेन से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और पुख्ता सबूत मिले हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, विकास गर्ग विकास इकोटेक लिमिटेड, विकास लाइफकेयर लिमिटेड और एराया लाइफस्पेसेस लिमिटेड के प्रमोटर हैं। ईडी का दावा है कि एराया लाइफस्पेसेस लिमिटेड के माध्यम से कथित अवैध धन का उपयोग कर ई-बिक्स कैश में 64 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की गई।

मेडिकल डिवाइस पीएलआई योजना में वित्त वर्ष 2024-25 तक 266.64 करोड़ रुपए जारी: जेपी नड्डा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 तक मेडिकल डिवाइस उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 266.64 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की है, जबकि मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के तहत 209.80 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में यह जानकारी दी। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में नड्डा ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्कों के लिए जारी किए गए 209.80 करोड़ रुपए में से 177.98 करोड़ रुपए का उपयोग पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मेडिकल डिवाइस उद्योग सुदृढ़ीकरण योजना (एसएमडीआई) के तहत आयात निर्भरता कम करने के लिए सीमांत निवेश योजना

(एमआईएस-आरआईडी) के अंतर्गत 101.50 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जबकि मेडिकल डिवाइस क्लस्टरों के लिए साझा सुविधाएं (सीएफएमडीसी) घटक के तहत 88.67 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

इनमें से अब तक 20.62 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने मेडिकल डिवाइसों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। इनमें उच्च स्तरीय और अत्यधिक सटीक उपकरणों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत हो सके। उन्होंने बताया कि मेडिकल डिवाइस पीएलआई योजना का कुल परिव्यय 3,420 करोड़ रुपए है। इसके तहत पात्र कंपनियों को चार लक्षित श्रेणियों में बढ़ी हुई बिक्री पर प्रोत्साहन दिया जाता है। इनमें कैंसर देखभाल एवं रेडियोथेरेपी, रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, एनेस्थेटिक्स, कार्डियो-रेस्पिरेटरी एवं रीनल केयर उपकरण और इम्प्लांट्स शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इस योजना के तहत अब तक 27 आवेदनों को मंजूरी दी गई है, जिनमें 14 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं। स्वीकृत परियोजनाओं के तहत कंपनियों ने 1,153.07 करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश किया है और देश में एमआरआई एवं सीटी स्कैनर, लिनियर एक्सेलेरेटर (एलआईएनएसी), मैमोग्राफी सिस्टम, सी-आर्म, अल्ट्रासाउंड उपकरण, हार्ट वाल्व और स्टेंट जैसे उत्पादों का घरेलू उत्पादन शुरू कर दिया है।

नड्डा ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क योजना का कुल परिव्यय 300 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना से 12 साल में 45,000 करोड़ की बचत

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि देशभर में अब तक 20,149 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। सरकार के मुताबिक, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के जरिए लोगों ने अब तक करीब 45,000 करोड़ रुपये की बचत की है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा में बताया कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के तहत लोगों ने ब्रांडेड दवाओं की तुलना में करीब 45,000 करोड़ रुपये की बचत की है। इससे परिवारों का दवाओं पर अपनी जेब से होने वाला खर्च काफी कम हुआ है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के तहत 2,110 तरह की दवाएं और 315 सर्जिकल सामान, चिकित्सा उपयोग की वस्तुएं और उपकरण उपलब्ध हैं। इनमें हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, संक्रमण, एलर्जी और पेट से जुड़ी बीमारियों की दवाओं के साथ-साथ पोषक पूरक (न्यूट्रास्यूटिकल्स) भी शामिल हैं।फिलहाल, देश के 784 में से 776 जिलों में यह योजना लागू है। लैब रिएजेंट और वैक्सीन को छोड़कर, 'राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची' में शामिल लगभग सभी जेनेरिक दवाएं इस प्रोडक्ट बास्केट में शामिल हैं। योजना के तहत जन औषधि केंद्रों को आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली 200 दवाओं का स्टॉक रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें सबसे ज्यादा मांग वाली 100 दवाएं और बाजार में तेजी से बिकने वाली 100 दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने पर जन औषधि केंद्र संचालकों को हर महीने प्रोत्साहन राशि दी जाती है।पीएमबीजेपी योजना को लागू करने वाली एजेंसी 'फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया' (पीएमबीआई), जन औषधि केंद्रों के बिक्री प्रदर्शन के आधार पर लगातार उनका मूल्यांकन करती है।

बयान के अनुसार, योजना की समीक्षा और इसके बेहतर संचालन से पता चलता है कि पीएमबीजेपी ने जन औषधि केंद्रों के बढ़ते नेटवर्क के जरिए देशभर में सस्ती और अच्छी गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.16 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में कहा कि 17

जुलाई को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 551.06 अरब डॉलर हो गई है। इस हफ्ते में स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.48 अरब डॉलर घटकर 101.75 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.67 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष भी 3.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा है।आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा फेसलिफ्ट में मिलेगा बड़ा बदलाव, 1.5 लीटर इंजन के साथ आएगा 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स

एजेंसी
नई दिल्ली। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा के नए फेसलिफ्ट मॉडल के साथ एक बड़ा तकनीकी बदलाव करने जा रही है। आधिकारिक लॉन्च से पहले सामने आए भारत एनकैप के दस्तावेज़ों ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि नई ब्रेज़ा कंपनी की पहली यात्री कार होगी, जिसमें 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। अब तक कंपनी के इस इंजन के साथ केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स ही उपलब्ध कराया जाता था। ऐसे में यह बदलाव न केवल ब्रेज़ा के लिए, बल्कि मारुति सुजुकी की पूरी यात्री वाहन श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पहली बार मिलेगा 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स

भारत एनकैप की सूची के अनुसार नई ब्रेज़ा को कई पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा। इसमें मौजूदा 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। इसके अलावा कंपनी पहली बार इस एसयूवी में 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी पेश करेगी, जिसे केवल 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

यह बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि अब तक मारुति सुजुकी की 1.5 लीटर और 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन वाली सभी मैनुअल कारों में 5-स्पीड गियरबॉक्स ही दिया जाता था। ग्रैंड विटारा, जिम्नी और अन्य मॉडलों में भी यही व्यवस्था देखने को मिलती है। नई 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का सबसे बड़ा लाभ राजमार्ग पर चलने वाले ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। अतिरिक्त गियर के कारण ऊंची गति पर इंजन का दबाव कम रहेगा, जिससे वाहन अधिक सहज तरीके से चलेगा। इसके साथ ही ईंधन की खपत में भी सुधार होने की संभावना जताई जा रही है। गियर अनुपात पहले की तुलना में अधिक संतुलित होने से वाहन की ड्राइविंग क्षमता भी बेहतर हो सकती है।

किन वैरिएंट्स में मिलेगा नया गियरबॉक्स

भारत एनकैप के दस्तावेज़ों के अनुसार 1.5 लीटर इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स को एलएक्सआई, वीएक्सआई, जेडएक्सआई और जेडएक्सआई प्लस वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स को वीएक्सआई, जेडएक्सआई और जेडएक्सआई प्लस वैरिएंट्स में पेश किया जाएगा।

नई 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी कई वैरिएंट्स में उपलब्ध होगी और इसे केवल 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जाएगा। इससे प्रदर्शन पसंद करने वाले ग्राहकों को एक नया विकल्प मिलेगा। नई ब्रेज़ा ने भारत एनकैप की क्रैश जांच में भी शानदार प्रदर्शन किया है। एसयूवी को वयस्क और बाल यात्रियों दोनों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। वयस्क यात्रियों की सुरक्षा श्रेणी में इसे 32 में से 30.41 अंक, जबकि बाल यात्रियों की सुरक्षा श्रेणी में 49 में से 43 अंक मिले हैं। यह उपलब्धि मारुति सुजुकी के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ब्रेज़ा कंपनी का तीसरा ऐसा मॉडल बन गया है, जिसने भारत एनकैप से 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी अब सुरक्षा पर पहले की तुलना में अधिक ध्यान दे रही है। फेसलिफ्ट मॉडल के साथ ब्रेज़ा में पहली बार 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी शामिल किया जाएगा। यह तीन सिलेंडर वाला इंजन लगभग 100 बीएचपी की शक्ति और 148 न्यूटन मीटर टॉर्क उत्पन्न करता है। माना जा रहा है कि यह इंजन उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर लाया जा रहा है, जो बेहतर प्रदर्शन वाली एसयूवी चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यही इंजन पहले से कंपनी की फ्रॉन्क्स में उपलब्ध है, लेकिन वहां इसे 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नई ब्रेज़ा इस इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स पाने वाली कंपनी की पहली यात्री कार होगी।

संक्षिप्त

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सचिन सिवाच ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

ग्लासगो, एजेंसी। भारत के स्टार मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए शनिवार को पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में प्रवेश कर लिया।टॉप्स कोर समूह के खिलाड़ी सचिन ने कनाडा के केओमा अल-अहमादीह को 4-1 के विभाजित फैसले (स्प्लिट डिसीजन) से हराया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अंतिम राउंड में कनाडाई मुक्केबाज ने जोरदार वापसी की और तीन जजों से 10 अंक हासिल किए, जबकि सचिन को दो जजों ने 10 अंक दिए। हालांकि पूरे मुकाबले के आधार पर चार जजों ने 29-28, 30-27, 29-28 और 29-28 के स्कोर से सचिन को विजेता घोषित किया। वहीं, एक जज ने 29-28 के अंतर से कनाडाई मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया।

भारतीय टीम में चयन सपना सच होने जैसा : यश ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए पहली बार भारतीय टी20 टीम में चयन को अपने करियर का सबसे यादगार पल बताते हुए कहा कि देश के लिए खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है और भारतीय जर्सी पहनना उनके वर्षों की मेहनत का फल है। उन्होंने भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी की भी जमकर तारीफ करते हुए उन्हें गेंदबाजों का कप्तान बताया। विदर्भ और पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को जिम्बाब्वे दौरे के लिए पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। उनके साथ अशोक शर्मा को भी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। हालांकि यश को अभी तक भारतीय टीम से पदार्पण का मौका नहीं मिला है। जियोस्टार से बातचीत में यश ने बताया कि उन्हें अपने चयन की जानकारी नागपुर पहुंचने पर मिली।

विश्व जूनियर स्क्वैश के फाइनल में पहुंचीं अनाहत सिंह

ओंटारियो (कनाडा), एजेंसी। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। वह वर्ष 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

शुक्रवार को खेले गए महिला एकल सेमीफाइनल में दिल्ली की अनाहत ने मिस्र की तीसरी/चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब सामेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत पिछले वर्ष इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने में सफल रही थीं। अब वह विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। यदि वह फाइनल जीतती हैं तो ऐसा करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगी।

सोनम और इलावेनिल विश्व कप में पदक से चूकीं

हांगझोउ, एजेंसी। भारत की सोनम उत्तम मस्कर और ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन ने शनिवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन पदक जीतने से चूक गईं। सोनम पांचवें और इलावेनिल छठे स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भारत को कोई पदक नहीं मिला। इससे प्रतियोगिता में भारत के खाते में अब तक केवल एक रजत पदक है जो शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में संयम ने जीता था। नई दिल्ली में आयोजित 2024 आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल की रजत पदक विजेता सोनम ने क्वालिफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 634.3 अंक हासिल किए और चीन की डू यूचेन (634.4) के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

अय्यर की कप्तानी में भारत ने जीती पहली सीरीज

वैभव सूर्यवंशी फेल, फिर भी भारत ने जिम्बाब्वे को 90 रनों से हराया

- **अभिषेक शर्मा ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए**
- **ईशान किशन ने 81 और तिलक वर्मा ने 60 रन बनाए**

हरारे, एजेंसी।

भारतीय टीम ने शनिवार को जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मैच में 90 रनों से करारी शिकस्त दी। श्रेयस की कप्तानी में भारत को लगातार दो मैचों में जीत मिली है। जोकि टीम के आत्मविश्वास के लिए काफी जरूरी भी था। क्योंकि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली लगातार हार ने टीम के खिलाड़ियों का मनोबल तोड़ दिया था। भारत को लगातार 6 मैच में हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद श्रेयस अय्यर को अपने आठवें प्रयास में बतौर कप्तान पहली जीत मिली थी। इससे पहले भारत ने पहले टी20 मैच में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया था।

भारत ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। जीत के लिए 220 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत आक्रामक रही, लेकिन नौ ओवर के भीतर पांच विकेट गंवाने के बाद उसकी हार लगभग तय हो गई। पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 219 रन बनाए थे। इस जीत के साथ भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने आयरलैंड (0-2) और इंग्लैंड (0-4) में लगातार दो सीरीज में मिली हार के बाद पहली बार बतौर कप्तान सीरीज जीत दर्ज की।

तिलक ने जिम्बाब्वे के प्रमुख तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। उन्होंने इवांस की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर शानदार छक्का भी जड़ा। भारतीय बल्लेबाजों ने अंतिम पांच ओवरों में 61 रन जोड़कर टीम को 219 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इससे पहले भारत को शुरुआती झटके अभिषेक शर्मा (आठ) और वैभव सूर्यवंशी (20) के रूप में लगे।

जिम्बाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों में 32 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज यश ठाकुर पर छक्का और चौका जड़ा, लेकिन अगली ही कोशिश में विकेटकीपर किशन ने उनका कैच लपक लिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। रेयन बर्ल (20) और तादिवानाशे मारुमनी (24) कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन भारतीय आक्रमण के सामने कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। अभिषेक शर्मा ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि पदार्पण कर रहे यश ठाकुर (30 रन पर दो विकेट) और प्रिंस यादव (10 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट झटके। तिलक और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

ईशान किशन-तिलक वर्मा ने खेली दमदार पारियां

इस जीत की नींव भारत की दमदार बल्लेबाजी ने रखी।पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण मिलने पर भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 रन के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए।'प्लेयर ऑफ द मैच' किशन ने इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन और फिर तिलक के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा।किशन ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 31 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद अगली 31 रन केवल 13 गेंदों में बनाकर रन गति को तेज कर दिया।उनकी पारी की खासियत लेग साइड पर लगाए गए दमदार शॉट रहे।उन्होंने ऑफ स्पिनर बेनेट की गेंदों पर मिडविकेट क्षेत्र में लगातार दो चौके जड़े, जबकि तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस के ओवर में दो चौके और एक शानदार छक्का लगाकर दबाव बनाया।

भारत ने 9वीं बार बनाया 200 से अधिक का स्कोर

भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 219/5 का स्कोर बनाया।टीम इंडिया ने एक कैलेंडर ईयर में 9वीं बार टी20 क्रिकेट में 200+ का आंकड़ा छुआ है।इसी के साथ भारत ने कैलेंडर ईयर में टी20 क्रिकेट के दौरान सबसे ज्यादा बार इस आंकड़े को छूने के मामले में अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

इससे पहले, टीम इंडिया ने साल 2024 में 9 बार टी20 क्रिकेट में यह आंकड़ा छुआ था।साल 2023 में भारत ने 7 बार ऐसा किया।जापान (साल 2024) और ऑस्ट्रिया (साल 2025) की टीमें 7-7 बार ऐसा कर चुकी हैं।इंग्लैंड (साल 2022), साउथ अफ्रीका (साल 2022) और वेस्टइंडीज (साल 2024) ने ऐसा 6-6 बार किया।

शनिवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 219 रन बनाए।टीम इंडिया ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे।इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने ईशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की।

अरबपति बॉस्केटबॉल खिलाड़ी वोदका चुराने के आरोप में गिरफ्तार

कोलोराडो, एजेंसी।

अपने एनबीए करियर के दौरान 60 मिलियन डॉलर (लगभग 500 करोड़ रुपये) से अधिक की कमाई करने वाले अमेरिका की प्रसिद्ध बास्केटबॉल टीम 'डेनवर नगेट्स' के पूर्व पॉइंट गार्ड टाइ लॉसन को 34 डॉलर (लगभग 2800 रुपये) की वोदका की बोतल चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

38 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी को कोलोराडो की कैसल रॉक पुलिस ने 16 जुलाई की शाम एक शराब की दुकान से कथित चोरी के मामले में हिरासत में लिया। पुलिस की जारी तस्वीर में वे जेल के कपड़ों में शांत खड़े नजर आ रहे हैं।

गिरफ्तारी रिपोर्ट के अनुसार, शराब दुकान के कर्मचारी ने लॉसन पर नशे की हालत में वोदका की बोतल चुराकर पास के रेस्तरां में ले जाने का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उन्हें पकड़ा तो उनसे शराब की तेज गंध आ रही थी। हिरासत के दौरान लॉसन ने पुलिस अधिकारियों के साथ बेहद अभद्र व्यवहार किया, उन्हें अपशब्द कहे और जेल की कांच की दीवार पर लातें मारीं। बाद में शांत होने पर उन्होंने अपने इस व्यवहार के लिए पुलिस से माफी भी मांगी। इस पूरी घटना के बाद लॉसन ने 'एक्स' पर इसे नस्लीय भेदभाव करार दिया। उन्होंने लिखा कि अमेरिका में अश्वेत होना बेहद कठिन है और कैसल रॉक क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई गई है और यह उनके जीवन का सबसे नस्लवादी अनुभव था। 2023 में संन्यास लेने से पहले टाइ लॉसन एनबीए की पांच टीमों के लिए खेल चुके हैं।

यूपी टी 20 लीग : सबसे महंगे खिलाड़ी रहे शिवम चौधरी

आगरा, एजेंसी। यूपी टी 20 लीग सीज़न 4 के प्लेयर ऑक्शन के शुरुआती दौर में ज़बरदस्त बोली-प्रक्रिया देखने को मिली, जिसमें शिवम चौधरी सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे। लखनऊ फाल्कन्स और कानपुर सुपरस्टार्ज़ के बीच कड़ी टक्कर के बाद 'गौर गोरखपुर लायंस' ने उन्हें 21 लाख रुपये में साइन किया। चौधरी 5 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ ऑक्शन में शामिल हुए थे।

इस मौके पर बोलते हुए, यूपी टी 20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने लीग के विज़न और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,"यूपी टी 20 लीग हमारे लिए कभी भी सिर्फ़ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं रही है। शुरुआत से ही हमारा विज़न उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए अवसर पैदा करना और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक मंच देना रहा है।

आईसीसी ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 8 टीमों की एंट्री पक्की की

वेस्टइंडीज फिर क्वालिफायर खेलने को मजबूर

- **नामीबिया पहली बार वनडे वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी करेगा, 14 टीमें लेंगी हिस्सा**

दुबई, एजेंसी।

आईसीसी ने 2027 पुरुष वनडे वर्ल्ड कप के लिए अब तक क्वालिफाई करने वाली आठ टीमों की पुष्टि कर दी है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड ने आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस बार कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि बाकी छह स्थानों का फैसला 30 सितंबर 2026 की कट-ऑफ तारीख तक रैंकिंग और क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए होगा।

इस बार नामीबिया पहली बार वनडे वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट के कुल 54 मुकाबलों में 44 मैच दक्षिण अफ्रीका, जबकि जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच-पांच मैच खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग, प्रिटोरिया, केपटाउन, डरबन, गकेबेरहा, ब्लोमफोंटेन, ईस्ट लंदन और पार्ल प्रमुख मेजबान शहर होंगे।

अफगानिस्तान और बांग्लादेश फिलहाल आठवें और नौवें स्थान पर हैं। अगर अफगानिस्तान अपनी रैंकिंग बरकरार रखता है या उसमें सुधार करता है, तो वो सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर जाएगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश को टॉप-8 में जगह बनाने के लिए अपनी रैंकिंग बेहतर करनी होगी, अन्यथा उसे भी क्वालिफायर का सामना करना पड़ेगा।

वेस्टइंडीज की बढ़ी मुश्किलें

दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज की स्थिति एक बार फिर मुश्किल हो गई है।टीम फिलहाल आईसीसी वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और लगभग तय माना जा रहा है कि उसे मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए क्वालिफायर खेलना पड़ेगा।न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज हार के बाद वेस्टइंडीज टॉप-8 से बाहर हो गई।

2027 वर्ल्ड कप का फॉर्मेट भी बदला हुआ होगा। तीन सबसे निचली रैंकिंग वाली क्वालिफाई टीमें पहले सुपर सीरीज खेलेंगी। इसके बाद ग्रुप स्टेज, सुपर-7, सेमीफाइनल और फाइनल के जरिए विश्व चैंपियन का फैसला होगा।

युवा हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप

पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

मस्कट (ओमान), एजेंसी।

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले भारत ने मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी।

वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन से मिली हार के बाद दमदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से रौंद दिया और अब सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से भिड़ेगी।

पुरुष वर्ग के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल (8वें मिनट), करण गौतम (10वें मिनट) और कप्तान केतन कुशवाहा (10वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में प्रह्लाद राजभर (12वें मिनट) ने बढ़त 4-0 कर दी। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान (12वें और 15वें मिनट) तथा कप्तान अदील (17वें मिनट) ने गोल किए, लेकिन शाहरुख अली (16वें मिनट), राहुल यादव (18वें मिनट) और केतन कुशवाहा (20वें मिनट) के गोलों ने भारत की 7-3 की यादगार जीत सुनिश्चित कर दी।

इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 10-1 से हराया। भारत ने पहले हाफ में ही 6-0 की बढ़त बना ली थी। शाहरुख अली और केतन कुशवाहा ने दो-दो गोल किए, जबकि करण गौतम और प्रह्लाद राजभर ने भी एक-एक गोल दागा। दूसरे हाफ में कुशवाहा ने अपने चार गोल पूरे किए, जबकि गौतम और राजभर ने भी दूसरा गोल किया। ओमान की ओर से एकमात्र गोल खजराज सुबैत अल-मशराफी ने किया।

ग्लासगो पहुँचे नीरज चोपड़ा

ग्लासगो, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ग्लासगो पहुँच गए हैं, जहाँ सोमवार से एथलेटिक्स इवेंट्स शुरू होने वाले हैं।

दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट गुरुवार को पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) इवेंट में हिस्सा लेंगे। गोल्ड कोस्ट 2018 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, वे अब कॉमनवेल्थ गेम्स में एक और मेडल अपने नाम करने की कोशिश करेंगे।

एटलेटिको मैड्रिड ने पेरिस सेंट-जर्मेन से ली कांग-इन को साइन किया

मैड्रिड, एजेंसी।

स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड ने शनिवार को साउथ कोरिया के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर ली कांग-इन के साथ अनुबंध की आधिकारिक घोषणा कर दी। ली कांग-इन फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से एटलेटिको मैड्रिड में शामिल हुए हैं।

एटलेटिको ने इस गर्मी में अब तीन खिलाड़ियों को साइन किया है, जिसमें स्पेन के लेफ्ट-बैक एलेक्स ग्रिमाल्डो और डेनमार्क के मिडफील्डर मोर्टन हुल्मंड शामिल हैं।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 25 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2031 के अंत तक एटलेटिको के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह करीब 40 मिलियन यूरो (करीब 45.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की कीमत पर 'ला लीगा' में वापसी कर रहे हैं।

एटलेटिको मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट ने कहा, "25 वर्षीय प्रतिभाशाली बाएं पैर के मिडफील्डर, अटैकिंग मिडफील्डर या किसी भी विंग पर खेल सकते हैं, उन्हें अपने नजरिए, बेहतरीन बॉल कंट्रोल, पासिंग और शूटिंग क्षमता के लिए पहचाना जाता है।

19 फरवरी 2001 को साउथ कोरिया स्थित इंचियोन में जन्मे कांग-इन ली महज 10 साल की उम्र में वालेंसिया सीएफ यूथ एकेडमी में शामिल हुए थे। कांग ने 30 अक्टूबर 2018 को कोपा डेल रे मैच में अपनी पहली टीम के लिए डेब्यू किया, उन्होंने उस सीजन में टूर्नामेंट जीता और इस दौरान छह कप मैच खेले। विंगर ने अगस्त 2021 में मलोरका जाने से पहले वालेंसिया की तरफ से 62 मैच खेले। पाल्मा में, वह लुइस गार्सिया प्लाजा और जेवियर एगुइरे की टीम में एक अहम खिलाड़ी थे, जिन्होंने 2023 की गर्मियों में पीएसजी के लिए साइन करने से पहले दो सीजन में 73 मैच खेले।

कांग ने पेरिस की टीम के लिए 124 मुकाबले खेलते हुए 16 गोल करने के साथ 16 असिस्ट दिए, उन्होंने दो चैंपियंस लीग, एक यूईएफए सुपर कप और एक इंटरकांटिनेंटल कप के साथ-साथ तीन लीग 1 खिताब, दो फ्रेंच कप और दो फ्रेंच सुपर कप जीते।

राष्ट्रमंडल खेल | **झंडू कुमार को उनके सर्वश्रेष्ठ सफल प्रयास के आधार पर 130.9 अंक मिले**

झंडू कुमार ने दिलाया भारत को पहला पदक, पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

ग्लासगो, एजेंसी।

भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अपना पदक खाता खोल दिया है। भारतीय पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शुक्रवार देर रात पुरुषों के हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश को खेलों का पहला पदक दिलाया।

ग्रुप-बी में प्रतिस्पर्धा करते हुए झंडू कुमार ने पहले प्रयास में 181 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 190 किलोग्राम वजन उठाकर अपनी स्थिति मजबूत की। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम वजन उठाने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके।

72.4 किलोग्राम शरीर भार वाले झंडू कुमार को उनके सर्वश्रेष्ठ सफल प्रयास के आधार पर 130.9 अंक मिले। वह ग्रुप-बी में पहले स्थान पर रहे। अंतिम परिणाम ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के खिलाड़ियों के अंकों को शरीर के वजन और सफल लिफ्ट के आधार पर मिलाकर तैयार किए गए, जिसमें झंडू तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया।

नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 132.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 131.0 अंक हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। झंडू कुमार महज 0.1 अंक के अंतर से रजत पदक से चूक गए।

भारतीय खिलाड़ी ने मलेशिया के निकोडेमस मंगोई मोसेस (120.3 अंक) को पीछे छोड़ते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं, भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर, जिन्होंने ग्रुप-ए में हिस्सा लिया, ने 182 किलोग्राम और 183 किलोग्राम के सफल प्रयास किए। हालांकि उनका तीसरा प्रयास 211 किलोग्राम पर असफल रहा। कुल 114.1 अंक के साथ वह पदक जीतने से चूक गए।

झंडू कुमार के कांस्य पदक के साथ भारत ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।

दूसरे दिन पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार के मुकाबलों के बाद ऑस्ट्रेलिया 12 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए।

नाइजीरिया छह पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।उसके खाते में तीन स्वर्ण और तीन रजत पदक हैं।नाइजीरिया ने पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए दो स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत दोनों पदक जीते।मेजबान स्कॉटलैंड चार पदकों (दो स्वर्ण और दो रजत) के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड सात पदक जीतने के बावजूद स्वर्ण पदकों की कम संख्या के कारण चौथे स्थान पर है।इंग्लैंड के खाते में एक स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक हैं।

भारत ने भी दूसरे दिन अपना पदक खाता खोल लिया।पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हैवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत को राष्ट्रमंडल खेल 2026 का पहला पदक दिलाया।इस उपलब्धि के साथ भारत फिलहाल पदक तालिका में नौवें स्थान पर है।

चैड ले क्लोस राष्ट्रमंडल खेलों के सबसे सफल पुरुष खिलाड़ी बने, जीता 19वां पदक

ग्लासगो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के स्टार तैराक चैड ले क्लोस ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में इतिहास रच दिया है। पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। शुक्रवार को ग्लासगो में आयोजित इस स्पर्धा में पीटर कोएट्ज़े, गाय ब्रूक्स, रुआर्ड वान रेनेन और चैड ले क्लोस की दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 3 मिनट 13.99 सेकेंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही ले क्लोस के राष्ट्रमंडल खेलों में कुल पदकों की संख्या 19 हो गई।

डायबिटीज के मरीज जरूर खाएं ये स्प्राउट्स ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल

डायबिटीज में ज्यादातर लोग यह सोचकर परेशान रहते हैं कि क्या खाना चाहिए? और क्या नहीं खाना चाहिए.ऐसे बहुत से डायबिटीज के मरीज हैं जो हमेशा ब्लड शुगर बढ़े रहने की वजह से परेशान रहते हैं. ऐसे में आपको अपनी डाइट में स्प्राउट्स को शामिल करना चाहिए. बता दें स्प्राउटस में फाइबर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो मेटाबोलिज्म को ठीक करते हैं और ब्लड शुगर को तेजी से कम करते हैं.ऐसे में हम यहां आपको बताएंगे कि आपको रोजाना किन स्प्राउट्स को अपनी डाइज में शामिल करना चाहिए. चलिए जानते हैं.

अंकुरित मूंग-

मूंग के फायदे के बारे में हम से ज्यादातर लोग जानते हैं. पर क्या आपको पता है कि डायबिटीज में अंकुरित मूंग खाना कितना फायदेमंद है? बता दें मूंग में विटेक्सीन और आइसोविटेक्सीन नाम के कुछ एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि ब्लड शुगर लेवल को ही कर सकते हैं. इसके साथ ही अंकुरित मूंग में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा भी ज्यादा होती गै जो आपको पचान को सही रखता है.

अंकुरित सोयाबीन-

अंकुरित सोयाबीन बहुत से लोगों को स्वाद में खराब लगता है. लेकिन यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है. सोयाबीन में प्रोटीन,फाइबर, मिनरल्स और फआइटोएस्ट्रोजन्स होते हैं जो कि पेट के साथ दिल के लिए भी फायदेमंद है. वहीं अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं को अंकुरित सोयाबीन आपके लिए बहुत फायदेमंद है. इसलिए आप इसका रोजाना सेवन कर सकते हैं.

अंकुरित चना-

अंकुरित चने के बारे में हर कोई जानता है.इसे लगभग हर घर में सलाद के रूप में या फिर गुड़ के साथ खाया जाता है. लेकिन क्या आपको पता है कि अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आप रोजाना अंकुरित चने का सेवन करें.बता दें इसमें कार्ब कम होता है. साथ ही प्रोटीन का अनुपात थोड़ा अधिक होता है. जो कि डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है।

शराब पीने से ज्यादा खतरनाक है खानपान की खराब आदत

"खराब आहार के कारण कैंसर के मामलों की संख्या उतनी ही होती है, जितनी कि संयुक्त राज्य अमेरिका में शराब के सेवन से होती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि खराब आहार 38 कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों से जुड़ा था,जब आप अपने कैंसर के जोखिम को कम करना चाहते हैं, तो यह ध्यान देने वाली सबसे महत्वपूर्ण आदतों में से एक हो सकती है।"

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कैंसर दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। अकेले 2015 में, दुनिया में 8.8 मिलियन मौतें कैंसर के कारण हुईं। कैंसर से होने वाली मौतों में से एक तिहाई के लिए सिर्फ इन 5 मुख्य कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया ङ्क हाई बॉडी मास इंडेक्स, फलों और सब्जियों का सेवन कम करना, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू का उपयोग और शराब का सेवन। इतना ही नहीं, आपका खानपान भी आपके समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है, इतना ही नहीं यह कई बीमारियों का कारण भी बन सकता है। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी खाने की आदतें कैंसर का कारण बन सकती हैं? यकीनन कभी नहीं सोचा होगा, तो चलिये पता करते हैं इसके बारे में सब कुछ।

इस बारे में क्या कहते हैं अध्ययन

डबल्यूएचओ के अनुसार कैंसर के सभी मामलों में से 30 मामलों का संबंध खराब खान-पान की आदतों से होता है। इसलिए इसे रोका जा सकता है। 70 जठरांत्र संबंधी कैंसर का कारण खराब आदतें हैं। जीवन भर स्वस्थ वजन बनाए रखना कैंसर से बचाव के सबसे महत्वपूर्ण तरीकों में से एक हो सकता है।

टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के अध्ययन में पाया गया कि खराब आहार के कारण कैंसर के मामलों की संख्या उतनी ही होती है, जितनी कि संयुक्त राज्य अमेरिका में शराब के सेवन से होती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि खराब आहार 38 कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों से जुड़ा था,

अनहेल्दी खाने की आदतें

जब आप अपने कैंसर के जोखिम को कम करना चाहते हैं, तो यह ध्यान देने वाली सबसे महत्वपूर्ण आदतों में से एक हो सकती है। पोषक तत्वों से भरपूर फलों और सब्जियों से भरपूर आहार लें और रेड मीट और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें। सोडा और आर्टीफिशियल स्वीटनर से बचें, और जब संभव हो तो पानी पिएं।

शराब पीना

अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करने से कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा, शराब को लिवर की बीमारी, उच्च रक्तचाप और चिंता और अवसाद का कारण माना जाता है। यदि संभव हो तो शराब का सेवन बंद कर दें या कम मात्रा में पिएं।

ओरल हेल्थ का ख्याल न रखना

ब्रश करना और फ्लॉसिंग करना दांतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के जर्नल के एक अध्ययन ने सुझाव दिया कि मसूड़ों की बीमारी से फेफड़े और कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा 24त्न बढ़ जाता है।

मगर आप चिंता न करें, क्योंकि इन सब आदतों को ठीक करने से कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।

हेयर वॉश करने का टाइम नहीं, तो ड्राई शैम्पू है बेहतर

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आपके बाल गंदे हों, लेकिन आपको धोने का समय न मिल हो। या आप किसी ऐसी जगह फंस गई हों जहां आप बाल न धो पाएं, क्योंकि पानी की कमी है। कभी - न -कभी यह सिचुएशन हर महिला के साथ आती है, लेकिन तब हमारे पास बाल धोने के अलावा और कोई चारा नहीं होता है ।ड्राई शैम्पू जिसे हाइब्रिड शैम्पू के रूप में जाना जाता है, एक प्रकार का शैम्पू है जो पानी की आवश्यकता के बिना बालों की चिकनाई को कम करता है। यह पाउडर के रूप में होता है, बिल्कुल किसी स्प्रे की तरह। ड्राई शैम्पू अक्सर कॉर्न स्टार्च या राइस स्टार्च से बना होता है ।इस शैम्पू के पाउडर बालों में सीबम को अवशोषित करने के लिए होते हैं, जो तेल के अधिक उत्पादन होने पर बालों को चिकना या ग्रीसी रूप दे सकता है। ड्राई शैम्पू बालों को सिर्फ ऊपर से धुला हुआ दिखा सकता है, ल्कें अंदर से बाल गंदे ही रहते हैं जबतक कि आप इन्हें सही से धो नहीं लेती हैं ।अपने बालों को रोजाना धोना, ब्लो-ड्राई (क्च्च्श्2-स्नह्र4) करना और स्टाइल करन, यह बहुत ही समय लेने वाले काम हैं। साथ ही, यह आपके बालों के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यहीं से ड्राई शैम्पू की जरूरत महसूस होने लगती है।

ड्राई शैम्पू आपके बालों से तेल और पसीने को सोखने के लिए अल्कोहल या स्टार्च-आधारित सक्रिय अवयवों का उपयोग करता है। बालों से तेल हटाने से बाल साफ नजर आते हैं। अधिकांश ड्राई शैंपू में एक सुगंध भी शामिल होती है, जो आपके बालों को एक फ्रेश लुक देती है।

जो लोग अपने बालों को समय नहीं दे पाते हैं, उनके लिए ड्राई शैम्पू लिक्विड शैम्पू से बहुत अच्छा है।

तो चलिये जानते हैं क्या है ड्राई शैम्पू इस्तेमाल करने का सही तरीका ऱ

स्टेप 1. ड्राई शैम्पू को बालों से चार से छह इंच की दूरी पर पकड़ें और सीधे जड़ों पर स्प्रे करें। इसे धीरे - धीरे स्प्रे करें ताकि बालों में यह ज़्यादा न लग जाए ।स्टेप 2. अपनी उंगलियों का उपयोग करके, शैम्पू से जड़ों और स्कैल्प में मालिश करें। ताकि तेल-अवशोषित हो सके।

प्रो टिप ऱ ड्राई शैम्पू लगाने के बाद, ब्लो-ड्रायर लें और बालों में वॉल्यूम बनाने में मदद करने के लिए अपनी जड़ों को ठंडी हवा दें।

स्टेप 3. ब्रश या कंघी से बालों को चिकना करें, या फिर से स्टाइल करने के लिए अपने गर्म उपकरणों को पकड़ें।

ड्राई शैम्पू के ढेर सारे फायदे होते हैं, लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल समस्या पैदा कर सकता है। बहुत अधिक उत्पाद खोपड़ी पर अवशेषों का निर्माण छोड़ सकते हैं, बालों के रोम को बंद कर सकते हैं और बालों के विकास को सीमित कर सकते हैं। इसलिए ज्यादातर ड्राई शैंपू को हेयर वॉश के बीच में सिर्फ एक बार ही इस्तेमाल करना चाहिए।

इन पत्तों के उपयोग से हार्ट अटैक का रिस्क होगा कम

"नीम के पत्तों का उपयोग कुष्ठ रोग के लिए भी किया जाता है. इसके इस्तेमाल आंखों की रोशनी भी तेज होती है. इसके अलावा आंतों के कीड़े, पेट की ख़राबी, भूख न लगना, त्वचा के अल्सर जैसी बीमारी भी खत्म हो जाती है.

कुछ पत्तों के इस्तेमाल करने से तमाम तरह के रिस्क कम हो जाते है. कुछ ऐसा ही नीम के पत्तो के साथ होता है. नीम के बारे में तो सभी जानते होंगे. इस पत्ते का उपयोग अधिकतर गर्मियों में किया जाता है. इससे न सिर्फ हार्ट हेल्थी रहता है बल्कि कई प्रकार की बीमारियां भी आपसे दूर रहती है. जानते हैं इसके अलावा नीम के पत्ते के क्या-क्या फायदे हैं.

नीम के पत्तों से ये भी होंगे फायदे

नीम के पत्तों का उपयोग कुष्ठ रोग के लिए भी किया जाता है. इसके इस्तेमाल आंखों की रोशनी भी तेज होती है. इसके अलावा आंतों के कीड़े, पेट की ख़राबी, भूख न लगना, त्वचा के अल्सर जैसी बीमारी भी खत्म हो जाती है.

ऐसे करें नीम के पत्तों का उपयोग

- आप नीम के पत्तों क उबाल कर उसके पानी का सेवन कर सकते हैं. इसके अलावा नीम के पत्तों की चाय भी पी सकते हैं. हालांकि, ये आपको कड़वी लगेगी, लेकिन इसके फायदे मिलने के बाद आपको इसको अपनी डाइट में शामिल करने पर मजबूर हो जाएंगे.

- इसके अलावा जिन लोगों को स्किन संबंधित दिक्कत है वह भी नीम के पत्तों का उपयोग कर सकते हैं. इसके लिए पानी में नीम के पत्तों के डालकर आप नहा सकते हैं. इससे स्किन पर हुई किसी भी तरह की एलर्जी को खत्म किया जा सकता है।

सन डैमेज के दुष्प्रभाव को इस तरीके से कर सकते हैं

बचपन से ही हमारे माता पिता हमें सर्दियों में अक्सर धूप खिलाने ले जाते थे। गर्मियों में भी सुबह-सुबह धूप में बैठने के कई फायदे होते हैं। धूप हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छी है और विटामिन डी प्रदान करती है। साथ ही, यह हमारे मन को भी ऊर्जा से भर देती है। मगर धूप में ज़्यादा देर बैठने के कई नुकसान भी हैं, जैसे सन डैमेज। त्वचा पर यूवी किरणों के प्रभाव इस प्रकार हैंः

1. **टैनिंग** : यह सबसे बुनियादी प्रभाव है जिसमें सूर्य के संपर्क में आने पर त्वचा का रंग बदलने लगता है। साथ ही, गहरे रंग के पैच भी पड़ जाते हैं जो बिना ट्रीटमेंत के दूर नहीं होते हैं।

2. **सनबर्न** : सूरज के लंबे समय तक संपर्क में आने पर त्वचा पर छाले पड़ जाते हैं। साथ ही, लाल ङ्क लाल धब्बे भी बनने लगते हैं, जिनमें खुजली भी हो सकती है।

3. **झाईयां** : ये छोटे लाल से भूरे रंग के धब्बे होते हैं जो सूर्य के संपर्क वाले क्षेत्रों पर बनते हैं।

4. **मेलाज़्मा** : ये गाल, नाक और माथे पर दिखाई देने वाले भूरे रंग के धब्बे होते हैं।

5. **एजिंग** : त्वचा के नीचे कोलेजन और इलास्टिन में डैमेज या कमी के कारण स्किन एजिंग होने लगती है। इससे फाइन लाइन्स और झुर्रियां आने लगती हैं। यूवी किरणें सीधे कोलेजन और इलास्टिन के स्तर को प्रभावित करती हैं।

6. **एलर्जी प्रतिक्रियाएं** : ये त्वचा के सूर्य के संपर्क वाले क्षेत्र पर छोटे लाल या त्वचा के रंग के पैच के रूप में देखे जाते हैं।

7. **त्वचा और केशिकाओं का पतला होना** : इस मामले में त्वचा के नीचे की रक्त वाहिकाएं अधिक प्रमुख हो जाती हैं।

8. **त्वचा कैंसर** : स्किन कैंसर जेनेटिक भी हो सकता है। मगर यह सन डैमेज की वजह से भी हो सकत है।

डॉ सहेता कहती हैं, खुद को धूप से बचना ही यूवी किरणों से बचने का एक मात्र तरीका है। इसलिए, धूप में बाहर निकलने से पहले अपने शरीर को कॉटन के कपड़े से ढकें। साथ ही, कुछ बातों का ध्यान रखें ऱ

डॉ सहेता सलाह देती हैं कि, ﭏघर से निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं और यदि लगातार धूप में बाहर निकलें तो हर चार से पांच घंटे में इसे रिफ्रेश करें। सन स्क्रीन के बारे में सबसे बड़ा मिथ यह है कि वे दैनिक आधार पर उपयोग करने के लिए सुरक्षित नहीं हैं। यह गलत है और वास्तव में यह बच्चों के लिए भी सुरक्षित हैं।

सही सनस्क्रीन कैसे चुनें?

1. **एसपीएफ़** : डॉ सहेता ने हेल्थ शॉट्स को बताया ङ्क ﭏएसपीएफ़ का मतलब सन प्रोटेक्शन फैक्टर है। यह सूर्य की यूवीबी किरणों से सुरक्षा का एक उपाय है। मान लीजिए, अगर आपकी त्वचा 10 मिनट में थोड़ी धूप से झुलस जाती है तो एक एसपीएफ 15 वाला सनस्क्रीन आपकी त्वचा को इस पीरियड में 15 गुना यानी 150 मिनट तक सुरक्षित रखेगा।

2. **कितना एसपीएफ़** : एक आम गलत धारणा है कि एसपीएफ़ रेटिंग जितनी अधिक होगी, सुरक्षा उतनी ही बेहतर होगी। वास्तव में एसपीएफ 30 वाला सनस्क्रीन ज्यादातर भारतीय त्वचा के लिए काफी अच्छा होता है। मगर, यदि आप दिन में ज़्यादातर समय धूप में बिताती हैं, तो 50 या इससे अधिक वाले सनस्क्रीन आपके लिए सही है।

3. **ब्रॉड स्पेक्ट्रम** : एक ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन आपकी त्वचा को यूवीए किरणों से भी बचाती है। यूवीए किरणें आपकी त्वचा को समय से पहले बूढ़ा कर देती हैं। इसलिए, एक पीए +++ रेटिंग की तलाश करें।

4. **अन्य कारक** : यदि आपको अक्सर मुंहासे निकलते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपका सनस्क्रीन गैर-कॉमेडोजेनिक है। यदि आप समुद्र तट पर एक दिन बिताना चाहते हैं, तो ऐसा सनस्क्रीन चुनें जिसमें पानी से बचाने वाले गुण हों।

लगातार 8 घंटे बैठने से बढ़ सकती हैं दिल की बीमारियां

"कम आय वाले देशों में बैठने और हृदय स्वास्थ्य के बीच संबंध अधिक दिखाई दे रहा था। इसने शोधकर्ताओं को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि उच्च आय वाले देशों में बैठना आमतौर पर उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति और बेहतर भुगतान वाली नौकरियों से जुड़ा होता है।"

कोविड -19 महामारी ने जीवन को इस तरह से बदल दिया है कि हाइब्रिड वर्किंग मॉडल अधिकांश प्रोफेशनल के लिए जीने का एक तरीका बन गए हैं। यहां तक ??कि बच्चों को भी ऑनलाइन कक्षाओं और ट्यूशन की व्यवस्था से अवगत कराया गया है। इसने हम सभी को एक ही स्थान पर लगातार बैठे रहने को बाध्य कर दिया है। लेकिन ज्यादा देर तक बैठने के साइड इफेक्ट बहुत ज्यादा हो सकते हैं।

क्या है देर तक बैठने और दिल की समस्याओं के बीच संबंध

साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान के प्रोफेसर स्कॉट लियर और बीजिंग के चीनी चिकित्सा विज्ञान अकादमी के वेई ली के सह-नेतृत्व में एक नया अध्ययन आया है। यह लगातार बैठे रहने और हृदय स्वास्थ्य के बीच की कड़ी पर केंद्रित है। साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान के अनुसार, शोध ने औसतन 11 वर्ष से अधिक लोगों पर रिसर्च किया। यह पाया गया कि ज्यादा देर तक बैठे रहने से जल्दी मृत्यु और हृदय रोग होने का जोखिम अधिक पाया गया ।सर्वेक्षण किए गए सभी 21 देशों में पैटर्न समान था, लेकिन यह विशेष रूप से निम्न-आय और निम्न-मध्यम-आय वाले देशों में किया गया।

एक पत्रिका में प्रकाशित शोध में पूरे देश में 100,000 से अधिक व्यक्तियों के सर्वेक्षण को ध्यान में रखा गया। नतीजे बताते हैं कि जो लोग दिन में लगातार छह से आठ घंटे के बीच

बैठे रहते थे, उनमें समय से पहले मौत और हृदय रोग का खतरा 12-13 प्रतिशत बढ़ गया था। अगर इसे रोजाना आठ घंटे तक बढ़ा दिया जाए, तो जोखिम बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाता है।

लीयर के अनुसार, यहां पर इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि आप कितनी देर तक बैठते हैं। यदि आपको बैठना ही पड़ता है, तो दिन में किसी भी समय सही मात्रा में एक्सरसाइज करने से वह जोखिम दूर हो जाएगा।

एक्टिव रहने वालों के लिए कम होता है हार्ट डिजीज का जोखिम

अध्ययन से जो अन्य तथ्य सामने आए, उनमें यह भी शामिल है कि जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते थे और सबसे कम सक्रिय थे, उनमें स्वास्थ्य जोखिम 50 प्रतिशत से भी अधिक था। जबकि जो लोग लंबे समय तक बैठने के अलावा, सबसे अधिक सक्रिय भी रहे, उनमें लगभग 17 प्रतिशत का ही जोखिम पाया गया ।उन लोगों के लिए जो दिन में चार घंटे से अधिक बैठे रहते हैं, एक्सरसाइज करने के कारण जोखिम दो प्रतिशत तक कम देखा गया।ﭏ यदि लाइफस्टाइल में सकारात्मक बदलाव लाया जाए, तो स्वास्थ्य समस्याएं कम हो जाएंगी।

अध्ययन के अनुसार, कम आय वाले देशों में बैठने और हृदय स्वास्थ्य के बीच संबंध अधिक दिखाई दे रहा था। इसने शोधकर्ताओं को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि ﭏउच्च आय वाले देशों में बैठना आमतौर पर उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति और बेहतर भुगतान वाली नौकरियों से जुड़ा होता है।

लियर ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि बहुत देर तक बैठना एक वैश्विक समस्या है, जिसका उल्लेखनीय रूप से सरल समाधान है। जहां पर आप काम कर रहे हैं, वहां से उठकर थोड़ी चहलकदमी कर लें।

यहां हैं ज्यादा देर तक बैठने के दुष्परिणाम

कूल्हों और पीठ पर दबाव पड़ने से रीढ़ की हड्डी की समस्या बढ़ सकती है।

लंबे समय तक पैर लटके रहने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है

वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है।

तनाव, पारिवारिक इतिहास और रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज़) महिलाओं में दिल की बीमारियों के कुछ जोखिम कारकों में शामिल हैं। रजोनिवृत्ति के बाद उनमें कार्डियो वास्कुलर (हृदय तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी) बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि ये लक्षण आम तौर पर नहीं होते और छाती में तेज़ दर्द की तरह तुरंत ध्यान में नहीं आते, इसलिए हमेशा महिलाएं इसे समय पर पहचान नहीं पाती हैं। इस वजह से, महिलाएं इमरजेंसी मामलों में ही अस्पताल में आती है, जब हृदय को नुकसान हो गया होता है। जबकि, पूरी दुनिया में महिलाओं में मौत के लिए सबसे प्रमुख कारणों में से एक हृदय रोग है, लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि बड़े तौर पर इसे रोका जा सकता है। यदि महिलाएं उनके दिल के अनोखे लक्षणों और जोखिम कारकों के बारे में अधिक जागरुक रहें, तो जीवन के प्रत्येक चरण में हृदय रोग संबंधी समस्याओं को दूर रखा जा सकता है।

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं। टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'

भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009